@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

रविवार, 10 मई 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 185 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार का गठन

शुभेंदु अधिकारी संग पांच मंत्रियों ने ली शपथ

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शनिवार को पश्चिम बंगाल की पहली भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता आयोजित समारोह में मौजूद रहे। भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ पांच मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण किया। नई भाजपा सरकार की पहली मंत्रिपरिषद में उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल दोनों क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। मंत्रिमंडल में आदिवासी, मतुआ और राजबंशी समाज के नेताओं को भी जगह मिली है। शुभेंदु अधिकारी के साथ जिन नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली उनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया, निशीथ प्रमाणिक और खुदीराम टुडू शामिल हैं। हालांकि, अभी विभागों का बंटवारा नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। दिलीप घोष ने खड़गपुर सदर, अग्निमित्रा पाल ने आसनसोल दक्षिण, अशोक कीर्तनिया ने बनगांव उत्तर, क्षुदिराम टुडू ने रानीबांध और निशीथ प्रमाणिक ने माथाभांगा सीट से जीत दर्ज की है।

● हालांकि, अभी पूरी मंत्रिमंडल का गठन नहीं हुआ है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही शुभेंदु अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे।

मिथुन चक्रवर्ती ने राजनाथ सिंह-योगी आदित्यनाथ के छुए पैर, अमित शाह को लगाया गले

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में शनिवार को भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कई ऐसे दृश्य देखने को मिले, जिनकी चर्चा अब सोशल मीडिया पर तेजी से हो रही है। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने भी शिरकत की। दरअसल, शपथ ग्रहण समारोह में मिथुन चक्रवर्ती का लुक काफी हटकर था। उन्होंने कुर्ता-पायजामा के साथ गले में शॉल और सिर पर लाल रंग की कैप लगाई हुई थी। मंच पर आते ही उन्होंने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पैर छुए, हालांकि राजनाथ ने उन्हें ऐसा करने से रोका और फिर हाथ मिलाया। इसके बाद उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को गले लगाया, जिसका वीडियो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। राजनाथ और अमित शाह से मिलने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से हाथ मिलाया और फिर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से मिले। इस दौरान उन्होंने नायडू के भी पैर छूने की कोशिश की, लेकिन नायडू ने उन्हें रोका और हाथ मिलाते हुए मुस्कुराहट के साथ बात की। आगे बढ़ते हुए वह भाजपा नेता जेपी नड्डा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मिले।

पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार के गठन को मोदी ने ऐतिहासिक दिन बताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के गठन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि नौ मई 2026 का दिन इतिहास में ''नई उम्मीद, सम्मान और सुशासन'' के अध्याय के रूप में याद रखा जाएगा। मोदी ने शनिवार को एक्स पोस्ट में सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री पद की शपथ को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात रही। प्रधानमंत्री ने कहा, ''9 मई 2026 का दिन इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण दिवस के रूप में दर्ज होगा। यह दिन नई आशा, गरिमा और सुशासन के नए अध्याय के वादे के साथ हमेशा याद रखा जाएगा। कोलकाता के प्रतिष्ठित 'ब्रिगेड परेड ग्राउंड' में, भाजपा सरकार ने शपथ ग्रहण की। मुझे और मेरे साथ कई अन्य लोगों को इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।' उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह ''पोइला बैसाख'' के अवसर पर और गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती के दिन होना ''सुखद संयोग'' है। इस समारोह में गुरुदेव टैगोर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनके कालजयी शब्दों ने लंबे समय से राष्ट्र की अंतरात्मा को झकझोरा है और उनकी दूरदृष्टि भारत की विकास यात्रा को निरंतर आलोकित कर रही है।'

पश्चिम बंगाल अब विकास, सुरक्षा, समृद्धि के नए दौर की ओर अग्रसरः नितिन नवीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर सुवेंदु अधिकारी को सफल कार्यकाल की बधाई दी। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन सरकार' की शक्ति के साथ पश्चिम बंगाल अब विकास, सुरक्षा और समृद्धि के नए दौर की ओर अग्रसर है तथा 'सोनार बांग्ला' के साझा संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर सुवेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं सुवेंदु अधिकारी के सशक्त नेतृत्व में पश्चिम बंगाल दशकों के भ्रष्टाचार, कुशासन और अव्यवस्था से मुक्त होकर सुशासन, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ेगा। दलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निसिथ प्रमाणिक को पश्चिम बंगाल के नवगठित मंत्रिमंडल में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। दशकों की प्रतीक्षा के बाद आज राज्य में सुशासन, विकास और जनविश्वास के एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में नई सरकार जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी और संवेदनशील प्रशासन के संकल्पों को पूरी निष्ठा से साकार करेगी।

कर्नाटक में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अलर्ट, 'बंगाल जैसी स्थिति' से बचना चाहती है सरकार

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि राज्य में भी जल्द ही एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया शुरू होने जा रही है और सरकार इस बात को लेकर सतर्क है कि पश्चिम बंगाल जैसी विवादित स्थिति यहां पैदा न हो। मीडिया से बातचीत में परमेश्वर ने कहा, 'हमारे राज्य में भी एसआईआर प्रक्रिया शुरू होगी। हमें बेहद सावधान रहने की जरूरत है। पश्चिम बंगाल में जो कुछ हुआ, वैसा कर्नाटक में नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया इस मुद्दे पर पहले ही बैठक कर चुके हैं। कुछ जगहों पर मैपिंग पूरी हो चुकी है, जबकि कुछ स्थानों पर काम अभी बाकी है।' उन्होंने कहा कि उन्हें शुक्रवार को एसआईआर से जुड़ी एक बैठक में बुलाया गया था।

पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा से ईडी ने की 10 घंटे पूछताछ, गिरफ्तार

● मंत्री की गिरफ्तारी के साथ ही पंजाब की राजनीति गरमा गई है।

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने करीब 10 घंटे तक पूछताछ के बाद चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। ईडी की टीम ने यह कार्रवाई 157 करोड़ की फर्जी बिक्री तथा फर्जी शैल कंपनियों के माध्यम से पैसों की लेन-देन के आधार पर किया है। मंत्री की गिरफ्तारी के साथ ही पंजाब की राजनीति गरमा गई है। पंजाब के मुख्यमंत्री समेत तमाम मंत्री संजीव अरोड़ा के समर्थन में आ गए हैं। वहीं, विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा अकाली दल ने आम आदमी पार्टी (आआपा) का विरोध किया है। ईडी की टीमों ने पिछले 20 दिन में शनिवार को दूसरी बार छापा मारा। ईडी की टीमों ने आज सुबह कार्रवाई शुरू की। दोपहर करीब एक बजे चंडीगढ़ आवास पर पंजाब के ऊर्जा एवं उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद ईडी ने कागजी कार्रवाई पूरी की।

बताया जाता है कि ईडी की टीमों ने अरोड़ा के आवास से लैपटॉप तथा कंपनियों के दस्तावेज भी अपने कब्जे में लिए। इसके बाद करीब पांच बजे ईडी की टीमों ने संजीव अरोड़ा को आधिकारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद ईडी उन्हें दिल्ली ले गई जहां आगे की पूछताछ होगी।

बैंक धोखाधड़ी: मुंबई में अनिल अंबानी समूह के 17 ठिकानों पर सीबीआई का छापा

'पिछले कुछ महीनों में विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा दर्ज कराई गई'

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अनिल अंबानी समूह से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामलों में शनिवार को मुंबई में 17 स्थानों पर व्यापक छापेमारी की। यह कार्रवाई रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड तथा उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज मामलों में की गई।सीबीआई के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम को हजारों करोड़ रुपये के कथित नुकसान से जुड़े मामलों की जांच जारी है। यह छापेमारी 08 मई को मुंबई स्थित सीबीआई मामलों की विशेष अदालत द्वारा जारी तलाशी वारंट के आधार पर की गई। जांच एजेंसी ने निदेशकों के आवासीय परिसरों के अलावा उन मध्यस्थ कंपनियों के कार्यालयों में भी तलाशी ली, जिनके खातों का कथित तौर पर बैंक धनराशि के डायवर्जन और लेन-देन के लिए उपयोग किया गया था। एजेंसी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान कई महत्वपूर्ण और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि कई मध्यस्थ कंपनियां एक ही पते से संचालित हो रही थीं, जिससे लेन-देन के नेटवर्क और धनराशि के उपयोग को लेकर संदेह और गहरा हुआ है। जब्त दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। सीबीआई ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों के आधार पर अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह के खिलाफ सात मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में कथित बैंक धोखाधड़ी, वित्तीय अनियमितताओं और धनराशि के दुरुपयोग की जांच की जा रही है। इन मामलों में कुल कथित नुकसान 27,337 करोड़ रुपये का बताया गया है। सीबीआई ने बताया कि इससे पहले मामलों के पंजीकरण के तुरंत बाद मुंबई समेत विभिन्न स्थानों पर 14 परिसरों में तलाशी अभियान चलाया गया था।

दिल्ली में खरगे के घर में हाईकमान की बैठक

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) वाली सरकार के मुख्यमंत्री के चयन को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। केरल के अगले मुख्यमंत्री के चयन को लेकर दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर निर्णायक बैठक शुरू हो गई है। पार्टी हाईकमान की ओर से इसे प्रक्रिया का अंतिम चरण बताया जा रहा है। इसके बाद राज्य नेतृत्व के लिए पार्टी के चेहरे की घोषणा की जाएगी। कांग्रेस नेतृत्व द्वारा नियुक्त वरिष्ठ नेताओं और पार्टी के पर्यवेक्षक खरगे के आवास पर पहुंचे हैं। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब पार्टी में सियासी खींचतान और खेमेबाजी चरम पर है। गौरतलब है कि यूडीएफ ने विधानसभा चुनावों में बड़ी जीत हासिल कर सत्ता में वापसी की है। इसके बाद से ही केरल में नए मुख्यमंत्री को लेकर कांग्रेस के भीतर सियासी हलचल तेज हो गई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस पर्यवेक्षक मुकुल वासनिक और अजय माकन के साथ ही केरल की प्रभारी और पार्टी महासचिव दीपा दासमुंशी मुख्यमंत्री पद के लिए सर्वसम्मति से एक उम्मीदवार चुनने की चर्चाओं में हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री पद के तीन प्रमुख दावेदार - वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला, विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन, और कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल भी खरगे के आवास पर पहुंच चुके हैं। यह महत्वपूर्ण चर्चाओं की शुरुआत का संकेत है, जो केरल में पार्टी के भविष्य की दिशा तय कर सकती है। खरगे के निवास पर हो रही बैठक कांग्रेस के भीतर अलग-अलग खेमों की ओर से बन रहे दबाव के बीच हो रही है। खास तौर से वी.डी. सतीशन के समर्थकों ने उन्हें केरल का मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग को लेकर राज्य के कुछ हिस्सों में खुले तौर पर विरोध प्रदर्शन किया है।

भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA — जनगणना से जन कल्याण | गृह मंत्रालय भारत सरकार | सत्यमेव जयते

हमारी जनगणना हमारा विकास

(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-2)

स्व-गणना क्या है?
स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

स्व-गणना के क्या लाभ हैं?
- अपनी सुविधा से जानकारी भर सकते हैं
- गोपनीयता सुनिश्चित
- जनगणना प्रक्रिया को तेज़ और कुशल बनाती है

स्व-गणना पोर्टल में लॉग-इन कैसे करें?
- राज्य / संघ राज्य क्षेत्र चुनें
- मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल (वैकल्पिक) भरें
- OTP द्वारा सत्यापन करें
- स्व-गणना शुरू करें

अपने घर का सही स्थान कैसे चिन्हित करें?
- जिला / पिनकोड चुनें
- क्षेत्र / लैंडमार्क दर्ज करें
- मैप पर ज़ूम करें और घर के पास लोकेशन मार्क करें (सटीक पता न दिखने पर घबराएं नहीं)
- सही लोकेशन चिन्हित करना आवश्यक है

क्या मैं अपनी जानकारी बाद में संशोधित कर सकता / सकती हूँ?
- सबमिट करने से पहले एडिट कर सकते हैं
- सबमिशन के बाद, प्रगणक के आने पर ही बदलाव संभव होगा

क्या स्व-गणना (SE) पोर्टल को भारत के बाहर से एक्सेस किया जा सकता है?
नहीं, यह सुविधा केवल भारत की भौगोलिक सीमा के भीतर उपलब्ध है

यदि सबमिशन के बाद गलती पता चले तो क्या करें?
प्रगणक के आने पर SE ID के साथ सुधार करवाया जा सकता है

क्या मैं फॉर्म सेव करके बाद में पूरा कर सकता / सकती हूँ?
हां, आप प्रोग्रेस सेव कर सकते हैं और निर्धारित समय के भीतर फॉर्म पूरा कर सकते हैं

CBC19108/13/0083/2627

टोल फ्री - 1855

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी
CensusIndia2027

मोहब्बत की निशानी ताजमहल के शाही दरवाजे के दरकने लगे पत्थर

-पिछले महीने आंधी-बारिश में दो बार गेट के पत्थर टूटकर गिरे

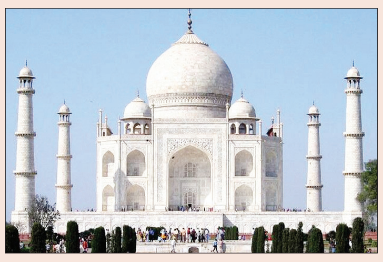

आगरा (एजेंसी)। दुनिया की सबसे खूबसूरत इमारतों में शामिल ताजमहल करीब 373 साल पुराना हो चुका है। इस स्मारक के शाही दरवाजे के पत्थर अब दरकने लगे हैं। दरवाजे की दीवारों में कई जगह दरारें आ गई हैं। कुछ पत्थर अपनी जगह से खिसक गए हैं। शाही गेट अब आंधी और बारिश भी नहीं झेल पा रहा। पिछले महीने आंधी-बारिश में दो बार गेट के पत्थर टूटकर गिर चुके हैं। इससे पहले भी ताजमहल परिसर के कई हिस्सों में पत्थर और जालियां टूट चुकी हैं। मुख्य मकबरे के पीछे यमुना नदी की तरफ लगी जालीदार रेलिंग भी तेज बारिश और आंधी नहीं झेल पाई। साल 2020 में यह रेलिंग गिर गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 7 अप्रैल 2026 को आगरा में तेज आंधी और बारिश हुई। इस दौरान ताजमहल के शाही दरवाजे के सफेद और लाल पत्थर निकलकर गिर गए। गनीमत रही कि कोई पर्यटक इसकी चपेट में नहीं आया। 30 अप्रैल 2026 को आगरा में हल्की आंधी और बारिश हुई। इसके बावजूद शाही दरवाजे के सफेद पत्थर के 5 टुकड़े टूटकर नीचे गिर गए। शाही दरवाजा ताजमहल का मुख्य प्रवेश द्वार है। ताजमहल के पश्चिमी और पूर्वी गेट से प्रवेश करने के बाद पर्यटक फोरकोर्ट में पहुंचते हैं। यहां से इसी शाही दरवाजे के जरिए मुख्य मकबरे तक जाते हैं। पहले दक्षिणी गेट से आने वाले पर्यटक भी इसी दरवाजे के सामने पहुंचते थे। हालांकि, साल 2018 से दक्षिणी गेट बंद है। शाही दरवाजा भी उतना ही पुराना माना जाता है, जितना ताजमहल का मुख्य मकबरा।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में आग : बड़ा हादसा टला, सुरक्षा पर उठे सवाल

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान सरकार के शासन सचिवालय परिसर में शनिवार दोपहर तब हड़कंप मच गया जब सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) के न्यूज सेक्शन में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार देख परिसर में मौजूद कर्मचारियों और अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों की मुस्तैदी और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। डीआईपीआर के उच्चाधिकारियों ने न्यूज सेक्शन का जायजा लिया है और अब नुकसान का आकलन किया जा रहा है, जिसमें कंप्यूटर, तकनीकी उपकरण और महत्वपूर्ण दस्तावेजों के जलने की आशंका है। गौर करने वाली बात यह है कि सचिवालय में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ठीक एक साल पहले भी इसी डीआईपीआर कार्यालय के एक कमरे में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी, जिसमें कुछ जरूरी फाइलें और फर्नीचर जल गए थे। बार-बार एक ही विभाग में बिजली संबंधी गड़बड़ी से आग लगना, शासन सचिवालय की पुरानी वायरिंग और अग्नि सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा पर गंभीर सवालिया निशान खड़े करता है। अधिकारियों ने विद्युत व्यवस्था और अग्नि सुरक्षा इंतजामों की नए सिरे से समीक्षा करने की बात कही है।

अमरनाथ यात्रा 2026 : ट्रेनों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, कंफर्म टिकट मिलना हुआ मुश्किल

भोपाल (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा 2026 को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह दिख रहा है। यात्रा शुरू होने से पहले ही भोपाल से जम्मू जाने वाली ट्रेनों में सीटों की भारी मांग के कारण कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल हो रहा है। हालात ये हो गई हैं कि यात्रा की तारीख से 60 दिन पहले टिकट बुक कराने पर भी यात्रियों को वेटिंग का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे के नए नियमों के अनुसार 1 नवंबर 2024 से एडवांस रिजर्वेशन पीरियड (एआरपी) को 120 दिन से घटाकर 60 दिन किया गया है। इसके चलते अमरनाथ यात्रा के दौरान टिकटों की मांग और अधिक बढ़ गई है। भोपाल से जम्मू जाने वाली प्रमुख ट्रेनों में मालवा एक्सप्रेस (12919), झेलम एक्सप्रेस (11077) और अंदमान एक्सप्रेस (16031) में सीटों की उपलब्धता बेहद कम है। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक चलेगी। यात्रा अवधि को देखकर श्रद्धालुओं ने रेलवे से भोपाल से जम्मू के लिए विशेष ट्रेनें चलाने की मांग की है, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके और यात्रा सुगम हो सके। यात्रा को लेकर आईआरसीटीसी और अन्य टूर ऑपरेटरों द्वारा विशेष यात्रा पैकेज भी पेश किए जा रहे हैं। हालांकि, यात्रियों की बढ़ती संख्या के कारण ये पैकेज भी तेजी से भर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने व्यापारी की याचिका खारिज की : पीड़ित-केंद्रित न्याय पर जोर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दुबई निवासी कारोबारी समीर अग्रवाल की उस याचिका को खारिज किया हैं, जिसमें उन्होंने उत्तराखंड, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में उनके खिलाफ दर्ज 24 आपराधिक मामलों को दिल्ली स्थानांतरित कर एक साथ जोड़ने की मांग की थी। अपने फैसले में शीर्ष अदालत ने पीड़ित-केंद्रित न्याय के महत्व पर विशेष जोर दिया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सवाल किया कि क्या शीर्ष अदालत को आरोपी की सुविधा के लिए उसके कथित धोखाधड़ी और जालसाजी के पीड़ितों को विभिन्न राज्यों से दिल्ली आने के लिए मजबूर करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पूर्व के उन फैसलों पर नाराजगी जाहिर की, जिसमें बड़े धोखाधड़ी मामलों की प्राथमिकियों को समेकित किया गया था, यह कहते हुए कि अक्सर इसतरह के निर्णय पीड़ितों के बजाय आरोपियों को लाभ पहुंचाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धोखाधड़ी का हर मामला विशिष्ट होता है, क्योंकि इसमें पीड़ित और धोखाधड़ी की राशि अलग-अलग होती है, भले ही आरोपी एक ही हो। पीठ ने टिप्पणी की कि जांच के लिए प्राथमिकियों को समेकित नहीं किया जा सकता, और इसतरह के धोखाधड़ी के शिकार लोग अक्सर न्यायिक प्रणाली के अदृश्य शिकार भी होते हैं। चीफ जस्टिस ने सुझाव दिया कि यदि कारोबारी उच्चतम न्यायालय रजिस्ट्री में 1,000 करोड़ रुपये जमा करे, ताकि पीड़ितों को दिल्ली आने के लिए यात्रा और ठहरने का खर्च दिया जा सके, तब इस पर विचार किया जा सकता है।

देशभर में बारिश-आंधी का अलर्ट, कई राज्यों में भारी वर्षा की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों तक मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा, जहाँ बारिश, गरज-चमक और तेज़ हवाओं के साथ कुछ जगहों पर ओलावृष्टि और भारी वर्षा की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 10 से 14 मई के बीच देश के विभिन्न हिस्सों के लिए यह चेतावनी जारी की है।

उत्तर भारत में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 11 से 14 मई के दौरान बारिश और आंधी का पूर्वानुमान है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 12 से 14 मई, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 13 और 14 मई को गरज, बिजली और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और उत्तराखंड के लिए 11 और 12 मई को 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति और झोंकों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुँचने वाली तेज़ हवाओं के साथ गरज की संभावना है। पूर्वी भारत में, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 9 और 12 मई को, तथा गांगेय पश्चिम बंगाल में 10 मई को 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। बिहार में 10 से 12 मई, ओडिशा में 9 से 12 मई और झारखंड में 10 से 14 मई के दौरान भी ऐसी ही स्थिति रहेगी। मध्य भारत में, मध्य प्रदेश में 9 मई को, विदर्भ में 10 मई को और छत्तीसगढ़ में 9 से 12 मई के दौरान गरज-चमक, बिजली और 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश में 9 मई को कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। पूर्वोत्तर में, असम और मेघालय में 11 और 12 मई को; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में 9 से 10 मई और फिर 11-12 मई को; अरुणाचल प्रदेश में 12 मई को गरज-चमक और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होगी। अरुणाचल प्रदेश में 13-14 मई को और असम-मेघालय में 12-14 मई को भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भी मौसम खराब रहेगा। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, और लक्षद्वीप में 9 से 12 मई तक गरज-चमक और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने का अनुमान है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 8 से 12 मई के दौरान बारिश हो सकती है। कर्नाटक में 9 से 11 मई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में और 9 मई को तटीय कर्नाटक में भी गरज-चमक के साथ आंधी और तेज़ हवाएं चलेंगी। तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे और लक्षद्वीप में आगामी दिनों में तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 8-9 मई को भारी बारिश की भी संभावना जताई गई है।

पुर्तगाल से भारत लाया गया गैंगस्टर अभय राणा, हरियाणा पुलिस को थी लंबे समय से तलाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने विदेश और गृह मंत्रालय की मदद से गैंगस्टर अभय उर्फ अभय राणा को पुर्तगाल से भारत वापस लाने में सफलता पा ली है। हरियाणा पुलिस को कई गंभीर मामलों में उसकी तलाश थी। अभय राणा हरियाणा में दर्ज कई आपराधिक मामलों में वांछित था। इन मामलों में रंगदारी, आपराधिक धमकी, संगठित अपराध सिंडिकेट का संचालन, हत्या का प्रयास और जान से मारने की धमकी जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। करनाल जिले में दर्ज मामले की जांच में सामने आया कि आरोपी और उसके सहयोगी वॉट्सएप कॉल सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्थानीय व्यापारियों को फिरौती के लिए धमकाते थे। जो लोग उनकी मांगें पूरी नहीं करते थे, उन पर गिरोह के सदस्यों द्वारा हमला किया जाता था। जांच पूरी होने के बाद आरोपी के खिलाफ संबंधित अदालत में चार्जशीट दाखिल की गई। नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (एनसीबी-नई दिल्ली) ने हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर इंटरपोल चैनलों के माध्यम से आरोपी अभय के खिलाफ रेडकार्नर नोटिस जारी कराया। आरोपी की लोकेशन का पता लगने और पुर्तगाल की एजेंसियों द्वारा गिरफ्तारी के बाद भारत की ओर से प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा गया। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुर्तगाल के अधिकारियों ने आरोपी के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी।

बीजेपी प्रवक्ता का विपक्ष पर हमला, सुवेंदु कैबिनेट में 'रोहिंग्या' या 'बांग्लादेशी' नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के प्रवक्ता शाहजाद पूनावाला ने पश्चिम बंगाल में नई बीजेपी सरकार के गठन के बाद सोशल मीडिया पर जातिवाद और सांप्रदायिक राजनीति पर निशाना साधकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि बंगाल के नए मंत्रिमंडल में कोई ÷रोहिंग्या÷ या ÷बांग्लादेशी÷ नहीं है, बल्कि सभी मंत्री भारतीय बंगाली समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने कैबिनेट के प्रमुख चेहरों का जिक्र कर लिखा कि सुवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टुडू और नीतिश सभी भारतीय बंगाली हैं। उन्होंने ÷एक हैं, सबसे सुरक्षित हैं÷ का संदेश देकर विपक्ष पर जातीय और धार्मिक विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाया।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत के बाद सुवेंदु अधिकारी ने राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। यह पहली बार है जब पश्चिम बंगाल में बीजेपी का कोई नेता मुख्यमंत्री बना है। शपथ ग्रहण समारोह में कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य लोग मौजूद रहे। शुभेंदु ने बांग्ला भाषा में शपथ लेकर जनता का अभिवादन किया। इसके बाद मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली। अग्निमित्रा पॉल लगातार दो चुनाव जीत चुकी हैं, जबकि दिलीप घोष पार्टी संगठन में लंबे समय तक अहम भूमिका निभा चुके हैं। विधानसभा की कुल 294 सीटों के आधार पर राज्य में अधिकतम 44 मंत्री बनाए जा सकते हैं। संविधान के अनुसार किसी भी राज्य में मंत्रियों की संख्या विधानसभा के कुल सदस्यों के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती।

मृत बहन का कंकाल लाने वाले जीतू मुंडा की बदली किस्मत

-बैंक खाते से निकालने गए 19 हजार रुपये, अपमान के बाद मिले 15 लाख रुपये

क्योंझर (एजेंसी)। ओडिशा के क्योंझर जिले के दियानाली गांव से हृदय विदारक घटना सामने आई है, जिसने पूरे देश को सोचने पर मजबूर कर दिया। 52 वर्षीय जीतू मुंडा ने अपनी मृत बहन कलरा का कंकाल कंधे पर रखकर बैंक ले जाने का बेहद दर्दनाक कदम उठाया था। जीतू अपनी बहन के बैंक खाते में जमा 19,400 रुपए निकालने पहुंचे थे, लेकिन बैंक मैनेजर ने जीतू से कहा कि बहन को लाने पर ही पैसा मिलेगा। अपनी बहन की मौत की बात बताने के बावजूद, जीतू का आरोप है कि मैनेजर ने यह शर्त रखी, जिसके बाद उन्होंने कब्र से बहन कलरा का कंकाल निकाला और तीन किलोमीटर दूर बैंक तक लेकर पहुंचे।

जीतू और उनकी बहन कलरा, जो 26 जनवरी को बीमार होने के बाद चल बसी थीं, बेहद गरीबी में जीवन यापन कर रहे थे। कलरा ने पति की मौत के बाद एक बछड़ा बेचकर 19,400 रुपए ग्रामीण बैंक में जमा किए थे। उन्हें सरकार से मिलने वाले 1 हजार रुपए और 35 किलो चावल ही जीतू के साथ उनके गुजारे का एकमात्र सहारा था। जीतू का खुद का कोई काम नहीं है और वे एक जर्जर मकान में रहते थे जो कभी भी ढह सकता था। बहन की मौत के बाद, बैंक में जमा यह छोटी सी रकम ही उनके लिए आखिरी आस बची थी।

लेकिन जब हृदय विदारक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जीतू मुंडा की जिंदगी बदल गई है। उन्हें विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों से करीब 15 लाख रुपए की आर्थिक मदद मिल चुकी है। इसके अलावा, उनकी बहन के बैंक खाते में जमा 19,400 रुपए भी मिल गए हैं। एक साल पहले कलरा को मिले सरकारी घर में अब बिजली कनेक्शन भी लग गया है और जीतू मुंडा अब उसी घर में रह रहे हैं।

इस मामले में जिम्मेदार बैंक मैनेजर ने कहा है कि उन्होंने जीतू से केवल आवश्यक दस्तावेज मांगे थे, न कि बहन के मृत शरीर लाने को कहा था। हालांकि, जीतू अपने दावे पर अडिग हैं कि मैनेजर ने जानबूझकर उनसे कहा था कि बहन को लेकर आओ, तभी पैसा मिलेगा, जबकि उन्हें बहन की मौत के बारे में बताया गया था। जांच में यह भी सामने आया है कि जीतू और कलरा पहले भी कई बार बैंक आए थे, और आखिरी बार वे 26 दिसंबर को 500 रुपए निकालने आए थे।

डिंपल यादव की मांग: मतगणना की लाइव स्ट्रीमिंग हो, भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि आयोग पूरी तरह भारतीय जनता पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। मैनपुरी स्थित सपा कार्यालय में पत्रकारों से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में चुनाव आयोग पर भरोसा करना मुश्किल हो गया है क्योंकि उसकी कार्यप्रणाली एकतरफा और सत्ता पक्ष के अनुकूल नजर आ रही है। डिंपल यादव ने पश्चिम बंगाल चुनाव के अनुभवों का हवाला देते हुए मांग की है कि उत्तर प्रदेश में होने वाली आगामी मतगणना प्रक्रिया का लाइव प्रसारण किया जाए। साथ ही, उन्होंने बंगाल चुनाव की मतगणना की फुटेज सार्वजनिक करने की भी मांग उठाई ताकि पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने बंगाल में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने का काम किया है। उनके अनुसार, कार्यकर्ताओं को घरों से निकलने से रोका गया और रात के समय पुलिस दबिश देकर दबाव बनाया गया। सांसद ने आशंका जताई कि भाजपा उत्तर प्रदेश में भी इसी तरह की रणनीति अपना सकती है। राज्य की कानून-व्यवस्था पर प्रहार करते हुए सपा सांसद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध और दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने तंज कसा कि जहां भी भाजपा की सरकारें हैं, वहां महिलाओं पर अत्याचार में वृद्धि हुई है। सपा और ममता बनर्जी के संबंधों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सपा के दीदी के साथ हमेशा मधुर संबंध रहे हैं। आगामी चुनावी चुनौतियों पर उन्होंने स्पष्ट किया कि समाजवादी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता भाजपा की किसी भी रणनीति का डटकर मुकाबला करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस दौरान पार्टी के कई स्थानीय विधायक और वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

बंगाल में चुनाव खत्म होते ही पंजाब में हर दिन ईडी मार रही छापे

केजरीवाल ने पीएम मोदी की तुलना मुगल शासक औरंगजेब से की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा के ठिकानों पर हुई प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भड़क उठे। केजरीवाल ने कहा कि बंगाल में चुनाव खत्म होते ही पंजाब में हर दिन ईडी की छापेमारी शुरू हो गई है। उन्होंने पिछले दिनों ईडी की छापेमारी के बाद सांसद अशोक मित्तल के बीजेपी में चले जाने का भी जिक्र किया। साथ ही पीएम मोदी की तुलना मुगल शासक औरंगजेब से कर डाली।

शनिवार सुबह संजीव अरोड़ा के चंडीगढ़ से दिल्ली तक के ठिकानों पर एक साथ ईडी की टीमें पहुंचीं। आप ने इसे पंजाब चुनावों से जोड़ते हुए केंद्र सरकार पर जोरदार हमला किया। खुद केजरीवाल ने कहा कि जैसे ही बंगाल चुनाव खत्म हुए, मोदीजी ने पंजाब में रोज ईडी ने छापा मारना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ सालों में मोदीजी ने पंजाब के साथ बहुत धोखा किया है। पंजाबियों को तरह-तरह से प्रताड़ित किया है।

केजरीवाल ने आगे कहा कि पंजाब के पानी पर हमला किया, पंजाब यूनिवर्सिटी को लेने की कोशिश की, ग्रामीण विकास का पैसा रोक लिया और अब ईडी ने ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी। उन्होंने राघव चड्ढा और अन्य सांसदों के साथ आप छोड़कर बीजेपी में गए राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल का भी जिक्र किया। केजरीवाल ने कहा कि अशोक मित्तल के यहां रेड हुई, अगले दिन उनको बीजेपी में शामिल करवा लिया। इसका मतलब ईडी की रेड का मकसद चोरी का पैसा ढूंढ़ना नहीं था। केवल अशोक मित्तल को तोड़कर उन्हें बीजेपी में शामिल करवाना था। कुछ दिन पहले संजीव अरोड़ा के यहां भी रेड हुई। वो बीजेपी में शामिल नहीं हुए तो उनके यहां फिर से रेड करवा दी। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब गुरुओं की धरती है। कई सौ साल पहले औरंगजेब ने देश के कई भागों पर कब्जा कर लिया। मोदीजी ने भी बेईमानी से देश के कई हिस्सों पर कब्जा कर लिया है। मोदीजी अब पंजाब पहुंचे हैं। औरंगजेब ने गुरुओं पर बहुत अत्याचार किए। मोदीजी भी पंजाबियों पर अत्याचार कर रहे हैं, लेकिन गुरुओं ने कुर्बानी देकर औरंगजेब का सामना किया और लोगों को बचाया। आज गुरुओं की कुर्बानी से प्रेरणा लेकर पंजाब मोदीजी के अत्याचार का सामना करेगा और पूरे देश को उनके अत्याचार से बचाएगा।

ईरान संकट के बीच ओमान बना भारत और खाड़ी देशों के व्यापार की नई लाइफलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान संकट के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य पर अनिश्चितता का साया गहरा गया है, इस संकट ने भारत और छह खाड़ी देशों के बीच समुद्री व्यापार के लिए बड़ी चुनौती खड़ी की है। इससे ओमान के बंदरगाह एक नई लाइफलाइन और बायपास बनकर उभरे हैं, जो महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग को सुचारु रखने में मदद कर रहे हैं। बीते कुछ हफ्तों से यहीं से होकर सामानों की आवाजाही हो रही है, जिससे भारतीय निर्यातकों ने बहुत राहत की सांस ली है।

मिली जानकारी के अनुसार, बीते कुछ हफ्तों से भारत से खाद्य पदार्थों का निर्यात इन्हीं ओमानी बंदरगाहों के रास्ते खाड़ी देशों तक पहुंच रहा है। गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के छह सदस्य देश सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, कतर, कुवैत और बहरीन अपनी लगभग 85 प्रतिशत खाद्य जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर हैं और भारत उनका एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। होर्मुज स्ट्रेट में बनी बाधा के बीच यह नया मार्ग उनके लिए एक बड़ी मदद साबित हो रहा है।

ओमान का सोहर बंदरगाह इस स्थिति में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। 2004 में खुला यह बंदरगाह होर्मुज के बाहर स्थित है और कृषि उत्पादों को संभालने के लिए इसमें एक समर्पित टर्मिनल है। इसके गहरे समुद्र में स्थित 21 मिलियन वर्ग मीटर के परिसर में लॉजिस्टिक्स, पेट्रोकेमिकल्स और मेटल के लिए भी अलग क्लस्टर हैं। अपनी सामरिक स्थिति के कारण, सोहर बंदरगाह जीसीसी, भारत और पूर्वी अफ्रीकी बाजारों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बन गया है। इस तरह, सलालाह बंदरगाह भी कृषि और खाद्य उत्पादों की आवाजाही के लिए उपयोगी साबित हो रहा है, जो सालाना 2,500 जहाजों को संभालने में सक्षम है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जीसीसी भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जिसका वार्षिक व्यापार 178.56 बिलियन डॉलर से अधिक है। भारत इन देशों को चावल, कपड़े, मशीनरी और रत्न-आभूषण निर्यात करता है, जबकि उनसे कच्चा तेल, गैस और कीमती धातुएं आयात करता है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि इस नए मार्ग से तेल और गैस का आयात कितनी बड़ी चुनौती है या यह संभव भी है या नहीं।

क्रूज शिप से 12 देशों तक पहुंचा हंतावायरस, संक्रमित यात्रियों ने बढ़ाई वैश्विक चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया अभी कोविड-19 महामारी के असर से पूरी तरह उबर भी नहीं है कि अब हंतावायरस के एक खतरनाक स्ट्रेन ने स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण अमेरिका से रवाना हुए एक क्रूज शिप पर फैले संक्रमण के बाद कई देशों में अलर्ट जारी हुआ है। बताया जा रहा है कि संक्रमित यात्री करीब 12 देशों में पहुंच चुके हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निगरानी तेज की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल में क्रूज शिप अर्जेंटीना के उशुआइया बंदरगाह से रवाना हुआ था। जहाज पर करीब 150 यात्री सवार थे। यात्रा के दौरान दो डच यात्री दक्षिण अमेरिका के एक कचरा क्षेत्र में पक्षी देखने गए, जहां उनका संपर्क संक्रमित चूहों से हुआ। माना जा रहा है कि यहीं से वायरस जहाज पर फैला। अब तक पांच मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें तीन लोगों की मौत हो चुकी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, हंतावायरस आमतौर पर संक्रमित चूहों के मल-मूत्र, लार या उनके संपर्क में आने से फैलता है। लेकिन इस बार सामने आया ÷एंडीज स्ट्रेन÷ ज्यादा चिंताजनक माना जा रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह वायरस खांसने, छींकने, किस करने या एक ही गिलास और स्ट्रॉ का इस्तेमाल करने से भी फैल सकता है।

अध्ययन बताते हैं कि संक्रमित व्यक्ति के बेहद करीबी लोगों में संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। 24 अप्रैल को यह क्रूज शिप सेंट हेलेना द्वीप पर रुका था, जहां 29 यात्री उतर गए। उस समय तक संक्रमण की जानकारी सामने नहीं आई थी। बाद में ये यात्री कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, जर्मनी, तुर्की, सिंगापुर और न्यूजीलैंड समेत कई देशों में पहुंच गए। अब विभिन्न देशों की स्वास्थ्य एजेंसियां इन यात्रियों की पहचान कर उन्हें आइसोलेट करने और निगरानी में रखने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल यह स्थिति कोविड जैसी वैश्विक महामारी में बदलने की संभावना कम है। प्रोफेसर का कहना है कि हंतावायरस नया नहीं है और दशकों से मौजूद है। वहीं प्रोफेसर के अनुसार, यह वायरस सामान्य फ्लू की तरह तेजी से नहीं फैलता क्योंकि संक्रमण के लिए अत्यधिक वायरल लोड और बेहद करीबी संपर्क जरूरी होता है। विशेषज्ञों ने आम लोगों से घबराने के बजाय सावधानी बरतने की अपील की है। चूहों वाले इलाकों से दूरी बनाए रखने, भोजन और पेय पदार्थ साझा न करने तथा बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी गई है। फिलहाल स्वास्थ्य एजेंसियां हालात पर करीबी नजर बनाए हुए हैं।

दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम

दिल्ली। दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया। यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी। गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था, जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है। लेकिन इसमें ये भी कहा गया है कि महिला कामगारों के लिए दिल्ली सरकार कानूनों में सुधार कर रही है।

निजी स्कूल की बस ने लॉ स्टूडेंट को रौंदा, दस मीटर तक घिसटता रहा

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक प्राइवेट स्कूल बस ने 24 साल के लॉ स्टूडेंट विनम्र कुमार को रौंद दिया। बस ड्राइवर के ब्रेक लगाने से पहले छात्र करीब 10 मीटर तक बस के नीचे घिसटता रहा। किसी के बस के नीचे फंसे होने को महसूस कर ड्राइवर ने गाड़ी रोकी तब देखा। ड्राइवर खुद पीड़ित को अस्पताल ले गया। जहां उसकी हालत गंभीर है। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। आरोपी की पहचान 32 साल के विजेंद्र कुमार के रूप में हुई है, जो कनॉट प्लेस के एक प्राइवेट स्कूल की बस चलाता है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार कोटला मुबारकपुर के रहने वाले विनम्र कुमार चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी में तीसरे साल के लॉ स्टूडेंट थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को दोपहर करीब 3:30 बजे मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक जानलेवा हादसे की सूचना मिली। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें एक बस और एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली। उन्हें बताया गया कि घायल छात्र को बस ड्राइवर एम्स ट्रॉमा सेंटर ले गया था। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें बताया गया कि युवक को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने विजेंद्र को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। विनम्र अपनी बहन को उसके ससुराल गढ़ी गांव छोड़ने गया था और मथुरा रोड की तरफ जा रहा था, तभी पीछे से बस ने उसे टक्कर मार दी। अधिकारी ने कहा कि पीड़ित ने हेलमेट पहना था। हादसे के बाद वह करीब 10 मीटर तक घिसटता रहा, जिसके बाद ड्राइवर को एहसास हुआ और उसने ब्रेक लगाए। ड्राइवर खुद पीड़ित को अस्पताल ले गया।

ई-रिक्शा चोरी करने वाले गिरोह के चार आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। सिहानी गेट पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी करने वाले गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार कर उनसे दो ई-रिक्शा, ई-रिक्शा की दो बैटरी और अन्य उपकरण बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ चोरी के कई मुकदमे पहले भी दर्ज हैं। कार्यवाहक एसीपी प्रियाश्री पाल ने बताया कि हाल ही में ई-रिक्शा चोरी की कई घटनाएं हुईं थीं। इनके खुलासे के लिए पुलिस टीम लगातार काम कर रही थी। मुखबिर और मोबाइल सर्विलांस के जरिये पुलिस टीम को इनपुट मिला तो मेरठ रोड पर दबिश देकर चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने ई-रिक्शा चोरी की बात कबूली। उनकी पहचान रिंकू व दीपक निवासी नंदग्राम, आसिफ निवासी मलिकनगर मुरादनगर व अनस निवासी जस्सीपुरा कोतवाली के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि रिंकू ई-रिक्शा चोरी करता था। दीपक उसका इस काम में सहयोग करता था और आसिफ ई-रिक्शों को स्क्रैप बनाने व अनस ई-रिक्शों की बैटरी को खरीदने में शामिल रहा। रिंकू, दीपक और आसिफ पर ई-रिक्शा चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों की निशानदेही पर दो ई-रिक्शा, बैटरी, 42 हजार की नकदी बरामद की गई।

अब मोबाइल पर 66 साल पुराने नाटकों का मंचन...आकाश एप तैयार

नई दिल्ली। यदि आप नाटकों के शौकीन हैं और खासकर पुराने नाटक जिन्हें आप देख नहीं सकते हैं तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीनस्थ, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) नाटकों को रेडियो पर सुनाने की तैयारी कर रहा है। दुनिया में किसी भी जगह बैठकर हिंदी और क्षेत्रीय भाषा के दर्शक या श्रोता अपने मोबाइल पर बैठकर एनसीडी के 66 साल के नाटकों को सुन पाएंगे। एनएसडी के डायरेक्टर चित्तरंजन त्रिपाठी ने बताया, 66 साल पुराने नाटकों का ऑडियो संकलन का काम जारी है। इसके लिए एनएसडी ने आकाश नाम से एप तैयार किया है। इसके माध्यम से रंगप्रेमी पुराने नाटकों की ध्वनी सुन सकते हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए गूगल स्टोर पर जाकर आकाश एप को डाउनलोड करना पड़ेगा। इसी एप पर सभी नाटकों की ध्वनि को किया जाएगा। इसके बाद, दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति नाटक को सुन सकेगा। एनएसडी के डायरेक्टर चित्तरंजन त्रिपाठी ने बताया, भारत रंग महोत्सव के 25वें संस्करण का आयोजन 27 जनवरी से 20 फरवरी तक होगा। दिल्ली के अलावा देश के 40 शहरों में नाटक मंचित होंगे। इसमें हर महाद्वीप से एक देश को शामिल किया गया है। इस बार के भारत रंग महोत्सव में 136 भारतीय और 12 विदेशी नाटक, जिनमें 228 भाषाओं और बोलियों में 277 प्रस्तुतियाँ शामिल हैं। इसमें महिला निर्देशकों द्वारा 33 प्रस्तुतियों के अलावा, 19 विश्वविद्यालय और 14 स्थानीय प्रस्तुतियां भी शामिल हैं। एनएसडी के उपाध्यक्ष प्रोफेसर भरत गुप्त ने बताया, जम्मू-कश्मीर स्थित लेह-लददाख में माइनस डिग्री में दर्शकों को नाटकों की प्रस्तुति देखने को मिलेगी। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश के मंडी, हरियाणा के रोहतक,लेह लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन और दीव, मिजोरम के आइजोल, मेघालय में तुरा, असम के नगांव में नाटक मंचित होंगे। महोत्सव में मैथिली, भोजपुरी, तुलु, उर्दू, संस्कृत, ताई खामती और न्यिशी भाषाओं को शामिल किया गया है। इसमें करीब, सभी प्रमुख भारतीय और कई आदिवासी और लुप्तप्राय भाषाओं को भी शामिल किया है।

जिम की फीस चुकाने के लिए कारोबारी को लूटा

गाजियाबाद। जिम की फीस चुकाने और सप्लीमेंट खरीदने में हुए कर्ज को चुकाने के लिए लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में मार्बल्स व्यापारी से लूटपाट की गई। मामले में खुलासा करते हुए पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में दो आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कई महीने से जिम की फीस नहीं दी थी। उसके लिए वह इस वारदात में शामिल हुए थे। उनके पास से 67500 रुपये, दो डंडे और दो बाइक बरामद की गई हैं। इस वारदात में शामिल तीन अन्य आरोपी फरार हैं। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि 16 जनवरी 2026 की शाम आठ बजे इस गिरोह ने दयालपुर दिल्ली निवासी केसरी सिंह से लूटपाट की थी। इसमें कार्रवाई करते हुए बुधवार को लोनी से अमन गुर्जर निवासी लोनी, मोनू गुप्ता निवासी न्यू विकास नगर लोनी, वसीम निवासी ग्राम फकरपुर थाना खेकड़ा जनपद बागपत हाल पता न्यू विकास नगर लोनी, हर्ष निवासी लोनी, फैसल निवासी लोनी और मयंक निवासी न्यू विकास नगर लोनी गिरफ्तार किया गया है। इनके तीन साथी निखिल, अनमोल व एक अन्य फरार हैं। पुलिस के अनुसार हर्ष और उसके पिता कारोबारी के शोरूम के पास ही सैलून चलाते हैं। हर्ष ने कारोबारी पर नजर रखी। इसमें सामने आया है कि वह नकदी को लेकर दिल्ली जाता है। 16 जनवरी को बदमाशों ने लालबाग सब्जी मंडी में मार्बल्स कारोबारी केसरी सिंह की रेकी की और नौकर रवि के साथ स्कूटी पर घर जाते समय रोक लिया। डंडों से रवि के सिर पर प्रहार किया और ढाई लाख रुपये से भरा बैग लेकर भाग गए।

मुस्लिम युवक ने पवित्र सरोवर में किया था कुल्ला, वीडियो हुई थी वायरल

गाजियाबाद। अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अंकुर विहार थानाक्षेत्र की एक कॉलोनी का रहने वाला सुव्हान है। पुलिस के अनुसार आरोपी सुव्हान कॉलोनी में ही संचालित अपने भाई के मेडिकल स्टोर पर काम करता है। 15 जनवरी को वह अमृतसर घूमने गया था। इस दौरान उसकी एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई। वीडियो में युवक गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करता दिखाई दे रहा था।

इसके बाद सिक्ख समुदाय के लोगों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी। साथ ही जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया था। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया आरोपी को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर एसीपी कोर्ट में पेश किया गया और जेल भेज दिया गया है।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससेतमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामनेमुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिल्लू सुमित उर्फ सिंचू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है। इन आरोपियों में से हिमांशु, किशन और चेतन पर पहले से हत्या का एक मामला दर्ज है। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि चार अगस्त देर रात नंद नगरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि आशीष पर चार से पांच व्यक्तियों ने हमला कर दिया है।

मदर्स डे - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

मदर्स डे एक ऐसा दिन है जोकि सारे संसार में अपनी माताओं को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। माँ और बच्चे का संबंध ही सिर्फ एक ऐसा प्रेम है जो कि एक पवित्र व स्वार्थ से रहित है। यदि हम अपने जीवन से उदाहरण लें तो हम देखते हैं कि सबसे उँची व अच्छी मिसाल माँ और बच्चे के सांसारिक प्रेम की ही है। हम देखते हैं कि कैसे एक छोटा बच्चा अपनी माँ के बालों को खींचता है और उसके गालों पर थप्पड़ मारता है तो भी माँ को उसकी इन हरकतों पर क्रोध नहीं आता। यहाँ तक कि अगर बच्चा गंदगी से लिपटा हुआ अपनी माँ के पास आता है तो भी वह बच्चे को गले से लगा लेती है। एक माँ का प्रेम अपने बच्चे के लिए दिल से दिल की राह है। माँ और बच्चे के रिश्ते के बीच लालच का कोई स्थान नहीं है। एक माँ अपने बच्चे के लिए सब कुछ न्यौछावर कर देती है। वह स्वयं अपनी थाली से भोजन लेकर बच्चे को खिलाती है। इसी प्रकार वह स्वयं अपना कोट उतारकर बच्चे को देती है ताकि उसका बच्चा गर्म महसूस कर सके। एक माँ द्वारा अपने बच्चे के लिए की गई कुर्बानियों व बलिदान का कोई अंत नहीं है। इस पवित्र रिश्ते में एक माँ अपने बच्चे के प्रेम के सिवाय इस दुनिया के जितने भी लगाव व प्रेम हैं उनको छोड़ देती है। जब बच्चा उसकी बाहों में लेटा होता है तो वह सब कुछ भूल जाती है और सिर्फ अपने बच्चे के प्रेम में मगन रहती है। एक माँ इस रिश्ते में अपना आपा अर्थात् अहंकार को त्याग देती है। इसी प्रकार एक माँ अपने बच्चे की इच्छाओं के आगे स्वयं को झुका लेती है और उसकी निस्वार्थ भाव से सेवा करती है। हम जानते हैं कि एक माँ का अपने बच्चे के प्रति प्रेम नाजुक और हृदय स्पर्शी है। यह सांसारिक प्रेम का शुद्ध रूप है जो कि पूरी तरह से स्वार्थ से रहित है। इसके साथ ही बच्चों को भी यह जानना और समझना चाहिए कि उनकी माताएँ किस प्रकार उनकी सेवा करती हैं और कितना वे उनके आराम और सुख-सुविधा के लिए त्याग करती हैं। जब हम बड़े हों तो हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम अपनी माताओं के लिए क्या करें। हम उन्हें आदर सहित प्रेम करके ऐसा कर सकते हैं। हम अपने अंतर्मन से हमारे लिए की गई उनकी कोशिशें व प्रयासों को स्वीकार करें। इसके साथ ही यह भी कहा जाता है कि एक प्रभु का प्रेम अपने शिष्य के लिए हज़ारों माताओं के प्रेम से भी बढ़कर है। सर्वशक्तिमान पिता-परमेश्वर हम सभी को बहुत प्रेम करते हैं। वे हमसे किसी भी प्रकार की कोई आशा नहीं करते और वे केवल हमें देने के लिए ही आते हैं। वे हमेशा हमें अपने अंतर में जाकर उनसे जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। हम मदर्स डे के दिन यह प्रतिज्ञा करें कि हम अपनी माँ के निस्वार्थ प्यार को न सिर्फ मदर्स डे के दिन स्मरण करेंगे बल्कि उसे प्रतिदिन अपने दिलों में संजो कर रखेंगे। हम परम पिता-परमात्मा का भी शुक्रिया अदा करें कि उन्होंने हमें मानव जीवन का सुनहरा अवसर प्रदान किया है और उनके अनगिनत आशीर्वाद व असीम प्रेम का शुक्रिया अदा करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि हम प्रेम से सदाचारी जीवन जीते हुए ध्यान-अभ्यास में समय दें और आध्यात्मिक मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें।

कोर्ट ने कहा- पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक क्रूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई क्रूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का उपयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव शामिल है, अपने आप में इतने गंभीर हैं कि विवाह को भंग करने की मांग को उचित ठहराते हैं। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उनकी वैधता पर सवाल उठाए गए और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए गए। कोर्ट ने कहा, नौ मई 2011, 15 मई 2011 और 27 जून 2011 को भेजे गए विशिष्ट संदेशों में 'बास्टर्ड', 'सन ऑफ बिच' जैसे शब्द और यह सुझाव कि उनकी मां को वेश्यावृत्ति के माध्यम से कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता को दर्शाते हैं।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया।

जांच अधिकारी तुषारकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर की कृष्ण ने शराब पी रखी थी। इसी बात का लेकर पिता धनीराम और दोनों बेटे सुदामा और सूरज ने उसके साथ मारपीट की।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H.NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR-2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhaviksha Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi . -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/O LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने बायोमेट्रिक के लिए जारी किया शेड्यूल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने हरियाणा ग्रुप-सी 2025 के लिए बॉयोमेट्रिक के लिए छह दिनों का शेड्यूल जारी कर दिया है। आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बॉयोमेट्रिक के लिए छह दिनों का शेड्यूल और एडमिट कार्ड जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बाकी बचे अभ्यर्थियों का शेड्यूल और एडमिट कार्ड बाद में जारी किया जाएगा। अभ्यर्थियों को ईमेल के माध्यम से इसकी जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सीईटी ग्रुप-सी 2025 परीक्षा में जिन अभ्यर्थियों की बॉयोमेट्रिक नहीं हो पाई थी, उनकी बॉयोमेट्रिक 11 मई से आयोजित होगी। वहीं हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन ने राज्य में साढ़े पांच हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती के लिए फिजिकल मेजरमेंट टेस्ट के लिए दूसरा शेड्यूल जारी कर दिया है।

आईएएस अधिकारी प्रशांत पंवार की केन्द्र सरकार में प्रतिनियुक्ति

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी प्रशांत पंवार की सेवाएं केन्द्र सरकार को सौंप दी हैं। 2015 बैच के पंवार को केन्द्रीय कोयला मंत्रालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। प्रशांत पंवार वर्तमान में सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग के निदेशक एवं विशेष सचिव के पद पर कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त वे राज्य सरकार में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के मिशन निदेशक, हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा नागरिक संसाधन सूचना विभाग (क्रिड) के विशेष सचिव का दायित्व भी संभाल रहे थे।

हरियाणा में आउटसोर्स कर्मचारियों को बड़ी राहत

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत कार्यरत कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए उनके कार्यकाल में तीन महीने का और विस्तार कर दिया है। सरकार ने आउटसोर्सिंग पॉलिसी पार्ट-2 के अंतर्गत स्वीकृत पदों के समक्ष विभिन्न विभागों, बोर्डों, निगमों तथा सार्वजनिक उपक्रमों में लगे कर्मचारियों की अनुबंध अवधि 30 जून, 2026 (3 माह) तक अथवा सेवा सुरक्षा अधिनियम, 2024 का पोर्टल क्रियाशील होने तक (जो भी पहले हो) बढ़ाने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में जारी एक पत्र में कहा गया है कि इससे पहले इन कर्मचारियों की अनुबंध अवधि 30 मार्च, 2026 तक बढ़ाई गई थी। इस संबंध में हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) द्वारा 25 मार्च, 2025 को जारी ज्ञापन में दी गई शर्तों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

पंजाब सीमा पर रातभर चला सर्च ऑपरेशन

कैथल। जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस ने पंजाब-हरियाणा सीमा पर विशेष अभियान चलाते हुए पूरी रात सघन नाकाबंदी की। इस दौरान सैकड़ों वाहनों की जांच की गई और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गुरुवार रात 11 बजे से सुबह चार बजे तक अंतर-राज्य नाका चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के तहत टटियाना नाका पर विशेष रूप से सख्ती बरती गई। इस दौरान करीब 70 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। डीएसपी गुरविंद्र सिंह ने मौके पर मौजूद रहकर अभियान की अगुवाई की। पुलिस टीम ने कुल 462 वाहनों की गहन जांच की। चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करते हुए आठ वाहनों के चालान किए गए, जबकि एक वाहन को इंपाउंड किया गया। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने बताया कि अपराध पर अंकुश लगाने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के विशेष अभियान आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

अतिथि अध्यापकों को बड़ी राहत : जेबीटी-पीजीटी के मानदेय में बढ़ोतरी

चंडीगढ़। नायब सरकार ने अतिथि अध्यापकों को बड़ी राहत दी है। सरकार की ओर से अतिथि अध्यापकों के मानदेय में बढ़ोतरी की गई है। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से बढ़ाए गए मानदेय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। बढ़ा हुए मानदेय पहली जुलाई से प्रभावी माना जाएगा। अब जेबीटी अतिथि अध्यापकों का कुल मानदेय बढ़कर 36,700 रुपये प्रतिमाह हो जाएगा, जबकि पीजीटी गेस्ट टीचर्स को अब 49,400 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। इससे पहले जेबीटी शिक्षकों को 35,920 रुपये और पीजीटी शिक्षकों को 48,320 रुपये दिए जा रहे थे। शिक्षा विभाग ने यह बढ़ोतरी बेस रेट पर तीन प्रतिशत वृद्धि के आधार पर लागू की है। आदेशों के अनुसार जेबीटी के 26 हजार रुपये के बेस रेट पर 3 प्रतिशत के हिसाब से 780 रुपये की बढ़ोतरी की गई है।

आज पंजाब के हालात पश्चिम बंगाल से भी बुरे : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज अलग-अलग क्षेत्रों में हरियाणा व पंजाब सरकार से संबंधित तथ्यों और आंकड़ों की तुलना करते हुए पंजाब सरकार को फेल सरकार बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब के हालात तो आज पश्चिम बंगाल से भी बुरे हो गए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा निवास में सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के खातों में लाभ राशि के सीधे हस्तांतरण उपरांत प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के शासनकाल में आम जनता पर अत्याचार होता था, लोगों को दिनदहाड़े मौत के घाट उतार दिया जाता था और पुलिस में एफआईआर तक दर्ज नहीं होती थी। कुछ ऐसे ही हालात आज पंजाब में हो गए हैं। पंजाब में नशा और कानून व्यवस्था सरकार के नियंत्रण से बाहर है। हाल ही में पंजाब में हुए बम ब्लास्ट के संबंध में पंजाब के

मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि उन्हें इस बारे में कुछ पता नहीं है जबकि वहां के डीजीपी के अनुसार इसके तार आईएसआई से जुड़े हो सकते हैं। पंजाब सरकार नशे व माइनिंग को नियंत्रित करने का झूठा दिखावा कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले पंजाब के लोग कांग्रेस के भ्रष्टाचार से तंग हो गए थे, लेकिन वर्तमान पंजाब सरकार तो भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस से भी चार कदम आगे निकल गई है। आज पंजाब के लोग इलाज के लिए तड़प रहे हैं, आम आदमी प्रताड़ित हो रहा है। पंजाब के लोग बदलाव चाहते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर आने वाले विधानसभा चुनाव में पंजाब में भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुके हैं। पंजाब में भाजपा की सरकार बनने के बाद वहां भी वही योजनाएं लागू की जाएंगी जो हरियाणा में लागू की गई हैं। उनके पंजाब दौरों पर विपक्ष द्वारा उठाई जा रही आपत्ति के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के लोग उन्हें प्यार से अपने कार्यक्रमों में बुलाते हैं तो इससे विपक्ष के पेट में दर्द क्यों होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने 55 साल के शासन के दौरान कांग्रेस ने देश को कमजोर, आम आदमी को परेशान और भ्रष्टाचार के सहारे अपने आप को मजबूत करने का काम किया है। कांग्रेस के पास न नीति है न काम करने की नीयत है और जब जनता इन्हें सिंहासन से उतारती है तो ये कहते हैं कि वोट चोरी हो गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हमारी सरकार को घुसपैठियों की सरकार कहते हुए जरा भी शर्म नहीं आती है जबकि सच्चाई यह है कि देश में जितने भी घुसपैठिए आए हैं वह सब कांग्रेस सरकार के समय आए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दूरदर्शी सोच व रणनीति से घुसपैठियों को देश से बाहर का रास्ता दिखाया है और भारत को विश्व के एक मजबूत देश के रूप में स्थापित किया है।

पिकअप के 14 चालान मिले लंबित समेत कई अपराध, किया जब्त

एजेंसी

गुरुग्राम। यातायात पुलिस ने एक ऐसे डंपर को जब्त किया, जिसके अलग-अलग यातायात नियमों के उल्लंघन पर ढाई लाख रुपये चालान कटे हुए थे। एक भी चालान का भुगतान पिकअप चालक ने नहीं किया था। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि चालानों की जुर्माना राशि का भुगतान न करने पर पिकअप वाहन को इंपाउंड किया गया है।

यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। चैकिंग के दौरान जिन वाहनों पर 90 दिनों से अधिक समय से चालान लंबित पाए जाते हैं तथा जिनकी जुर्माना राशि का भुगतान नहीं होता है, ऐसे वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई की जा रही है। ऐसे ही एक मामले में शुक्रवार को यातायात निरीक्षक कृष्ण द्वारा अपनी टीम के साथ वाहनों की चैकिंग के दौरान एक पिकअप गाड़ी को रुकवाकर चेड्क्षकग की गई। उसके दस्तावेजों एवं चालानों की जांच की गई। जांच के दौरान पता चला कि पिकअप वाहन पर विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन के 14 चालान लंबित हैं। चालानों की जुर्माना राशि करीब ढाई लाख रुपये बकाया थी। पिकअप चालक ने बिना नंबर प्लेट वाहन चलाना, खतरनाक तरीके से वाहन चलाना और नो एंट्री में वाहन को लेकर जाने का अपराध किया हुआ था। जिस पर यातायात पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए वाहन चालक के खिलाफ तो कार्रवाई की ही गई। साथ ही 90 दिनों से अधिक समय से चालान लंबित होने एवं बकाया जुर्माना राशि का भुगतान न करने पर पिकअप वाहन को इंपाउंड कर लिया गया। गाड़ी को राजीव चौक पार्किंग में खड़ा किया गया है।

हिसार में लाखों के गुमशुदा 18 मोबाइल फोन असल मालिकों के हवाले किए

एजेंसी

हिसार। जिले की साइबर सुरक्षा शाखा ने मोबाइल गुम होने की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए मई माह में अब तक 18 शिकायतों का निपटारा कर गुम हुए 14 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने अपने कार्यालय में गुमशुदा मोबाइल फोन के असल मालिको को बुलाकर उन्हें मोबाईल फोन सौंपे। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि जिला की साइबर सुरक्षा शाखा में मोबाइलगुम होने की शिकायत आती रहती है। इसकी जांच करते हुए साइबर सुरक्षा शाखा प्रभारी पीएसआई अमित कुमार, मुख्य सिपाही मुकेश कुमार सहारण व सिपाही नितिन ने 18 मोबाइल फोन की बरामदगी की और उनके असल मालिक को मोबाइल सौंपे गए। इनमें हिसार के सेक्टर 13 की निशा पांचाल, सतीश बरवाला, संदीप मुजाहदपुर, उमेद लाडवा, रामशरण

किरतान, सुरेन्द्र गुराना, शेर सिंह हिसार, मनीष भैणी बादशाहपुर, धीरज गैबीपुर व जितेन्द्र भारत नगर सहित अन्य शामिल थे। अपना अपना फोन पाकर ये सभी खुश हुए और पुलिस का तहेदिल से धन्यवाद किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इससे पब्लिक में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री ने 58 लाख लाभार्थियों को जारी किए 2115 करोड़ रुपये

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में हरियाणा ऑनलाइन बिल्डिंग प्लान अप्रूवल सिस्टम के डिजिटल प्लेटफार्म तथा किसानों को जे फार्म व्हाटसएप पर भेजे जाने की शुरुआत कर दी है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा निवास में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान इन दो बड़ी सौगातों के अलावा 24 विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत दो हजार 115 करोड़ 41 लाख रुपये राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में जारी किए। इसके तहत 58 लाख 87 हजार 479 पात्र लाभार्थियों को लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' योजना की सातवीं किस्त के तहत 9 लाख 76 हजार लाभार्थी बहनों के खातों में 205 करोड़ रुपये की राशि डाली गई है। इसे मिलाकर अब तक 7 किस्तों में 1 हजार 415 करोड़ रुपये की राशि

जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि आज 18 तरह की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत 1 हजार 146 करोड़ 73 लाख रुपये की राशि सीधे 35 लाख 62 हजार लाभार्थियों के खातों में डाली गई है। इनमें वृद्धावस्था सम्मान भत्ता और दिव्यांगजन भत्ता और अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने 'प्रो-एक्टिव मॉडल' को अपनाया है। जिससे पात्रों को घर बैठे योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत अनुसूचित जाति के 64 हजार 923 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के रूप में 100 करोड़ 45 लाख रुपये की राशि जारी की है। यह छात्रवृत्ति 2 लाख 50 हजार रुपये तक वार्षिक आय वाले अनुसूचित जाति के परिवारों के कक्षा 11वीं से स्नातकोत्तर तक के विद्यार्थियों को दी जाती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि दयालु योजना के तहत 5 हजार 677 परिवारों को 215 करोड़ 29 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। साथ ही आज गैस सिलेंडर रिफिल करवाने वाली 11 लाख 23 हजार महिलाओं के बैंक खातों में फरवरी और मार्च माह की 38 करोड़ 54 लाख रुपये की सब्सिडी भी डाली है। इस योजना में पात्र महिलाओं को हर महीने 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बारिश और जल भराव के कारण खराब हुई खरीफ फसल-2025 के लिए 1 लाख 50 हजार 583 किसानों को 370 करोड़ 52 लाख रुपये की मुआवजा राशि जारी की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने भावांतर भरपाई योजना के तहत आलू और फूलगोभी के लिए 5 हजार 296 किसानों को 38 करोड़ 88 लाख रुपये की भावांतर राशि जारी की है।

सारे देश में भाजपा की हवा, हरियाणा में होने वाले निकाय चुनाव में भाजपा परचम फहराएगी : अनिल विज

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी के बयान कि 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के बराबर नहीं माना जा सकता, के बारे में तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वंदे मातरम हमारा राष्ट्रीय गीत है वह हमारे राष्ट्रीय गान के ही समान है, उसको गाना और उसका सम्मान करना उतना ही आवश्यक है जितना सम्मान हम अपने राष्ट्रगान जन गण मन का करते हैं। विज ने कहा कि भारत में रहना है तो वंदे मातरम गाना होगा। विज आज अंबाला में मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। पंजाब में हुए ब्लास्ट को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा भाजपा पर लगाए आरोप और पंजाब डीजीपी के अलग ब्यान के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने तंज कसते हुए कहा कि भगवंत मान ने शायद ज्यादा पीनी शुरू कर दी है और उसी के नशे में ऐसा गैर जिम्मेदाराना ब्यान दे रहे हैं। विज ने कहा कि वह अपने अधिकारियों के विरुद्ध जाकर बयान दे रहे हैं और अगर वह ये मानते हैं कि यह काम भाजपा ने करवाया है तो वह इसे सिद्ध करें नहीं तो वह त्यागपत्र दें क्योंकि वह मुख्यमंत्री के

साथ-साथ पंजाब के गृहमंत्री भी हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का तूफान बंगाल और असम से चलकर अब पंजाब की तरफ आ रहा है उससे भगवन्त मान जी भयभीत हो गए हैं और यही कारण है कि वह भारतीय जनता पार्टी पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं क्योंकि पंजाब में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने वाली है। हरियाणा में तीन जिलों में नगर निगम के चुनाव हो रहे हैं उस पर भी विज ने कहा कि भाजपा तीनों जगह ही अपना परचम फेहराएगी। उन्होंने कहा कि सारे देश में भाजपा की हवा चल रही है जहां भी चुनाव हो रहे हैं भारतीय जनता पार्टी वहां से जीत रही है। विज ने कहा कि बंगाल में गुंडागर्दी ने अपनी जड़े जमा रखी थी, और गुंडागर्दी के आधार पर 15 साल से शासन कर रहे थे, और भाजपा की हवा ने उनके तंबू उखाड़ दिए तो यह छोटे-मोटे लोग चीज ही क्या है। वहीं, रोजमर्रा की तरह अनिल बीच आज सुबह अपने चर्चित टी पॉइंट पर अपने दोस्तों के साथ चाय पीने पहुंचे थे राजनीतिक मुद्दों पर गरमा गरम बयान देने के बाद अनिल विज ने देशभक्ति का गीत देखो वीर जवानों भी गुनगुनाया। इधर, दूसरी ओर विज ने बताया कि हिंदुस्तान के स्वाभिमान का प्रतीक, देशभक्ति को पूरी तरह समर्पित वीर महाराणा प्रताप जी की जयंती पर अम्बाला छावनी के सदर बाजार में उनकी साढ़े 12 फुट ऊंची मूर्ति का अनावरण कल 9 मई को प्रातः 11 बजे सदर बाजार चौक पर किया जाएगा। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वह अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में शरीक हों। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि महाराणा प्रताप जी की मूर्ति स्थापित करने के लिए उन्होंने अपने स्वैच्छिक कोष से 50 लाख रुपए की राशि नगर परिषद अम्बाला सदर को दी थी और इसी राशि से यह मूर्ति स्थापित की जा रही है। उन्होंने बताया कि मूर्ति 16 क्विंटल वजनी है जोकि पंच धातु से निर्मित है। मूर्ति को स्थापित किया जा चुका है और कल शनिवार को इसका अनावरण किया जाएगा। विज ने बताया कि हमारी कार्यप्रणाली अन्य पार्टियों से अलग है। अम्बाला छावनी में हमने भारत माता के सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति स्थापित की।

एचसीएस अधिकारी 30 जून तक दर्ज कर सकेंगे एपीआर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने हरियाणा सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों की वर्ष 2025-26 की वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट (पीएआर) दर्ज करने की समय-सीमा एक महीने के लिए बढ़ा दी है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी एक पत्र के अनुसार, अब एचसीएस अधिकारियों को 31 मई की बजाय 30 जून, 2026 तक अपना स्व-मूल्यांकन प्रस्तुत करना होगा। रिपोर्टिंग प्राधिकारी को 31 अगस्त तक मूल्यांकन पूरा करना होगा।

रिव्यूइंग प्राधिकारी को 31अक्टूबर तक समीक्षा करनी होगी, जबकि स्वीकार करने वाले प्राधिकारी द्वारा 31 दिसंबर, 2026 तक रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। गौरतलब है कि हरियाणा सरकार ने सभी विभागों को एचसीएस (कार्यकारी शाखा) अधिकारियों की वर्ष 2025-26 की वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट राज्य के इंट्रानेट पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। एचसीएस अधिकारियों की एपीआर वेबसाइट पर ऑनलाइन दर्ज की जाएगी और इसे 31 दिसंबर, 2026 तक अंतिम रूप देना अनिवार्य होगा।

40 वर्ष से अधिक आयु के एचसीएस अधिकारियों के लिए स्वास्थ्य जांच अनिवार्य की गई है और स्व-मूल्यांकन के साथ मेडिकल रिपोर्ट का सारांश भी अपलोड करना होगा। ऑनलाइन प्रणाली में यह व्यवस्था भी की गई है कि यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर संबंधित प्राधिकारी द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है तो रिपोर्ट स्वतः अगले स्तर पर अग्रेषित हो जाएगी, ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके।

टीबी मुक्त हरियाणा के लक्ष्य की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है प्रदेश : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि 'टीबी मुक्त हरियाणा' के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। व्यापक जन-जागरूकता अभियान, आधुनिक तकनीक और सामुदायिक भागीदारी के चलते टीबी उन्मूलन को नई गति मिली है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 24 मार्च 2026 (विश्व टीबी दिवस) से शुरू किए गए 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान (फेज-2) की 30 दिन की अंतरिम प्रगति रिपोर्ट जारी की गई है।

इस अभियान के तहत अब तक 10,978 नए टीबी मरीजों की पहचान की जा चुकी है। यह सफलता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित तकनीकों और सक्रिय केस खोज (Active Case Finding) रणनीति के कारण संभव हुई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अब राज्य की रणनीति केवल मरीजों के सामने आने का इंतजार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में जाकर लक्षण रहित लोगों की भी जांच की जा रही है, ताकि छिपे हुए मामलों की समय रहते पहचान हो सके। आरती सिंह राव ने बताया कि हरियाणा में तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि

'एआई-सक्षम हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनें' दूरदराज क्षेत्रों में तुरंत जांच की सुविधा दे रही हैं। 'कफ अगेंस्ट टीबी' (CATB) ऐप खांसी की आवाज का विश्लेषण कर संभावित मरीजों की पहचान करने में मदद कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के मिशन निदेशक डॉ. आर.एस. ढिल्लों ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान की सफलता में जनभागीदारी की अहम भूमिका रही है। 65 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स को 'चलती-फिरती लैब' के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी जांच संभव हो पाई है। साथ ही जनप्रतिनिधियों और पंचायत संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी से टीबी से जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को दूर करने में मदद मिली है।उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत टीबी जांच को सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ जोड़ा गया है, जिसमें ब्लड प्रेशर, शुगर और एनीमिया की जांच भी शामिल है, ताकि समग्र स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जियोस्पेशियल तकनीक के माध्यम से 2,111 संवेदनशील गांवों और वार्डों की पहचान कर वहां विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने उक्त अभियान के तहत 24 मार्च से 5 मई 2026 तक की गई गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि इस अवधि में कुल 1620 शिविर आयोजित किए गए, जिनमें से 938 उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में लगाए गए। इसी प्रकार 1,81,221 लोगों की स्क्रीनिंग की गई , 49,953 एनएएटी (NAAT) टेस्ट किए गए ,10,978 नए टीबी मरीजों की पहचान की गई।

हिसार में ट्रैफिक व्यवस्था बनाने को सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाएं : सिद्धांत जैन

एजेंसी

हिसार। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने सभी ट्रैफिक अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए पूरी जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाएं।

उन्होंने कहा कि आमजन को अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। साथ ही बाजारों, स्कूलों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों एवं मुख्य चौकों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष निगरानी रखने के आदेश दिए गए। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस आमजन की सुरक्षा के लिए कार्य कर रही है तथा प्रत्येक कर्मचारी को जनता के साथ विनम्र व्यवहार रखते हुए अपनी ड्यूटी ईमानदारी एवं अनुशासन के साथ निभाएं। बैठक में ट्रैफिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझावों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर एएसपी मयंक मुदगिल के अलावा ट्रैफिक प्रभारी, प्रवाचक बलवंत सिंह, प्रभारी इंटरसेप्टर सब इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह व अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

नगर निगम चुनाव में पंचकूला की जनता भाजपा के विकास कार्यों पर मुहर लगाएगी: मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली की उपस्थिति में पंचकूला के वार्ड-12 से निर्दलीय चुनाव लड़ रही पूर्व पार्षद ओमवती पूनिया ने भाजपा प्रत्याशी राकेश जगोता के समर्थन की घोषणा की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली स्वयं ओमवती पूनिया के निवास पर पहुंचे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने ओमवती पूनिया को भाजपा का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया। ओमवती पूनिया ने मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष का घर पहुंचने पर अपने कार्यकर्ताओं के साथ जोरदार स्वागत किया। ओमवती पूनिया ने वार्ड-12 से चुनाव लड़ रहे भाजपा प्रत्याशी राकेश जगोता को पूर्ण समर्थन का वादा किया। उन्होंने कहा कि वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ भाजपा प्रत्याशी को भारी बहुमत से विजयी बनाने के लिए कार्य करेंगी। इस दौरान ओमवती पूनिया ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को राखी के रूप में विश्वास का धागा बांधा। राखी बांधते हुए उन्होंने कहा कि यह विश्वास का धागा है और वह कभी भी पार्टी छोड़कर नहीं जाएंगी। मुख्यमंत्री ने भी हाथ जोड़कर उनका

अभिवादन किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा परिवार निरंतर मजबूत हो रहा है और पार्टी में कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान मिलता है। उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव में पंचकूला की जनता भाजपा के विकास कार्यों पर मुहर लगाएगी और ट्रिपल इंजन सरकार बनाने का काम करेगी। प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि पंचकूला में पूरा माहौल भाजपा के पक्ष में हैं। हर वार्ड में कमल का फूल खिलाने के लिए लोगों में उत्साह है। उन्होंने कहा कि जनता पंचकूला के विकास के लिए मेयर प्रत्याशी श्याम लाल बंसल और सभी वार्डों में कमल खिलाकर विकास कार्यों को और तेज गति देने का काम करेगी। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश सहप्रभारी एवं राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी नवीन गर्ग, सुखबीर पूनिया सहित कई भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

नगर पालिका कर्मियों की मांगों को सरकार शीघ्र करे पूरा : बसंत कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। सफाई कर्मचारी सहित अन्य पालिकाओं, परिषदों व नगर निगमों के छटनी ग्रस्त कर्मचारियों की नौकरी बहाल कर विभाग के रोल पर किया जाए गुरुग्राम में हड़ताल के दौरान उत्पीड़न की कार्यवाही, चार्जशीट, झूठे मुकदमे वापिस हो, 26 सफाई कर्मी नेताओं का सर्विस ब्रेक समाप्त किया जाए एवं 2023 में की गई हड़ताल अवधि का वेतन देने तक एवं अन्य 17 सूत्रीय मांगों का समाधान होने तक हड़ताल जारी रहेगी। उक्त ऐलान नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा की राज्य सह सचिव सुशीला देवी व राज्य उपाध्यक्ष बसंत कुमार ने पिछले 8 दिनों से चली आ रही हड़ताल में बैठे कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सरकार ने 13 वर्षों में सफाई कर्मचारियों का आर्थिक शारीरिक मानसिक शोषण किया है और ठेकेदार का गुलाम बनाने का काम किया है। प्रदेश के सफाई कर्मचारी अब इस गुलामी ठेकेदारी कच्ची नौकरी से छुटकारा पाकर अन्य कर्मचारियों की भांति पक्का काम पक्का रोजगार चाहते हैं। इस न्याय की लड़ाई में शहरों के आम नागरिकों को भी सफाई सेवको को संघर्ष में सहयोग करना चाहिए। कर्मचारी नेता सम्मी बोहत, ज्ञान चंद, रिंकू चावरिया, सीमा देवी, मीनू, गब्बर सिंह का कहना है कि गुरुग्राम में हड़ताल पूर्ण रूप से सफल है और शहर में गंदगी का आलम है प्रशासन द्वारा जबरन सफाई का काम करने का प्रयास पूरी तरह से फेल है। उनकी मांग है कि 8 फरवरी 2023 के पत्र को लागू किया जाए, सफाई सीवर कर्मचारी के रिक्त पदों पर नियमित भर्ती किया जाए, पालिका रोल हरियाणा कौशल रोजगार निगम सहित अन्य कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, 60 प्रतिशत डीए एवं सभी भक्तों सहित समान काम समान वेतन देने, ठेका प्रथा पर रोक लगाई जाए, न्यूनतम वेतन 30 हजार हो, छटनी ग्रस्त कर्मचारियों को बहाल किया जाए। इस अवसर पर कर्मचारी नेता नेता जयपाल, जितेंद्र, अनीता देवी, पिंकी, सुरेंद्र बाल गुहेर, दया गुर्जर, दीपा, कमला देवी, रवि टांक, मनजीत, धर्मपाल, कृष्ण चौकीदार, अशोक कुमार, कुलदीप, आदि ने संबोधित किया।

कच्चे तेल और भू-राजनीति ने तय की भारतीय शेयर बाजार की चाल

विधानसभा चुनाव नतीजों के शुरुआती रुझानों ने दिया सहारा, सप्ताह की मजबूत शुरुआत के बावजूद अंत

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर की सवारी जैसा रहा। वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाओं, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और घरेलू चुनावी रुझानों ने बाजार की दिशा तय की। शुरुआती उत्साह, मध्य-सप्ताह की जोरदार तेजी और फिर अंत में मुनाफावसूली तथा बढ़ते तनाव के चलते आई गिरावट के बावजूद, प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने सप्ताह का समापन मामूली बढ़त के साथ किया, जो निवेशकों की सतर्कता और लचीलेपन दोनों को दर्शाता है। तेल और चुनावी रुझानों का असर सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में शानदार शुरुआत देखने को मिली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी और अमेरिका-ईरान तनाव में कमी के शुरुआती संकेतों ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। इसके साथ ही पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों के शुरुआती रुझानों से मिले सकारात्मक संकेतों ने बाजार को और गति दी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 800 अंकों से अधिक उछल गया और निफ्टी 24,240 के स्तर को पार कर गया। दिन के अंत में हालांकि आईटी और बैंक शेयरों में कुछ गिरावट दर्ज हुई, पर बाजार हरे निशान में बंद हुआ, जहां सेंसेक्स 355.90 अंक बढ़कर 77,269.40 पर और निफ्टी 121.75 अंक चढ़कर 24,119.30 पर पहुंच गया। दूसरे दिन मुनाफावसूली और सतर्कता का रुख सोमवार की तेजी के बाद मंगलवार को बाजार में कमजोरी का रुख रहा। शुरुआती कारोबार में ही भारी मुनाफावसूली हावी रही, जिससे निवेशक सतर्कतापूर्ण रुख अपनाते दिखे। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 361.62 अंक गिरकर 76,907.78 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 134.90 अंकों की गिरावट के साथ 23,980.60 पर पहुंच गया। दिन का कारोबार खत्म होने पर, सेंसेक्स 251.61 अंक गिरकर 77,017.79 पर और निफ्टी 86.50 अंक गिरकर 24,032.80 पर बंद हुआ। वैश्विक संकेतों से मिली ताकत बुधवार का दिन निवेशकों के लिए बेहद शानदार साबित हुआ। वैश्विक मोर्चे पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और भू-राजनीतिक तनाव के जल्द सुलझने की उम्मीदों ने बाजार की धारणा को काफी मजबूत किया। निवेशकों की भारी खरीदारी के दम पर, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 657.22 अंक उछलकर 77,675.01 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 218 अंकों की मजबूत रैली के साथ 24,250.85 पर कारोबार करता नजर आया। दिन के अंत में यह तेजी और बढ़ गई और सेंसेक्स 940.73 अंक बढ़कर 77,958.52 पर तथा निफ्टी 298.15 अंक बढ़कर 24,330.95 पर पहुंच गया, जो सप्ताह की सबसे बड़ी एक दिवसीय बढ़त थी। सप्ताह के अंत में फिर भू-राजनीतिक तनाव और बिकवाली का दबाव गुरुवार को बाजार ने सपाट शुरुआत की, हालांकि शुरुआती बढ़त के बाद बिकवाली के दबाव से नरमी दिखी। विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण दिन भर उतार-चढ़ाव बना रहा और अंततः सेंसेक्स 114.00 अंक गिरकर 77,844.52 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी लगभग सपाट 4.30 अंक टूटकर 24,326.65 पर रहा। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय इक्विटी बाजार पर मध्य-पूर्व से जुड़ी नई भू-राजनीतिक चिंताओं का गहरा असर पड़ा। पश्चिम एशिया में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुए सैन्य तनाव ने वैश्विक निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया। इस अनिश्चितता के माहौल में बैंकिंग शेयरों में बिकवाली और भारी मुनाफावसूली देखने को मिली। दिन के अंत में बीएसई सेंसेक्स 516.33 अंकों (0.66 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 77,328.19 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 150.50 अंक (0.62 प्रतिशत) फिसलकर 24,176.15 के स्तर पर आ गया। स्थिरता के बीच लचीलापन कुल मिलाकर यह सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी अस्थिरता भरा रहा। भू-राजनीतिक हलचल, कच्चे तेल की कीमतों का उतार-चढ़ाव, घरेलू चुनाव परिणाम और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों ने बाजार को लगातार प्रभावित किया। शुरुआती मजबूती और मध्य-सप्ताह की जोरदार रैली के बावजूद, अंत में मध्य-पूर्व के बढ़ते तनाव और मुनाफावसूली ने बाजार को नीचे धकेला।

हालांकि, सप्ताह के अंत में सोमवार के बंद स्तरों की तुलना में सेंसेक्स और निफ्टी ने मामूली बढ़त के साथ समापन किया, जो बाजार के लचीलेपन और निवेशकों के एक बड़े वर्ग द्वारा हर गिरावट पर खरीदारी के रुख को दर्शाता है। आने वाले सप्ताह में भी वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

टाटा ट्रस्ट्स की अहम बैठक टली, वीटो पावर पर मंथन टला, अटकलें तेज

टाटा संस में ट्रस्ट के प्रतिनिधित्व और वीटो पावर की समीक्षा थी मुख्य एजेंडा

मुंबई।

मुंबई में टाटा ट्रस्ट्स की अहम बोर्ड बैठक ऐन मौके पर स्थगित कर दी गई, जिससे कॉर्पोरेट गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म हो गया। बताया जा रहा है कि इस असामान्य स्थगन के पीछे टाटा संस के निदेशक मंडल में ट्रस्ट के वीटो पावर संबंधी संवेदनशील एजेंडा मुख्य कारण है। जानकार सूत्रों के अनुसार बैठक का मुख्य एजेंडा टाटा संस के निदेशक मंडल में टाटा ट्रस्ट्स के प्रतिनिधित्व की समीक्षा करना था। टाटा संस के अनुच्छेद 121ए के तहत नामित निदेशकों को अहम फैसलों पर वीटो शक्ति प्राप्त है, जिनमें निवेश और नेतृत्व में बदलाव शामिल हैं।

वर्तमान में नोएल टाटा और वेणु श्रीनिवासन ट्रस्ट के नामित निदेशक हैं।

समीक्षा के परिणामस्वरूप श्रीनिवासन के हटने पर नोएल टाटा अकेले नामित निदेशक रह सकते हैं। गौरतलब है कि फरवरी 2026 में नोएल टाटा ने एन

चंद्रशेखरन के चेयरमैन पद पर पुनर्नियुक्ति पर सवाल उठाए थे। टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस में लगभग 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

एक्जिम बैंक का 2025-26 में मुनाफा बढ़कर 4,273 करोड़ हुआ

नई दिल्ली।

भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) का वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध लाभ 32 प्रतिशत बढ़कर 4,273 करोड़ रुपये रहा।बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 में 3,243 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एक्जिम बैंक ने बयान में बताया कि पूरे वित्त वर्ष (2025-26) के दौरान उसका कुल कारोबार 13.31 प्रतिशत बढ़कर 4.50 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि शुद्ध ऋण पोर्टफोलियो लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2.07 लाख करोड़ रुपये रहा।आलोच्य वित्त वर्ष के दौरान बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार दर्ज किया गया है। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घटकर 0.57 प्रतिशत पर आ गया। वहीं एनपीए 0.14 प्रतिशत से घटकर 0.01 प्रतिशत पर रहा।

गूगल भारत में एआई और ड्रोन विनिर्माण में करेगा बड़ा निवेश- वैष्णव

कंपनी पहले ही देश में कर रही है पिक्सल फोन और क्रोमबुक का उत्पादन

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की, जिसमें बताया गया कि अमेरिकी प्रौद्योगिकी दिग्गज गूगल भारत में अपने कृत्रिम मेधा (एआई) बुनियादी ढांचे के विस्तार और सर्वर व ड्रोन के विनिर्माण में बड़े निवेश की संभावना तलाश रहा है। यह कदम भारत को वैश्विक एआई हब बनाने की दिशा में एक अहम कड़ी है। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गूगल अधिकारियों के साथ बैठक के बाद सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि गूगल भारत में एआई बुनियादी ढांचे के साथ-साथ सर्वर और ड्रोन के विनिर्माण में निवेश के अवसर तलाश रही है। यह घोषणा विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में गूगल द्वारा अप्रैल में 15 अरब अमेरिकी डॉलर के एआई केंद्र की आधारशिला रखने के बाद हुई है।

कंपनी भारत में पहले से ही सक्रिय है; वह फॉक्सकॉन और डिक्सन जैसी कंपनियों के साथ मिलकर अपने पिक्सल स्मार्टफोन का उत्पादन करती है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2023 में एचपी के साथ साझेदारी में चेन्नई के पास क्रोमबुक्स का उत्पादन भी शुरू किया गया था। पिछले महीने, गूगल ने विशाखापत्तनम के तारलुवाडा में अपने क्लाउड इंडिया एआई डेटा सेंटर की भी आधारशिला रखी थी। यह मेगा परियोजना अदाणी कॉनेक्स और एयरटेल नेक्स्ट्रा के साथ साझेदारी में विकसित की जा रही है, जिसमें एक गीगावॉट क्षमता वाला हाइपरस्केल एआई डेटा सेंटर शामिल होगा।

यह भारत में गूगल की बढ़ती उपस्थिति और निवेश प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शिक्षा के लिए 30 दिन शेयर मूल्य आंकड़ों का होगा उपयोग सेबी

नया नियम 1 जुलाई से प्रभावी होगा

नई दिल्ली।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को निवेशक जागरूकता और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए शेयर मूल्य आंकड़े साझा करने के नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। अब इन उद्देश्यों के लिए 30 दिन पुराने शेयर मूल्य आंकड़ों का उपयोग किया जा सकेगा। यह नई रूपरेखा 1 जुलाई, 2024 से प्रभावी होगी। सेबी ने एक परिपत्र में स्पष्ट किया कि इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य बाजार आंकड़ों के संभावित दुरुपयोग को रोकना और साथ ही शैक्षणिक सामग्री की प्रासंगिकता को बनाए रखने के बीच एक उचित संतुलन स्थापित करना है। नियामक ने यह फैसला उन सुझावों के आधार पर लिया है जहां एक दिन की देरी को आंकड़ों के दुरुपयोग की आशंका पूरी तरह कम करने में अपर्याप्त पाया गया, जबकि तीन महीने की देरी से शैक्षणिक सामग्री की प्रासंगिकता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा था। यह संशोधन सेबी द्वारा इस संबंध में किए गए पिछले बदलावों की एक श्रृंखला का हिस्सा है। मई 2024 में, सेबी ने लाइव बाजार आंकड़ों के उपयोग को केवल कारोबार और संबंधित कार्यों तक सीमित कर दिया था, और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए एक दिन की देरी के साथ डेटा उपयोग की अनुमति दी थी। इसके बाद, जनवरी 2025 में, नियमों को और सख्त करते हुए केवल शैक्षणिक गतिविधियों में लगे संस्थानों के लिए तीन महीने पुराने

आंकड़ों के उपयोग की शर्त लागू की गई थी।

ई 30 दिन की एकसमान समय-सीमा अब शैक्षणिक संस्थानों को सामग्री तैयार करने और कक्षाओं या अन्य माध्यमों में उपयोग दोनों के लिए समान मानदंड प्रदान करेगी। हालांकि, राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (एनआईएसएम) को अपने सिमुलेशन लैब में उपयोग के लिए एक दिन की देरी के साथ बाजार मूल्य आंकड़ों तक पहुंच मिलती रहेगी।

8वें वेतन आयोग से केंद्रीय कर्मचा रियों का न्यूनतम बेसिक हो सकता है 69,000 रुपए

वेतन आयोग की टीम ने देश के सभी राज्यों में पूरी कीं बैठकें

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। 8वें वेतन आयोग की कवायद तेज हो गई है और आयोग की टीम ने देशभर में अपनी बैठकें लगभग पूरी कर ली हैं। इन बैठकों में कर्मचारियों की समस्याओं और उनकी मांगों को गहराई से समझा गया है।

अब तक की चर्चाओं में जो सबसे अहम मांग उभरकर आई है, वह है फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाकर 3.83 करना और न्यूनतम मूल वेतन को मौजूदा 18,000 रुपये से सीधे 69,000 रुपये तक पहुंचाना। यदि आयोग इन मांगों को स्वीकार करते हुए अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपता है और ये लागू होती हैं, तो केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिलेगी। जानकारी के मुताबिक 8वें वेतन आयोग की टीम ने दिल्ली, पुणे और उत्तराखंड जैसे प्रमुख राज्यों में कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत बैठकें की हैं। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों के वेतन ढांचे में सुधार और उनकी वास्तविक आर्थिक जरूरतों को समझना था। इन संवादों के बाद अब आयोग अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने में जुटा है, जिसे जल्द ही केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा। अगर फिटमेंट फैक्टर 3.83 लागू होता है, तो कर्मचारियों की सैलरी में चौंकाने वाला इजाफा होगा। उदाहरण के लिए, वर्तमान में न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपये है, जो 3.83 फिटमेंट फैक्टर के साथ बढ़कर सीधा 69,000 रुपये हो जाएगा।

यह वृद्धि सभी स्तरों के कर्मचारियों पर लागू होगी।

संभावित वेतन वृद्धि के कुछ उदाहरण- लेवल 1 (चपरासी, अटेंडेंट) का वेतन 18,000 रुपये से बढ़कर 69,000 रुपये हो सकता है, मिड लेवल पर लेवल 7 के कर्मचारी का वेतन 44,900 रुपये से बढ़कर 1.72 लाख रुपये तक पहुंच सकता है, उच्च स्तर के अधिकारियों, जैसे कि लेवल 13, का वेतन 1.23 लाख रुपये से बढ़कर 4.71 लाख रुपये और शीर्ष स्तर (लेवल 18) पर 2.50 लाख रुपये से बढ़कर 9.57 लाख रुपये तक हो सकता है।

बाजार की अस्थिरता के बीच चमके मल्टीबैगर शेयर, दिया 200 फीसदी मुनाफा

सेंसेक्स में गिरावट के बावजूद 5 कंपनियों के शेयरों ने एक साल में निवेशकों की पूंजी की दोगुनी-तिगुनी

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार में बीते एक साल से जारी भारी उतार-चढ़ाव और अस्थिरता के बावजूद, कुछ चुनिंदा शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। जहां सेंसेक्स में 2.50 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, वहीं निफ्टी 50 ने मामूली बढ़त दिखाई। ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में भी, इन मल्टीबैगर शेयरों ने 100 फीसदी से 200 फीसदी तक का जबरदस्त रिटर्न देकर निवेशकों की पूंजी कई गुना बढ़ा दी। इन मल्टीबैगर शेयरों में फोर्स मोटर्स, अडानी पावर, किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स और हिन्दुस्तान कॉपर शामिल हैं। इन कंपनियों के शेयरों पर बाजार की अस्थिरता का कोई खास असर नहीं पड़ा और इन्होंने निवेशकों को शानदार मुनाफा कमाकर दिया। विशेष रूप से एथर एनर्जी के शेयर ने तो निवेशकों के लिए पैसा छापने की मशीन का काम किया, जिसने एक साल में 203 फीसदी का बंपर रिटर्न दिया। यानी अगर किसी निवेशक ने एक साल पहले इसमें 1 लाख रुपए लगाए होते, तो वह राशि अब 3 लाख रुपए से अधिक हो जाती। ये शेयर दर्शाते हैं कि सही कंपनियों में निवेश करने पर बाजार की विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतरीन रिटर्न हासिल किया जा सकता है।

महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने सरकार से की 1500 प्र ति क्विंटल सब्सिडी की मांग

उत्पादन लागत भी न मिल पाने पर जताई चिंता, राहत न मिलने पर आंदोलन की चेतावनी

मुंबई।

महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक किसान कीमतों में भारी गिरावट और उत्पादन लागत में अभूतपूर्व वृद्धि के चलते आर्थिक तबाही का सामना कर रहे हैं। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो पूरे राज्य में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले कई महीनों से प्याज की कीमतें लगातार गिर रही हैं, जबकि बीज, खाद, कीटनाशक, मजदूरी, सिंचाई, बिजली और परिवहन जैसे खर्चों में भारी बढ़ोतरी हुई है। संघ के अनुसार किसान अपनी उत्पादन लागत भी वसूल नहीं पा रहे हैं। संघ ने कई किसानों की आपबीती भी साझा की, जिसमें सोलापुर में एक किसान को 41 बोरी प्याज बेचने के बाद मात्र 519 रुपये का लाभ हुआ, जबकि नासिक में एक किसान को 50 पैसे प्रति किलोग्राम कीमत मिलने पर आत्महत्या का प्रयास करना पड़ा। छत्रपति संभाजीनगर जिले में भी किसानों ने कम कीमतों के विरोध

में प्याज की नीलामी रोक दी। संघ ने केंद्र और राज्य सरकारों से तुरंत 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने, प्याज के निर्यात पर लगी पाबंदियां हटाने, बाजार समितियों में कमीशन को नियंत्रित करने, किसानों को सीधे बाजार तक पहुंच प्रदान करने और प्याज के लिए एक गारंटीशुदा न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा करने की मांग की है। संगठन ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस मामले में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

यदि तत्काल राहत उपायों की घोषणा नहीं की गई, तो पूरे राज्य में आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

एडोब ने नोएडा में खोला नया एआई कें द्रित कार्यालय

उत्तर प्रदेश में तीसरे और देश में सातवें परिसर में 700 से अधिक कर्मचारी करेंगे काम

नई दिल्ली।

अमेरिकी सॉफ्टवेयर दिग्गज एडोब ने हाल ही में नोएडा में अपने अत्याधुनिक नया कार्यालय खोल` लिया है जो भारत में कंपनी के विस्तार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित नवाचार पर उसके बढ़ते जोर को दर्शाता है। यह भारत में एडोब का सातवां और उत्तर प्रदेश में तीसरा परिसर है, जो वर्तमान में 700 से अधिक इंजीनियरिंग और ग्राहक सेवा विशेषज्ञों को समायोजित कर रहा है। नोएडा के सेक्टर 129 में स्थित यह नया कार्यालय एडोब की भारत में रणनीतिक वृद्धि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कंपनी का लक्ष्य एआई-आधारित नवाचार को बढ़ावा देना और वैश्विक रचनात्मकता को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। एडोब इंडिया के कंट्री मैनेजर और डॉक्यूमेंट क्लाउड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अभिज्ञान मोदी ने कहा कि यह उद्घाटन एआई और एजेंटिक तकनीकों की ओर बढ़ रही दुनिया में भारत से नवाचार को गति देने की हमारी रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परिसर को आधुनिक तकनीक और सहयोगी कार्यस्थलों के साथ डिजाइन किया गया है, ताकि एआई युग में टीमवर्क और कर्मचारियों की भागीदारी को बढ़ावा मिल सके। एडोब इंडिया की एम्प्लॉई एक्सपीरियंस हेड स्वाति रुस्तगी ने बताया कि यह कार्यालय तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में टीमों को अधिक प्रभावी ढंग से साथ काम करने में सक्षम बनाएगा। इसके अतिरिक्त, यह आईजीबीसी-प्लेटिनम प्रमाणित है, जो पर्यावरण के अनुकूल निर्माण और ऊर्जा-बचत प्रणालियों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एडोब ने 1997 में एक इंजीनियरिंग अनुसंधान और विकास केंद्र के रूप में भारत में अपनी यात्रा शुरू की थी। तब से कंपनी ने देश में अभूतपूर्व विस्तार किया है। वर्तमान में, एडोब भारत में 8,000 से अधिक लोगों को रोजगार देती है, जिससे यह अमेरिका के बाहर उसका सबसे बड़ा कार्यबल केंद्र बन गया है। कंपनी के वैश्विक नवाचार में भारत की हिस्सेदारी एक-तिहाई से भी अधिक है। प्रतिभा विकास के लिए भी एडोब सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इसी साल कंपनी ने भारत के मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों के छात्रों को फायरफ्लाई, फोटोशॉप और एक्रोबैट जैसे प्रमुख एआई-टूल्स मुफ्त उपलब्ध कराने की घोषणा की थी।

क्लाउडफ्लेयर ने 1,100 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी का किया ऐलान

एआई युग के अनुरूप पुनर्गठन के तहत लिया गया फैसला, प्रभावितों को मिलेगा व्यापक पैकेज

नई दिल्ली।

अमेरिकी कनेक्टिविटी क्लाउड कंपनी क्लाउडफ्लेयर ने वैश्विक स्तर पर 1,100 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। कंपनी ने अपने परिचालन ढांचे को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल के अनुरूप बदलने के लिए यह कदम उठाया है। यह फैसला तकनीकी उद्योग में एआई के तेजी से बढ़ते प्रभाव और उसके कारण होने वाले संरचनात्मक बदलावों की ओर स्पष्ट संकेत देता है। कंपनी के एक आंतरिक मेमो के अनुसार` पिछले तीन महीने में क्लाउडफ्लेयर में एआई का आंतरिक उपयोग 600 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है। इंजीनियरिंग, वित्त, मानव संसाधन और मार्केटिंग सहित कई विभागों में कर्मचारी अब अपने रोजमर्रा के कामों के लिए तेजी से एआई एजेंट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। क्लाउडफ्लेयर ने स्पष्ट किया है कि यह कदम केवल लागत घटाने या खराब प्रदर्शन के आधार पर की गई छंटनी नहीं है, बल्कि एजेंटिक एआई युग के अनुरूप पूरे संगठन में एक बड़े परिवर्तन का हिस्सा है। मेमो में यह भी कहा गया है कि यह निर्णय नौकरी छोड़ने वाले कर्मचारियों की प्रतिभा या काम का प्रतिबिंब नहीं है, बल्कि कंपनी

हर आंतरिक प्रक्रिया, टीम और भूमिका को नए सिरे से डिजाइन कर रही है। प्रभावित कर्मचारियों को सीधे जानकारी दी जाएगी और उन्हें आधिकारिक व व्यक्तिगत दोनों ईमेल पते पर नोटिस भेजी जाएगी। क्लाउडफ्लेयर ने प्रभावित कर्मचा रियों के` लिए एक व्यापक पैकेज की घोषणा की है। इसमें 2026 के अंत तक पूरा मूल वेतन, अमेरिका में वर्ष के अंत तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ और 15 अगस्त तक अतिरिक्त इक्विटी वेस्टिंग लाभ शामिल हैं। जिन कर्मचारियों ने अभी तक अपनी एक साल की वेस्टिंग अवधि पूरी नहीं की है, उन्हें भी अलगाव पैकेज के तहत आनुपातिक इक्विटी वेस्टिंग दी जाएगी। कंपनी इस पुनर्गठन प्रक्रिया को एक ही चरण में पूरा करना चाहती है, ताकि लंबे समय तक अनिश्चितता से बचा जा सके। कंपनी का मानना है कि यह बदलाव उसे तेज और ज्यादा नवोन्मेषी बनाएगा, क्योंकि वह एआई-आधारित उत्पादों और सेवाओं में लगातार निवेश कर रही है।

एयर इंडिया घाटे वाले मार्गों पर कम करेगी उड़ानें

हवाई क्षेत्र की पाबंदियां और ईंधन की ऊंची कीमतें बनी वजह

नई दिल्ली।

एयर इंडिया अपने कुछ मार्गों पर उड़ानों की संख्या कम करने या सेवाएं निलंबित करने पर विचार कर रही है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि हवाई क्षेत्र से जुड़ी बाधाओं और बढ़ती परिचालन लागत के कारण कई उड़ानें अब लाभदायक नहीं रह गई हैं या घाटे में चल रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र बंद होने, पश्चिम एशिया में संघर्ष और विमान ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि ने लंबी उड़ान अवधि के साथ मिलकर एयरलाइन की परिचालन लागत को काफी बढ़ा दिया है। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते कई अंतरराष्ट्रीय मार्ग अब लाभकारी नहीं रह गए हैं, जिससे उन पर संचालन घटाना आवश्यक हो गया है। कुछ मामलों में उड़ानों की आवृत्ति कम की जाएगी, जबकि अन्य पर सेवाएं पूरी तरह से रोकनी पड़ सकती हैं। लागत कम करने के प्रयासों के तहत एयरलाइन ने कर्मचारियों के लिए

वार्षिक वेतनवृद्धि को कुछ समय के लिए स्थगित करने की घोषणा की है। साथ ही, कर्मचारियों से गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करने की अपील भी की गई है। विल्सन ने जोर दिया कि नेटवर्क को परिस्थितियों के अनुसार लचीला रखना महत्वपूर्ण है और अनुकूल बदलाव आने पर इन मार्गों पर सेवाएं फिर से शुरू की जा सकती हैं।

एयरलाइन ने अप्रैल से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती शुरू की थी, जो मई में जारी रही और जून-जुलाई के लिए भी और कटौती की संभावना है।

बंगाल की हिंसा है लोकतंत्र पर धब्बा और बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

यह विडंबना है कि भारत, जिसने विश्व को अहिंसा, करुणा और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का मंत्र दिया, आज वही देश राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी छवि धूमिल करता दिखाई देता है। महात्मा गांधी ने राजनीति को नैतिकता और सेवा से जोड़ा था, लेकिन आज राजनीति सत्ता, प्रतिशोध और भय का माध्यम बनती जा रही है। बंगाल की हिंसा इस बीमारी का एक भयावह उदाहरण है। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास हिंसा से अछूता नहीं रहा है।

पश्चिम बंगाल में हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनावों के बाद जिस प्रकार हिंसा, हत्याओं, आगजनी और राजनीतिक प्रतिशोध की घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने केवल राज्य की शांति को ही नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को भी आहत किया है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव माना जाता है, किंतु जब यह उत्सव हिंसा, भय और प्रतिशोध में बदल जाए तो यह केवल राजनीतिक असफलता नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का संकेत बन जाता है। बंगाल की ताजा हिंसक घटनाएं इसी चिंता को सामने लाती हैं। चुनाव के दौरान छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो मतदान अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ था। लेकिन परिणामों की घोषणा के बाद जिस प्रकार राजनीतिक दलों के समर्थक एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक हुए, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब वैचारिक संघर्ष न रहकर प्रतिशोध और वर्चस्व की लड़ाई बनती जा रही है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़पें, कई लोगों की हत्याएं और विशेष रूप से सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या ने पूरे घटनाक्रम को और अधिक गंभीर बना दिया। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह क्यों बची रहनी चाहिए?

यह विडंबना है कि भारत, जिसने विश्व को अहिंसा, करुणा और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का मंत्र दिया, आज वही देश राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी छवि धूमिल करता दिखाई देता है। महात्मा गांधी ने राजनीति को नैतिकता और सेवा से जोड़ा था, लेकिन आज राजनीति सत्ता, प्रतिशोध और भय का माध्यम बनती जा रही है। बंगाल की हिंसा इस बीमारी का एक भयावह उदाहरण है। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास हिंसा से अछूता नहीं रहा है। वामपंथी शासन के लंबे दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल तक राजनीतिक संघर्ष कई बार रक्तरंजित रूप में सामने आया। बूथ कब्जाने, विरोधियों को डराने, स्थानीय दबंगों और अपराधी तत्वों का राजनीतिक संरक्षण-ये सब बंगाल की राजनीति की कटु वास्तविकताएं रही हैं। सत्ता बदलती रही, लेकिन राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आ सका। यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद भी हिंसा का वातावरण बनता है और आम नागरिक भय तथा असुरक्षा के बीच जीने को मजबूर होता है।

दरअसल जब राजनीति विचार और जनसेवा से हटकर केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम बन जाती है, तब हिंसा उसका स्वाभाविक परिणाम बनती है। हार को लोकतांत्रिक विनम्रता से स्वीकार करने के बजाय प्रतिशोध का माध्यम बना लेना लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है। यही कारण है कि चुनाव आयोग के स्पष्ट निदेशों और विजय जुलूसों पर प्रतिबंध के बावजूद हिंसक घटनाएं हुईं। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों की नैतिक विफलता भी है। ममता बनर्जी द्वारा चुनाव परिणामों पर सवाल उठाना और राजनीतिक टकराव को तीखा बनाना हो या भाजपा द्वारा आक्रामक राजनीतिक प्रतिक्रिया-दोनों पक्षों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में विपक्ष और सत्ता दोनों की जिम्मेदारी होती है कि वे जनता को शांति और संयम का संदेश दें। दुर्भाग्य से हमारे राजनीतिक दल अक्सर कार्यकताओं की भावनाओं को नियंत्रित करने के बजाय उन्हें उकसाने का काम करते हैं। परिणामस्वरूप हिंसा सामान्य राजनीतिक व्यवहार का हिस्सा बनती जा रही है।

सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि राजनीतिक हिंसा की कीमत हमेशा आम जनता को चुकानी पड़ती है। जिन लोगों के घर जलते हैं, जिन परिवारों के सदस्य मारे जाते हैं, जिन छोटे व्यापारियों की दुकानें टूटती हैं, उनका राजनीति से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल उस हिंसक मानसिकता के शिकार बनते हैं जो सत्ता को मानवता से ऊपर मानती है। यह प्रश्न गंभीरता से पूछा जाना चाहिए कि आखिर राजनीतिक दल हिंसा का सहारा क्यों लेते हैं? जबकि इतिहास गवाह है कि हिंसा कभी स्थायी समाधान नहीं देती। हिंसा केवल भय, अविश्वास और प्रतिशोध को जन्म देती है। जो दल हिंसा को हथियार बनाते हैं, वे अंततः जनता की नजरों में अपना नैतिक अधिकार खो देते हैं। राजनीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, तोड़ना नहीं।

आज भारत एक नए वैश्विक दौर में प्रवेश कर रहा है। दुनिया भारत को एक उभरती आर्थिक शक्ति, तकनीकी महाशक्ति और लोकतांत्रिक मॉडल के रूप में देख रही है। वर्ष 2047 तक जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब हमारा लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं होना चाहिए, बल्कि एक ऐसे सभ्य और नैतिक राष्ट्र का निर्माण भी होना चाहिए जहां राजनीति का आधार अहिंसा, संवाद और संवेदनशीलता हो। यदि राजनीतिक दल नफरत, सांप्रदायिकता और हिंसा को अपना हथियार बनाए रखेंगे, तो विकसित भारत का सपना अधूरा रह जाएगा। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना रही है। गौतम बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया, महावीर ने अहिंसा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य बताया, गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर साम्राज्य को चुनौती दी। यह वही भारत है जिसने दुनिया को यह सिखाया कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम और सह-अस्तित्व है। लेकिन आज राजनीतिक स्वार्थों और गैर-राजनीतिक आपराधिक तत्वों के कारण देश की छवि प्रभावित हो रही है। अपराधी मानसिकता के लोग राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। वे दल बदलते रहते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य केवल शक्ति और स्वार्थ की पूर्ति होता है। बंगाल की ताजा घटनाओं में भी ऐसे तत्वों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

समाधान केवल प्रशासनिक कठोरता में नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति के परिवर्तन में निहित है। सबसे पहले सभी राजनीतिक दलों को सार्वजनिक रूप से हिंसा की निंदा करनी चाहिए और अपने कार्यकताओं को संयम बरतने का स्पष्ट संदेश देना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र प्रतिद्वंद्विता का नहीं, सह-अस्तित्व का नाम है। दूसरा, कानून व्यवस्था को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनानी होगी। किसी भी दल से जुड़े उपद्रवियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखकर संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क निगरानी बढ़ानी होगी। तीसरा, राजनीति के अपराधीकरण पर कठोर नियंत्रण आवश्यक है। ऐसे लोगों को राजनीतिक दलों में प्रवेश ही न मिले जिनकी पृष्ठभूमि हिंसक और आपराधिक रही हो। राजनीतिक दलों को अपने भीतर नैतिक अनुशासन विकसित करना होगा। चैथा, समाज में लोकतांत्रिक शिक्षा और संवेदनशीलता का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं में संवाद, सहिष्णुता और अहिंसा के मूल्यों को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। जब तक समाज स्वयं हिंसा को अस्वीकार नहीं करेगा, तब तक राजनीतिक हिंसा का अंत कठिन होगा।

बंगाल की ताजा हिंसा केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी है। यदि हमने समय रहते राजनीति को स्वस्थ मूल्यों की ओर नहीं मोड़ा, तो नफरत और हिंसा लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती रहेंगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी आत्मा को पहचाने। यह देश युद्ध और प्रतिशोध की नहीं, बल्कि शांति, सह-अस्तित्व और विश्वबंधुत्व की भूमि है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता का मूल दर्शन है। यदि राजनीति इस दर्शन से विमुख होगी, तो लोकतंत्र केवल सत्ता संघर्ष बनकर रह जाएगा। पश्चिम बंगाल को अब हिंसा और प्रतिशोध की राजनीति से बाहर निकलकर विकास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यही लोकतंत्र की गरिमा है, यही जनता की अपेक्षा है और यही विकसित भारत का मार्ग भी।

संपादकीय

हाशिये पर आधी दुनिया

एक बार फिर साबित हुआ कि महिला आरक्षण की जोरदार वकालत करने वाले राजनीतिक दल हकीकत में महिलाओं को उनका हक देने में ईमानदार नहीं हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिये गए टिकटों ने हकीकत बयां कर दी। महिला आरक्षण के नाम पर पिछले दिनों जमकर राजनीति करने वाले दलों ने तैंतीस प्रतिशत तो दूर, इसकी आधी संख्या के बराबर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए। यह विडंबना ही है कि हालिया विधानसभा चुनावों में एक तो बेहद कम महिलाओं को टिकट दिए गए, दूसरे उनमें भी बहुत कम महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभाओं में पहुंच सकी हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे, जिनमें सिर्फ पांच फीसदी सीटों पर ही महिलाएं चुनाव जीतने में सफल हो पायी हैं। दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए। यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैंतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फ दस फीसदी महिलाएं ही विधानसभा पहुंच पायीं। निश्चय यह आंकड़ा 33 फीसदी का एक-तिहाई भी नहीं है। कमोबेश तमिलनाडु में सत्ता की दहलीज पर खड़ी टीवीके ने जिन 234 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसमें सिर्फ 24 महिलाओं को ही टिकट दिए गए। इसी तरह असम में सत्ता में आए राजग ने सिर्फ छह महिलाओं को ही उम्मीदार बनाया था। वहीं प्रगतिशील होने का दावा करने वाले कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को ही टिकट दिए। जाहिर है सभी दलों में महिलाओं को उनका हक देने के प्रति उदासीनता देखी गई। हालिया विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिए गए टिकट और उनकी जीत के आंकड़े ने एक बार फिर साबित किया कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण देना अपरिहार्य ही है। किसी भी राजनीतिक दल में स्वतः ही महिलाओं को ईमानदारी से तैंतीस फीसदी आरक्षण देने की इच्छाशक्ति नजर नहीं आती है। कहा जा सकता है कि सभी दल महिला प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर सिर्फ औपचारिकता पूरी करते ही नजर आते हैं। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का अंतिम विकल्प यथाशीघ्र महिला आरक्षण व्यवस्था ही बचती है। विश्वास करें कि सभी राजनीतिक दल महिलाओं को उनका वाजिब हक देने के लिए ईमानदार पहल करेंगे। सवाल है कि जो राजनीतिक दल हाल में महिलाओं को आरक्षण देने और परिसीमन के मुद्दे पर संसद में जमकर राजनीति कर रहे थे, वे टिकट वितरण के समय महिलाओं के हक को लेकर गंभीर क्यों नजर नहीं आए? उन्होंने महिलाओं को पर्याप्त संख्या में टिकट देने के प्रति उत्साह क्यों नहीं दिखाया? सही मायने में जब तक विधायिका में महिला आरक्षण व्यवस्था हकीकत में लागू नहीं होती, तस्वीर नहीं बदलने वाली है।

चिंतन-मनन

काम में तल्लीनता

एक साधक से पूछा गया-आप साधना करते हैं? उसने कहा, जब भूख लगती है, तब खा लेता हूं और जब नींद आती है, तब सो जाता हूं। यही है मेरी साधना। उसने कहा, बड़ी सीधी बात है। यह तो मैं भी कर सकता हूं। साधक से कहा, अच्छा आओ, भोजन करें। दोनों भोजन करने बैठे। भोजन पूरा हुआ। साधक ने पूछा, भोजन कर लिया? हां, कर लिया।

क्या खाया?

रोटी, शाक, चावल और मिठाई। केवल भोजन ही किया या कुछ स्मृति और कल्पना भी की? भोजन करते-करते अनेक स्मृतियां सामने आ गई। मीठी-मीठी कल्पनाएं भी कीं। भोजन यंत्रवत चलता रहा और मैं उन स्मृतियों और कल्पनाओं में डूबता रहा। परोसी हुई थाली खाली हो गई। हाथ धोकर उठ खड़ा हुआ। साधक ने कहा, भाई! तुमने भोजन कहां किया? भोजन कहां खाया? तुमने तो स्मृतियां खाई हैं, कल्पनाएं खाई हैं, विचार खाया है, रोटी और मिठाई कहां खाई केवल रोटी और मिठाई खाना बहुत कठिन होता है। आदमी विचार खाता है, कल्पना खाता है। आयुर्वेद का एक सूत्र है, तन्मना भुजीत- भोजन करते समय इसी बात का ध्यान रहे कि मैं भोजन कर रहा हूं। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कही हुई बात है, किन्तु साधना की दृष्टि से यह और अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है। साधक जो काम करे वह उसी में तन्मय बन जाए अन्यथा व्यक्तित्व खण्डित हो जाता है। डुयल पर्सनेलिटी खतरनाक होती है। जहां खंडित व्यक्तित्व होता है, वहां कोई सम्बन्ध स्थापित नहीं हो सकता।

आजादी का मोल तो जान लिया, पर नागरिक होने का फर्ज कब सीखेंगे?

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 10 मई की तारीख महज एक घटना नहीं, बल्कि एक हमारी चेतना के उदय का प्रतीक है। संयोग देखिए कि वर्ष 1857 के उस रविवार और आज के रविवार में एक अद्भुत समानता है - वही तारीख और वही दिन। लेकिन इस समानता के बीच समय का एक लंबा फासला है, जो हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि जिस आजादी की नींव मेरठ की उन गलियों में रखी गई थी, उसे एक नागरिक के तौर पर हमने कितना समझा है। 10 मई 1857 की उस शाम मेरठ छावनी में जब भारतीय सैनिकों ने विद्रोह का बिगुल फूंका, तो वह केवल एक सैन्य बगावत नहीं थी। वह बरसों से दबे हुए उस गुस्से की आवाज थी, जो ब्रिटिश शासन के जुल्म और बेइज्जती के खिलाफ पनप रहा था।

अक्सर कहा जाता है कि बगावत चर्बी वाले कारतूसों की वजह से हुई, लेकिन असल में यह लड़ाई अपनी मिट्टी और अपनी पहचान को बचाने की थी। सोचिए, उस दौर में न तो आज की तरह मोबाइल फोन थे और न ही इंटरनेट। उन सैनिकों के पास लड़ने के लिए न तो बहुत आधुनिक हथियार थे और न ही सुख-सुविधाएं। इसके बावजूद उन्होंने रोटी और कमल जैसे साधारण प्रतीकों के जरिए पूरे देश को जोड़ दिया। यह जुड़ाव इतना मजबूत था कि आज की इस सूचना क्रांति के दौर में भी वह एक मिसाल है। मेरठ से दिल्ली की ओर बढ़ने वाले उन क्रांतिकारियों के बीच धर्म, जाति या इलाके की कोई दीवार नहीं थी। उस वक्त उनके सामने सिर्फ एक ही लक्ष्य था - देश को गुलामी की जंजीरों से बाहर निकालना। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सैनिकों ने आपसी मतभेद भुलाकर कंधे से कंधा मिलाया और दिल्ली के तख्त को अपना नेतृत्व सौंपा। भारतीय एकता के उस सुनहरे दौर को आज के विखंडित होते समाज मे फिर से याद करने की बहुत जरूरत है। लेकिन जब हम आज के हालात में उस महान क्रांति को देखते हैं, तो कई कड़वी सच्चाईयां सामने आती हैं।

आजादी मिले साढ़े सात दशक बीत चुके हैं, पर क्या हम वाकई एक जागरूक और चेतना संपन्न नागरिक बन पाए हैं? आज हमारे पास संविधान से मिले अधिकार तो हैं, परंतु हम उनके लिए लड़ना नहीं जानते और जब उन्हीं अधिकारों के साथ जुड़ी अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की बात आती है, तो हम अक्सर मुंह फेर लेते हैं। आज के समय की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हम आजादी का मतलब सिर्फ बाधाओं से मुक्ति या अपनी मनमर्जी करना समझ बैठे हैं। हमें लगता है कि आजादी का मतलब है कि हमारे ऊपर कोई रोक-टोक न हो, जबकि असली आजादी खुद पर नियंत्रण रखने और अपने उत्तरदायित्वों को निभाने में है।

सार्वजनिक जगहों पर गंदगी फैलाना, ट्रैफिक के नियमों को मजाक समझना और आपस में बढ़ती कड़वाहट - ये सब इस बात का प्रमाण हैं कि हमें अपने हक तो याद हैं, लेकिन हम अपने कर्तव्यों के मामले में बिल्कुल मौन हैं। हमें यह समझना होगा कि 10 मई की वह क्रांति केवल अंग्रेजों को देश से बाहर निकालने के लिए नहीं थी, बल्कि एक ऐसे स्वाभिमानी राष्ट्र के निर्माण के लिए थी जहाँ हर इंसान की इज्जत हो। तो खुद से पूछना चाहिए कि आज बतौर नागरिक हमारी वो इज्जत है, जिसके लिए हमारे पुरखे लड़े। क्या हम उन शहीदों के सपनों जैसा समाज बना पा रहे हैं? 10 मई का यह ऐतिहासिक दिन हमें केवल पुराने गौरव को याद करने का मौका नहीं देता, बल्कि हमें आगाह भी करता है। यह याद दिलाता है कि आजादी खैरात में मिली कोई चीज नहीं है, बल्कि यह एक साधना है जिसे हर नागरिक को अपने अच्छे आचरण से बचाकर रखना पड़ता है। अगर हम वाकई उन क्रांतिकारियों को सम्मान देना चाहते हैं, तो हमें अपनी आजादी को अनुशासन के साथ जीना होगा। जिस दिन हम अपनी नागरिक जिम्मेदारियों को अपने अधिकारों के बराबर खड़ा कर देंगे, उसी दिन 1857 की वह क्रांति सही मायने में सफल मानी जाएगी।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संस्कारों की जननी शिक्षा और समकालीन परिवर्तन की आवश्यकता

कांतिलाल मांडोत

मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि उस ज्ञान को जीवन में उतारकर स्वयं को एक श्रेष्ठ मनुष्य बनाना है। शिक्षा और संस्कार का संबंध इसी सत्य को प्रकट करता है। शिक्षा व्यक्ति को योग्य बनाती है, जबकि संस्कार उसे महान बनाते हैं। आज के समय में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि शिक्षा का विस्तार तो हुआ है, परन्तु संस्कारों का क्षय भी उसी गति से बढ़ा है। यही कारण है कि समाज में विद्वान व्यक्तियों की कमी नहीं है, पर सुसंस्कृत व्यक्तियों की कमी अवश्य महसूस होती है। इस परिस्थिति में शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

संस्कार और शिक्षा के बीच का अंतर समझना आवश्यक है। शिक्षा एक बाहरी प्रक्रिया है, जो पुस्तकों, विद्यालयों और परीक्षाओं के माध्यम से प्राप्त होती है, जबकि संस्कार आंतरिक प्रक्रिया है, जो परिवार, वातावरण और अनुभवों से विकसित होती है। एक व्यक्ति उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकता है, पर यदि उसमें विनम्रता, करुणा, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता जैसे गुण नहीं हैं, तो उसकी शिक्षा अधूरी मानी जाएगी। दूसरी ओर, एक अशिक्षित व्यक्ति भी अपने श्रेष्ठ संस्कारों के कारण समाज में सम्मानित स्थान प्राप्त कर सकता है।

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह केवल ज्ञान और कौशल पर केंद्रित हो गई है। विद्यालयों में बच्चों को परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए तैयार किया जाता है, न कि एक अच्छा नागरिक बनने के लिए। नैतिक शिक्षा, मानवता, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषय धीरे-धीरे शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं। बच्चों पर पुस्तकों का भार इतना अधिक है कि उनके पास जीवन के मूल्यों को समझने का समय ही नहीं बचता। परिणामस्वरूप, वे प्रतिस्पर्धा में तो आगे बढ़ते हैं, पर जीवन के मूल उद्देश्य से भटक जाते हैं।

संस्कारों की नींव बचपन में ही रखी जाती है, और इसमें माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। विशेष रूप से माता का प्रभाव बच्चे के जीवन पर गहरा होता है। बचपन में जो आदतें और विचार बच्चे के मन में स्थापित होते हैं, वही आगे चलकर उसके व्यक्तित्व का आधार बनते हैं। इसलिए यदि प्रारंभिक अवस्था में ही बच्चों को अच्छे संस्कार दिए जाएं, तो वे जीवनभर उनका पालन करते हैं। परन्तु आज की व्यस्त जीवनशैली में माता-पिता बच्चों के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता पाते, जिससे संस्कारों का अभाव बढ़ता जा रहा है।

विद्यालयों का दायित्व केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि संस्कारों का विकास करना भी है। शिक्षक केवल ज्ञान के प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक भी होते हैं। यदि शिक्षक अपने आचरण से बच्चों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करें, तो बच्चों पर उसका गहरा प्रभाव पड़ता है। दुर्भाग्यवश, आज शिक्षा एक व्यवसाय बनती जा रही है, जहां शिक्षक और छात्र दोनों ही केवल परिणामों पर ध्यान देते हैं, न कि प्रक्रिया पर। इस प्रवृत्ति को बदलना अत्यंत आवश्यक है।

सरकार को शिक्षा में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। सबसे पहले, शिक्षा नीति में नैतिक और मूल्य आधारित शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। विद्यालयों में केवल सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय जीवन कौशल, नैतिक शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में ऐसे विषय शामिल किए जाएं, जो बच्चों को जीवन के वास्तविक पहलुओं से जोड़ें।

दूसरे, शिक्षकों के प्रशिक्षण में सुधार किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल विषय ज्ञान ही नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए भी प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। उन्हें यह सिखाया जाए कि वे बच्चों में अच्छे संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं। एक प्रेरणादायक शिक्षक ही एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकता है।

तीसरे, शिक्षा प्रणाली को परीक्षा-केंद्रित होने से बचाना चाहिए। वर्तमान में बच्चों की योग्यता का आकलन केवल अंकों के आधार पर किया जाता है, जो उचित नहीं है। इसके स्थान पर समग्र मूल्यांकन प्रणाली अपनाई जानी चाहिए, जिसमें बच्चों के व्यवहार, नैतिकता और सामाजिक योगदान को भी महत्व दिया जाए।

चौथे, विद्यालयों में सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। खेल, कला, संगीत और सामाजिक सेवा जैसी गतिविधियाँ बच्चों के व्यक्तित्व को संतुलित बनाती हैं और उनमें सहयोग, अनुशासन और संवेदनशीलता जैसे गुण विकसित करती हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल मस्तिष्क का विकास नहीं, बल्कि हृदय का विकास भी होना चाहिए।

पांचवें, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षा सभी के लिए सुलभ और समान हो। आर्थिक असमानता के कारण कई बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। यदि सभी बच्चों को समान अवसर मिलेंगे, तो समाज में संतुलन और समरसता स्थापित होगी।

इसके अतिरिक्त, परिवार और समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए और उन्हें जीवन के मूल्यों से परिचित कराना चाहिए। समाज को भी ऐसे वातावरण का निर्माण करना चाहिए, जहां अच्छे संस्कारों को प्रोत्साहन मिले।

आज के बच्चे ही भविष्य के नागरिक हैं। यदि उनमें अच्छे संस्कार विकसित किए जाएं, तो वे एक सशक्त और नैतिक समाज का निर्माण कर सकते हैं। शिक्षा को केवल रोजगार का माध्यम न बनाकर, जीवन निर्माण का साधन बनाना होगा। इसके लिए सरकार, विद्यालय, शिक्षक और अभिभावक सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

अंततः यही कहा जा सकता है कि शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। बिना संस्कार के शिक्षा अधूरी है और बिना शिक्षा के संस्कारों का विकास सीमित हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि शिक्षा को संस्कारों की जननी के रूप में पुनः स्थापित किया जाए। जब शिक्षा में नैतिकता, मानवता और जीवन मूल्यों का समावेश होगा, तभी एक आदर्श समाज का निर्माण संभव होगा।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान- स्कूल की छत गिरी चार बच्चों की मौत, 16 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक निजी स्कूल की छत गिरने से चार बच्चों की मलबे में दबकर मौत हो गई और 14 छात्र घायल हो गए। राहत कार्य के दौरान एक शिक्षक को भी सुरक्षित निकाल लिया गया है। बचाव दल के अनुसार, मलबे में अभी और बच्चों के दबे होने की आशंका है। घायलों में कई की हालत नाजुक है, जिससे मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में घर बाहर खड़ी बाइक में लदे विस्फोट के फटने से तीन बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह धमाका बुधवार शाम अफगानिस्तान से सटे घवा ख्वा इलाके में हुआ।

बोस्निया में राष्ट्रपति चुनाव अक्तूबर में, 33 लाख देंगे वोट

साराजेवो , एजेंसी। बोस्निया में चार अक्तूबर को राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव आयोजित होंगे। चुनाव आयोग ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की और कहा कि चुनावों में लगभग 33 लाख पंजीकृत मतदाता त्रिपक्षीय राष्ट्रपति पद के लिए सर्ब, क्रोएशियाई और बोस्नियाई सदस्यों के साथ-साथ राष्ट्रीय संसद के प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे।

मंगल ग्रह पर नासा के रोवर को दिखा क्रोकोडाइल ब्रिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष नासा के पर्सिवरेंस रोवर ने मंगल ग्रह पर अनोखी चट्टानी संरचना की तस्वीरें भेजी हैं। इसे वैज्ञानिकों ने क्रोकोडाइल ब्रिज का नाम दिया है। यह संरचना जेजेरो क्रेटर के किनारे स्थित है। इसे मंगल के सबसे प्राचीन इलाकों में से एक माना जा रहा है। रोवर के मास्टकैम-जेड कैमरा सिस्टम ने इस क्षेत्र की 360 डिग्री पैनोरमिक तस्वीर तैयार की, जिसमें 980 तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया। यह क्षेत्र मंगल के नोआशियन काल का हिस्सा है, जो लगभग 3.7 अरब वर्ष पुराना माना जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये चट्टानें उस समय की हैं, जब मंगल की सतह और वातावरण बन रहे थे और क्रेटर में पानी भरने से पहले की स्थिति को दर्शाती हैं। क्रोकोडाइल ब्रिज मेहराबनुमा व ऊबड़-खाबड़ चट्टानी संरचना है, जिसका आकार मगरमच्छ की पीठ जैसा है। दिखाई देता है। यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि मंगल पर प्लेट टेक्टॉनिक्स नहीं होने के कारण अरबों वर्ष पुरानी सतह अब भी सुरक्षित है।

एयरपोर्ट निर्माण में भ्रष्टाचार, पूर्व वित्त मंत्री व चीनी कंपनी पर केस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की शीर्ष भ्रष्टाचार निरोधक संस्था अख्तियार दुरुपयोग अनुसंधान आयोग (सीआईएए) ने चीन की सहायता से बने पोखरा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण में भ्रष्टाचार मामले में केस दर्ज किया है। पूर्व वित्त मंत्री ज्ञानेंद्र बहादुर कार्की समेत 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इनमें चीनी कंपनी चाइना सीएएमसी इंजीनियरिंग को भी आरोपी बनाया गया है। आयोग के अनुसार, एयरपोर्ट निर्माण के दौरान मूल समझौते का उल्लंघन कर चीनी ठेकेदार को अवैध रूप से टैक्स छूट दी गई। इस मामले में 3.62 अरब नेपाली रुपये के नुकसान का दावा किया गया है। आरोपियों में पूर्व सचिव केवल भंडारी, महेश्वर न्यूपाने, सुरेश आचार्य आदि शामिल हैं। गौरतलब है कि पोखरा एयरपोर्ट को मशहूर अन्नपूर्णा सर्किट का प्रवेश द्वार माना जाता है।

अमेरिका और चीन के संबंध स्थिर- वांग यी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि पिछले एक साल में कई उतार-चढ़ाव व बाधाओं के बावजूद अमेरिका-चीन के रिश्ते स्थिर रहे हैं। उन्होंने अब दोनों देशों से वैश्विक शांति में योगदान के तरीके खोजने का आह्वान किया है। वांग यी की यह टिप्पणी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले सप्ताह संभावित बीजिंग दौरे से पहले आई है। अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेन्स के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान वांग ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने कठिन समय में द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा दी है। अमेरिकी सीनेटर डेन्स ने भी वांग की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका चीन के साथ रिश्तों को तोड़ना नहीं बल्कि तनाव कम करना चाहता है।

अमेरिका में हजारों लोगों के पासपोर्ट रद्द होंगे

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका सरकार अब उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने जा रही है जो बच्चों के पालन-पोषण का पैसा यानी चाइल्ड सपोर्ट नहीं दे रहे हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने घोषणा की है कि ऐसे हजारों लोगों के पासपोर्ट रद्द किए जाएंगे। शुरुआत में यह कार्रवाई उन लोगों पर होगी जिन पर 1 लाख डॉलर या उससे ज्यादा का बकाया है। ऐसे करीब 2700 अमेरिकी नागरिकों की पहचान की गई है। बाद में यह नियम उन सभी पर लागू होगा जिन पर 2500 डॉलर से ज्यादा का चाइल्ड सपोर्ट बकाया है।

ट्रंप के गाजा बोर्ड से डील कर रहे हमास चीफ के बेटे को इजरायल ने मार गिराया

गाजा , एजेंसी। गाजा के भविष्य को लेकर अमेरिकी मध्यस्थता वाली वार्ताओं के बीच इजरायल और हमास के बीच नाजुक युद्धविराम को बनाए रखने की कोशिशें जारी हैं। इसी दौरान हमास के वरिष्ठ नेता खलील अल-हय्या के बेटे की इजरायली हवाई हमले में मौत हो गई। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, हमास अधिकारियों ने बताया कि खलील अल-हय्या के चौथे पुत्र अज्जाम अल-हय्या गाजा शहर में इजरायली हमले में घायल हुए थे, जिनकी बाद में मौत हो गई। यह खलील अल-हय्या के परिवार का चौथा सदस्य है, जिसकी इजरायली हमलों में जान गई है। अक्टूबर में घोषित युद्धविराम के बावजूद इजरायली सेना गाजा में लगातार हमले कर रही है। इजरायल इन हमलों में उन ठिकानों को निशाना बना रहा है जिन्हें वह आतंकवादी ठिकाने मानता है। एक अलग हमले में गाजा शहर की एक चौकी पर हमास से जुड़े तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए। हमास ने इन हमलों को वार्ताओं पर दबाव बनाने की इजरायली रणनीति बताया है। हमास का आरोप है कि इजरायल लक्षित हत्याओं के जरिए नेतृत्व पर दबाव डालकर वार्ता प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। अज्जाम अल-हय्या की मौत ने इन आरोपों को और मजबूती दी है।

खलील अल-हय्या ने रॉयटर्स को दिए बयान में कहा, 'ये जायोनी हमले और युद्धविराम के उल्लंघन साफ तौर पर दिखाते हैं कि कब्जाकर्ता न तो युद्धविराम का सम्मान करना चाहते हैं और न ही इसके पहले चरण को लागू करना चाहते हैं। हमास के प्रवक्ता हाजेम कासिम ने कहा कि हम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि नेताओं और उनके परिवार के सदस्यों को बार-बार निशाना बनाने की यह नीति न हमारे फिलिस्तीनी लोगों, न हमास के नेतृत्व और न ही उसके वार्ता प्रतिनिधिमंडल से कोई राजनीतिक रियायत हासिल कर पाएगी।

अज्जाम अल-हय्या के अंतिम संस्कार में गाजा में बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी जमा हुए। लोगों ने 'अल्लाहु अकबर' के नारे लगाए और प्रार्थना के बाद शव को दफनाया। परिवार के सदस्यों ने दुख और प्रतिरोध की भावना जताई। अज्जाम की बहन ने कहा कि हम भी बाकी फिलिस्तीनियों जैसे हैं। हर किसी ने दर्द सहा है, हर किसी ने बलिदान दिया है। हम भी उन्हीं में शामिल हैं।

अमेरिका समर्थित ट्रंप की गाजा योजना पर हो रही वार्ताएं प्रमुख मुद्दों पर गतिरोध में फंस गई हैं। इन मुद्दों में हमास का निरस्त्रीकरण और गाजा में इजरायली सैन्य उपस्थिति शामिल हैं। योजना के तहत पुनर्निर्माण शुरू होने तक इजरायली सैनिकों की वापसी और हमास से हथियार जमा कराने का प्रावधान है। वहीं, हमास अधिकारियों ने साफ कहा है कि जब तक इजरायल अपने वादों को पूरा नहीं करता, वे वार्ता के अगले चरण में नहीं जाएंगे। यह हत्या उसी समय हुई जब हमास के नेता और अन्य फिलिस्तीनी गुट इस सप्ताह काहिरा में मध्यस्थों और दूत निकोले म्लादेनोव से मिल रहे थे।

रूस ने यूक्रेन के साथ युद्धविराम की घोषणा की, 10 मई तक लागू रहेगा सीजफायर

मॉस्को, एजेंसी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के बीच रूस आठ मई की आधी रात से 10 मई तक युद्धविराम (सीजफायर) लागू करेगा। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह फैसला द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत लोगों की जीत की 81वीं वर्षगांठ के समारोह के दौरान लिया गया है। सरकारी रूसी न्यूज एजेंसी टास के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी संघ के राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों के सुप्रीम कमांडर व्लादिमीर पुतिन के फैसले के अनुसार, महान देशभक्ति युद्ध में सोवियत लोगों की जीत की 81वीं वर्षगांठ के समारोह के दौरान, 8 मई की आधी रात से 10 मई तक रूस की ओर से युद्धविराम घोषित किया जाता है। चार मई को येवरेन में हुए 8वें यूरोपीय पॉलिटिकल कम्युनिटी समिट में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने 9 मई को होने वाली रूस की विक्ट्री परेड का जिक्र करते हुए कहा था कि इस बार शायद परेड में सैन्य उपकरण न दिखें। अगर ऐसा होता है, तो यह कई वर्षों में पहली बार होगा। वे सैन्य उपकरण नहीं ला सकते और उन्हें डर है कि रेड स्क्वायर के ऊपर ड्रोन मंडरा सकते हैं। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि अगर यूरोपीय संघ के देशों को लगता है कि वे जेलेंस्की के आक्रामक बयानों को नजरअंदाज कर सकते हैं, तो वे गलत हैं। उन्होंने कहा, 'हम अच्छी तरह जानते हैं कि 9 मई को लेकर पश्चिमी देशों का रवैया क्या है। वे लगातार सोवियत स्मारकों को नष्ट कर रहे हैं, सोवियत सैनिकों की यादों को मिटा रहे हैं और इतिहास को बदलने की कोशिश कर रहे हैं।' रिपोर्ट के मुताबिक, मॉस्को में होने वाली विक्ट्री परेड पर संभावित यूक्रेनी ड्रोन हमले की चेतावनी के जवाब में रूस के राजनयिकों और सैन्य अधिकारियों ने कहा कि रूसी सेना कीव के केंद्र पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमला कर सकती है। उनका कहना था कि अब तक रूस ने ऐसा करने से परहेज किया है, जबकि उसके पास इसकी क्षमता मौजूद है। रूस के विदेश मंत्रालय ने यह भी बताया कि जेलेंस्की के येवरेन में दिए गए बयानों को लेकर आर्मेनिया के राजदूत को तलब किया गया। रूस के उप विदेश मंत्री मिखाइल गालुजि?न ने मॉस्को में आर्मेनिया के राजदूत गुरगेन आर्सेन्यान से मुलाकात की और कहा कि आर्मेनिया द्वारा जेलेंस्की को रूस के खिलाफ 'आतंकी धमकियां' देने के लिए मंच देना पूरी तरह अस्वीकार्य है।

कच्चे तेल की कीमतों में लगी आग : अमेरिका-ईरान तनाव से ब्रेंट क्रूड 102 डॉलर के पार

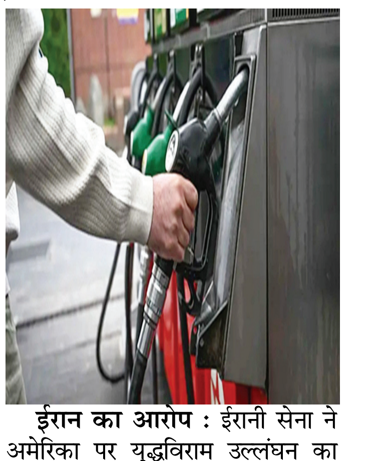

वाशिंगटन, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य तनाव का सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज़ स्ट्रेट में हुई ताज़ा गोलाबारी के बाद शुक्रवार सुबह एशियाई बाज़ारों में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया। स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ में दोनों देशों के बीच हुई गोलीबारी की ख़बर फैलते ही तेल की कीमतों ने रफ़्तार पकड़ ली। ब्रेंट क्रूड : वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट की कीमत 2.6% बढ़कर 102.70 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच गई है। अमेरिका में कारोबार होने वाले क्रूड ऑयल की कीमत में 2.3% की बढ़त देखी गई, जिससे यह 97 डॉलर के स्तर पर पहुँच गया है।

तनाव की मुख्य वजह : तेल की कीमतों में इस अचानक वृद्धि के पीछे होर्मुज़ स्ट्रेट का सामरिक महत्व और वहां हुई सैन्य मुठभेड़ है।

अमेरिकी कार्रवाई : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार, तीन अमेरिकी डिस्ट्रॉयर्स पर ईरानी हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें ईरान की कई छोटी नावें तबाह कर दी गईं।

ईरान का आरोप : ईरानी सेना ने अमेरिका पर युद्धविराम उल्लंघन का आरोप लगाया है, जिससे भविष्य में बड़े युद्ध की आशंका गहरा गई है। जानकारों का मानना है कि यदि होर्मुज़ स्ट्रेट-जहां से दुनिया के कुल तेल परिवहन का बड़ा हिस्सा गुज़रता है–में तनाव और बढ़ता है, तो आने वाले दिनों में ईंधन की कीमतें और अधिक बढ़ सकती हैं। कुछ हफ़्तों से चल रहा युद्धविराम अब पूरी तरह ख़तरे में नज़र आ रहा है।

अमेरिकी सीनेट के प्रस्ताव में चीन को सबसे बड़ा खतरा बताया गया, भारत से गहरे जुड़ाव पर जोर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटरों के दो-पार्टी समूह ने एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें चीन को अमेरिका का सबसे बड़ा दुश्मन और रणनीतिक प्रतिद्वंदी बताया गया है। इसके साथ ही सीनेटरों ने बीजिंग का मुकाबला करने के लिए भारत के साथ गहरे जुड़ाव और मजबूत हिंद-प्रशांत गठबंधन की मांग की गई है। सीनेटर क्रिस कून्स और कई रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक सीनेटरों द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि चीन के पास अमेरिका और उसके सहयोगियों की सुरक्षा, आर्थिक खुशहाली और रणनीतिक हितों को कमजोर करने का इरादा और क्षमता है। इस प्रस्ताव में चीन पर न्यूक्लियर, साइबर, समुद्री और स्पेस एसेट्स सहित अपनी मिलिट्री क्षमताओं को तेजी से बढ़ाने का आरोप लगाया गया। इसमें कहा गया है कि बीजिंग हिंद-प्रशांत में जबरदस्ती, आक्रामक और धोखेबाज गतिविधियों का इस्तेमाल कर रहा है और ताइवान स्ट्रेट में जबरदस्ती या बलपूर्वक यथास्थिति को बदलने की कोशिश कर रहा है। इस प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि चीन सैन्य तकनीक और मटीरियल साझा करके ईरान, उत्तर कोरिया और रूस सहित अमेरिका के दुश्मनों का समर्थन करता है। लॉमेकर्स ने बीजिंग पर आरोप लगाया कि वह अमेरिकी कॉम्पिटिटिवनेस को कमजोर करने और रणनीतिक क्षेत्रों पर हावी होने के लिए सरकार के समर्थन वाली आर्थिक और औद्योगिक नीति का इस्तेमाल कर रहा है। प्रस्ताव में बौद्धिक संपदा की चोरी, जबरदस्ती तकनीकी ट्रांसफर, एक्सपोर्ट कंट्रोल और मार्केट एक्सेस में रुकावटों का जिक्र किया गया। सीनेटरों ने चेतावनी दी कि चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी नई तकनीक में अमेरिका से आगे निकलने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये तकनीक 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था और सैन्य क्षमता को परिभाषित करेंगी। प्रस्ताव में चीन को गैर-कानूनी फेंटानिल और नाइटाजीन बनाने में इस्तेमाल होने वाले प्रीकर्सर केमिकल्स के यूएस में आने से भी जोड़ा गया। नई दिल्ली में ध्यान से देखे गए एक सेक्शन में, सीनेट ने चतुर्भुजीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के जरिए भारत के साथ अमेरिका के जुड़ाव को बढ़ाने की मांग की। क्वाड भारत, यूनाइटेड स्टेट्स, जापान और ऑस्ट्रेलिया को एक साथ लाता है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच इस ग्रुप को खास पहचान मिली है। प्रस्ताव में जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस जैसे सहयोगियों के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को फिर से सुनिश्चित किया गया। इसने हिंद-प्रशांत साझेदारों के बीच मजबूत त्रिपक्षीय सहयोग का भी समर्थन किया और ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। सीनेट के इस कदम में चीन के खिलाफ मजबूत रोकथाम, कड़े एक्सपोर्ट कंट्रोल, रणनीतिक अमेरिकी उद्योग में निवेश पर रोक और साउथ चाइना सी और ताइवान स्ट्रेट में नेविगेशन की आजादी बनाए रखने की कोशिशों की मांग की गई।

ओपनएआई केस की सुनवाई के दौरान जज ने एलन मस्क को लगाई फटकार

वाशिंगटन, एजेंसी। ओपनएआई मुकदमे में अदालत ने दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क को कड़ी फटकार लगाई। सुनवाई के दौरान मस्क ने खुद कानूनी दलील देने की कोशिश की। इस पर कैलिफोर्निया की संघीय अदालत की जज इवॉन गोंजालेज रोजर्स ने कहा कि यहां उनकी नहीं, कोर्ट की चलेगी। जज ने सख्त लहजे में कहा कि अदालत की कार्यवाही ऐसे नहीं चलती। सबको याद रहे कि आप वकील नहीं हैं।

बीबीसी के अनुसार, ओपनएआई के सह-संस्थापक एलन मस्क ने कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन और अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन पर चैरिटेबल ट्रस्ट के उल्लंघन और अनुचित आर्थिक लाभ हासिल करने का आरोप लगाया है। ओपनएआई का दावा है कि मस्क यह लड़ाई अपनी एआई कंपनी एक्सएआई को फायदा पहुंचाने के लिए लड़ रहे हैं। मस्क ने बाद में माना कि जज की बात सही है।

सोशल मीडिया पोस्ट पर भी सख्ती : जज रोजर्स ने कोर्ट के भीतर ही नहीं, बल्कि बाहर मस्क की गतिविधियों पर भी सख्त रुख दिखाया। उन्होंने सोशल एक्स पर टिप्पणियों को लेकर फटकार लगाई। मस्क ने एक्स पर ऑल्टमैन को स्कैम ऑल्टमैन कह निशाना बनाया था। जज ने कहा कि मुकदमे की सुनवाई निष्पक्ष तरीके से चलानी है, तो कोर्ट के बाहर बयानबाजी बंद करनी होंगी। मस्क ने एआई की तुलना हॉलीवुड फिल्म द टर्मिनेटर से की, तो जज ने रोकते हुए कहा, अपनी बात कह चुके हैं, अब बस। इसे जज रोजर्स की उस शैली का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें वह मुकदमे को भावनात्मक या काल्पनिक बहसों से हटाकर केवल कानूनी तथ्यों तक सीमित रखना चाहती हैं। रोजर्स उन जजों में गिनी जाती हैं जिन्होंने तकनीकी कंपनियों से जुड़े कई बड़े और जटिल मामलों की सुनवाई की है। मुकदमे में नौ सदस्यीय जूरी मौजूद है, लेकिन अंतिम फैसला जज रोजर्स को ही लेना है।

दक्षिण कोरिया-अमेरिका रक्षा वार्ता अगले सप्ताह : वाशिंगटन , एजेंसी। दक्षिण कोरिया और अमेरिका अगले हफ्ते वाशिंगटन में अपनी उच्च स्तरीय रक्षा वार्ता करेंगे। सोल के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में 'युद्धकालीन ऑपरेशनल कंट्रोल' (ओपीकॉन) यानी सेना की कमान अमेरिका से दक्षिण कोरिया को सौंपने और उत्तर-कोरिया सीमा के पास स्थित असैन्य क्षेत्र तक नागरिकों की पहुंच को नियंत्रित करने जैसे मुद्दे सबसे अहम रह सकते हैं। मंत्रालय ने बताया कि हर दो साल में होने वाली कोरिया-अमेरिका एकीकृत रक्षा वार्ता (केआईडीडी) मंगलवार से बुधवार (अमेरिकी समय के अनुसार) तक चलेगी। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस वार्ता में दक्षिण कोरिया की तरफ से रक्षा नीति के उपमंत्री किम होंग-चोल और अमेरिका की तरफ से इंडो-पैसिफिक सुरक्षा मामलों के सहायक रक्षा सचिव जॉन नोह नेतृत्व करेंगे। जिनमें युद्धकालीन ओपीकॉन ट्रांसफर और संयुक्त रक्षा व्यवस्था शामिल है, ताकि दोनों देशों का गठबंधन भविष्य में और मजबूत और दोनों के लिए फायदेमंद बन सके।' यह वार्ता ऐसे समय हो रही है।

राष्ट्रपति ट्रंप को बड़ा झटका, अमेरिका की फेडरल कोर्ट ने ग्लोबल टैरिफ की घोषणा को किया रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की फेडरल ट्रेड कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के ग्लोबल टैरिफ की घोषणा को गैरकानूनी करार देते हुए उसे रद्द करने का फैसला सुनाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 10 प्रतिशथ ग्लोबल टैरिफ की घोषणा की थी। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन ने 1974 के एक व्यापार कानून के तहत अपनी अधिकार सीमा का उल्लंघन किया है। 2-1 के बहुमत वाले फैसले में, अमेरिका की फेडरल कोर्ट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन 1974 के 'व्यापार अधिनियम' की धारा 122 का इस्तेमाल व्यापक व्यापार और चालू खाते के घाटे को आधार बनाकर टैरिफ लगाने के लिए नहीं कर सकता। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि यह कानून 1970 के दशक में मौजूद अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली से जुड़े विशेष 'भुगतान-संतुलन' संकटों से निपटने के लिए बनाया गया था, न कि आधुनिक व्यापार घाटे के लिए।

जज मार्क ए. बार्नेट और क्लेयर आर. केली ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप की घोषणा यह साबित करने में विफल रही कि कानून के जरिए आवश्यक शर्तें पूरी हुई हैं। बता दें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरवरी में ये टैरिफ लगाए थे।

इसी साल की शुरुआत में भी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप की पिछली टैरिफ व्यवस्था को रद्द कर दिया था। नए टैरिफ की घोषणा धारा 122 के तहत की गई थी, जो 150 दिनों के लिए 15 प्रतिशत तक का अस्थायी आयात अधिभार लगाने की अनुमति देती है।

अदालत ने कहा कि प्रशासन ने 'भुगतान-संतुलन घाटे' की बजाय चालू खाते के घाटे और व्यापार घाटे का हवाला दिया, जबकि 1974 में कांग्रेस का उद्देश्य सीमित परिस्थितियों में ही इस प्रावधान का उपयोग करना था। जजों ने चेतावनी दी कि इस तरह की व्यापक व्याख्या को स्वीकार करने से राष्ट्रपति को प्रभावी रूप से असीमित टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा।

जज टिमोथी स्टैंसियू ने राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा के समर्थन में खड़े थे। उन्होंने तर्क दिया कि कोर्ट को राष्ट्रपति के आर्थिक निर्णयों पर सवाल नहीं उठाना चाहिए और न ही यह संकीर्ण रूप से परिभाषित करना चाहिए कि भुगतान-संतुलन घाटे को कैसे मापा जाता है।

फिलहाल, कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका की फेडरल सर्किट अपीलीय कोर्ट में अपील की जा सकती है और मामला आखिरकार फिर से सुप्रीम कोर्ट पहुंच सकता है।

होर्मुज़ स्ट्रेट में भारी तनाव : अमेरिका ने ईरान पर की बमबारी, ट्रंप बोले- उन्हें समझौते की ज़रूरत हमसे ज़्यादा

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। होर्मुज़ स्ट्रेट में एक बार फिर युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। अमेरिका ने दावा किया है कि उसने ईरान के सैन्य ठिकानों पर भीषण बमबारी की है। यह कार्रवाई अमेरिकी नौसेना के जहाजों पर हुए कथित ईरानी हमलों के जवाब में की गई है। इस सैन्य टकराव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि समझौते पर हस्ताक्षर न करने की स्थिति में उन्हें 'भारी कीमत' चुकानी होगी। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी नौसेना के गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर जब होर्मुज़ स्ट्रेट से गुजर रहे थे, तब ईरानी बलों ने मिसाइलों, ड्रोन और छोटी नौकाओं से उन पर हमला कर दिया। अमेरिका का कहना है कि उसने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए इन हमलों को नाकाम किया और दुश्मन को 'बुरी तरह तबाह' कर दिया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि ईरानी ड्रोनों को हवा में ही जला दिया गया और उनकी कई नौकाएं नष्ट कर दी गईं।

ईरान का पलटवार : 'अमेरिका ने तोड़ा सीज़फ़ायर' : दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिका पर ही युद्धविराम के उल्लंघन का आरोप लगाया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, अमेरिका ने पहले उनके एक तेल टैंकर पर हमला किया था, जिसके जवाब में ईरानी सेना ने कार्रवाई की। ईरान ने दावा किया है कि उनके 'तीव्र विस्फोटक वारहेड्स' वाले हमलों से अमेरिकी जहाजों को भारी नुकसान पहुँचा है और वे इलाक़े से भागने पर मजबूर हो गए।

ट्रंप की चेतावनी और परमाणु मुद्दा : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में स्पष्ट किया कि वह किसी भी हाल में ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा 'बातचीत चल रही है, लेकिन ईरान को यह समझना होगा कि उन्हें इस समझौते की ज़रूरत अमेरिका से ज़्यादा है। अगर वे दस्तख़त नहीं करते, तो अंजाम बुरा होगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि झड़पों के बावजूद सीज़फ़ायर अभी प्रभावी है, लेकिन समुद्री नाकेबंदी जारी रहेगी ताकि ईरान के तेल निर्यात से होने वाले मुनाफ़े को सीमित किया जा सके।

क्या है मौजूदा स्थिति : क्षेत्र में तनाव चरम पर है। सोमवार को ही ट्रंप ने 'प्रोजेक्ट फ़्रीडम' (समुद्री मार्गों को खुला रखने की पहल) को अस्थायी रूप से रोकने का एलान किया था, लेकिन ताज़ा हमलों ने शांति वार्ता पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। फिलहाल, अमेरिका ने कहा है कि वह तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन अपनी सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैनात है।

रसोई में हैं कैंसर को मात देने वाली औषधियां

भारतीय रसोई में पाए जाने वाले मसालों में वह ताकत है जो कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी को भी मात दे दे। किसी भी ऐसी जानलेवा बीमारी से लड़ने की ताकत रखने के लिए, हम कुछ ऐसे मसालों पर ध्यान दे सकते हैं जो कैंसर पैदा करने वाले सेल को शरीर में बनने से रोकते हैं। हर्बल हल्दी का लेप छोटी खरोच को सही कर देता है और त्वचा पर पड़ी घमोरियों को ठीक करता है। केसर और हल्दी जैसे मसालों में ऐसे औषधीय गुण हैं जो अगर खान-पान में शुरु आत से इस्तेमाल में लाए जाएं तो हमारे शरीर को टोक्सिन, बैक्टीरिया और वायरस के हमले से बचाते हैं।

हल्दी: जब कैंसर रोग से लड़ने की बात आती है तो यह मसालों का राजा माना जाता है। अनुसंधान से पता चला है कि हल्दी में ताकतवर पोलीफेनोल कर्कुमिन होता है जो कैंसर सेल को बढ़ने से रोकता है जिससे

प्रोस्ट्रेट कैंसर, मेलेनोमा, स्तन कैंसर, ब्रेन ट्यूमर, अग्न्याशय का कैं सर और ल्यूके मिया रुकता है। कर्कुमिन 'अपोप्टोसिस' को बढ़ावा देता है जो कैंसर को बढ़ावा देने वाले सेल को हटाता है और यह ध्यान रखता है कि इस कर्म में दूसरे हेल्दी सेल बनने से न रु कें। रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी के समय कैंसर सेल के साथ-साथ उसके आस-पास के हेल्दी सेल भी चपेटे में आ जाते हैं। इसलिए इसके दुष्प्रभाव दिख जाते हैं।

सौंफ : फायटो पो षक तत्व और एंटीओ क्सिडेंट हो ने के कारण, कैंसर सेल को सौंफ के सामने हार का सामना करना पड़ता है। फेंनेल का मुख्य तत्व 'अनेथोल', कैंसरो कोंजकौ तेजीी फैलने वाली प्रकृति को रोकता है। यह कैंसर सेल को बढ़ाने वाले एंजाइम से नियंत्रित होने वाली गतिविधियों को रोकता है। अदरक के साथ टमाटर और सौंफ का सूप या सौं फ के साथ ताजे सलाद को मुख्य खाने से पहले खाना काफी फायदेमंद होता है। भुनी हुई सौंफ को पार्मीजैन के साथ लेना भी सही रहता है।

जीरा: यह खाने को पचाने में मदद करता है शायद इसलिए हम खाने के बाद जीरा चबाना पसंद करते हैं। हालांकि, इसके हेल्थ बेनिफिट्स और भी ज्यादा हैं। यह एक ऐसा

हर्ब है जिसमें एंटी ऑक्सीडेंट लक्षण होते हैं, जीरा के दाने में 'थाय्मोकुईनॉन' होता है जो प्रोस्ट्रेट कैंसर पैदा करनीो के कोंकतौ। इसलिए स्नैक में कैलोरी और आइल की बजाए आप ब्रेड में फ्राइड बीन्स या सॉस की सीसनिंग कर अपनी डिश को स्वादिष्ट और पौष्टिक बना सकती हैं। आप तड़का दाल और चावल में जीरा डाल कर इसका मजा ले सकते हैं।

केसर: केसर में 'क्रोसेटिन' नाम का प्राकृतिक कैरोटेनोइड डीकार्बोक्सीलिक एसिड होता है जो कैंसर से लड़ने वाला मुख्य तत्व होता है। यह न सिर्फ बीमारी को बढ़ने से रोकता है पर ट्यूमर के आकार को आधे से ज्यादा कम कर देता है जिससे कैंसर से निजात मिल सकती है। हालांकि, यह विश्व का सबसे महंगा मसाला है क्योंकि यह 2,50,000 फूलों के स्टिग्मा से बनता है जो सिर्फ आधा किलो केसर देते हैं।

दालचीनी: हर दिन आधा चम्मच दालचीनी पॉउडर लेने से आप कैंसर के खतरे से बच सकते हैं। खाने को सुरक्षित रखने वाली दालचीनी में आयरन और कैल्शियम होता है। ट्यूमर को बढ़ने से रोकने में कारगर, यह शरीर में कैंसर संबंधी सेल को पैदा होने से रोकता है।

लाल शिमला मिर्च: यह एक ऐसा मसाला है जिसमें कैंसर से लड़ने की क्षमता है। हालांकि, ज्यादा तेज लाल शिमला मिर्च खाने से बचना चाहिए। लाल शिमला मिर्च से अपोप्टोसिस की प्रक्रिया शुरू होती है जो कैंसर सेल को बर्बाद करता है और ल्यूकेमिया ट्यूमर सेल के आकार को घटाता है। ऐसा

माना जा सकता है कि हमारे मुंह को जलाने के अलावा लाल शिमला मिर्च में कैंसर सेल को बढ़ने से रोकने की भी क्षमता है।

अदरक: इसमें आयुर्वेदिक गुण है जिससे कोलेस्ट्रोल नियंतण्रमें रहता है, शरीर में रस प्रक्रिया बढ़ाता है और कैंसर सेल को मारता है। सब्जी में व सलाद में इस्तेमाल किया जाने वाला अदरक खाने में स्वाद लाता है। दूसरे मसाले लौंग, सौंफ, तुलसी, लहसुन, काला जीरा, मे थी, सरसों, पुदीना पत्ता, रोजमेरी, ताजा नींबू, ओलिव, विनेगर और अवोकेडो कुछ ऐसे तत्व हैं जो कैंसर से लड़ने में मदद करते हैं।

सेहत के प्रति लापरवाही यानी कई बीमारियों को दावत

बीमारियां आते-जाते मौसम के साथ लगी ही रहती हैं। जिसके पीछे कमजोर इम्युनिटी और पदूषण जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। इन्हें मौसमी या छोटा समझकर अनदेखा करना बहुत भारी पड़ सकता है। किसी बड़ी बीमारी के होने के पीछे यही लापरवाही होती है। ऐसी ही कुछ बीमारियों से संबंधित कुछ जानकारियां यहां दी जा रही हैं।

वजन कम होना, हो सकता है थायराइड

एका एक वजन कम होने पर भले किसी को अच्छा लगे कि बिना किसी मेहनत के वजन घटा लिया। लेकिन ये इशारा करता है कि शरीर के साथ जरूर कुछ गलत हो रहा है। इसका कारण बहुत ज्यादा काम, खाने की बदलती आदतें हो सकती हैं जो लंबे समय में कई बीमारियों जैसे थॉयरॉइड आदि की वजह बनती हैं।

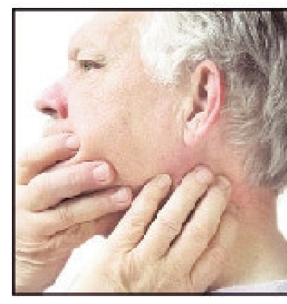

गले में या जबड़े में दर्द को गंभीरता से लें

वैसे तो ये समस्या दांतों या टॉन्सिल के कारण हो सकती है। लेकिन इनडाइजेशन के कारण कई बार ऐसे एसिड्स पैदा होते हैं जो गले वाले भाग में दर्द पैदा करते हैं। इसके अलावा हार्ट में ऑक्सीजन की कमी के कारण भी छाती, गले और जबड़ों में दर्द होता है, जिसे अनदेखा करना बड़ी बीमारियों को बुलावा देना हो सकता है। इसलिए मुंह में दर्द को लेकर हो रहे बदलाव को गंभीरता से लें।

थोड़े काम से थकान मतलब कई तरह की समस्याएं

थोड़े काम के बाद ही थकान महसूस हो तो ये इशारा है कि शरीर में न्यूट्रिशन की कमी हो रही है। वहीं एनीमिया, विटामिन डी की कमी, थॉयरॉइड के कारण भी थकान जल्द महसूस होने लगती है। हार्ट व फेफड़ों की समस्या के कारण जब मांसपेशियों को ऑक्सीजन पूर्ण रूप से नहै मिलता तो भी इसकी शिकायत होती है।

नाखूनों में बदलाव

नाखून भी आंखों जैसे होते हैं जो हमारी सेहत के बारे में बहुत कुछ बताते हैं। इनसे एनीमिया या किसी भी तरह की बीमारी का आसानी से पता चल सकता है। नाखूनों में खून के छोटे- छोटे क्लॉट ब्लड इन्फेक्शन की ओर इशारा करते हैं। इसी तरह काले या भूरे रंग के धब्बे स्किन कैंसर का भी कारण हो सकते हैं। इसलिए नाखूनों को सिर्फ मैल से पटे हैं, सोचकर अनदेखा न करें। यह हेल्थ के बारे में काफी कुछ सच कहते हैं।

झुनझुनी होना

ये बहुत ही सामान्य सी बात है और रूमेटॉयड आर्थराइटिस में ये आम समस्या होती है। इसमें अंगुलियों के पोरों या कई बार गर्दन व उससे नीचे के हिस्से में झुनझुनाहट महसूस होती है। इसके अलावा ये डायबिटीज, विटामिन बी 12 की कमी, थॉयरॉइड, कार्पल टन सिंड्रोम जैसी बीमारियों का संकेत होती है। कभी-कभी यह झुनझुनाहट बढ़कर शरीर को सुन्न भी कर देती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यो से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

हंसी के फूव्वारें

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो गई. बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब मेरे पिता ने दहेज में दिया है.'

संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए. बीवी की आंख खुल गई. वह मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर मे चोर घुस आए हैं.'

मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मै क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही क्या?'

जज (अभियुक्त से)- तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई. ऐसा क्यों हुआ?

अभियुक्त (जज से)- दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी.

एक ग्राहक होटल के बैरे से- अरे इस गिलास में पत्ता गिरा है.

बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है, इस शहर में हमारे होटल की कई शाखाएं हैं.

रमेश - अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई खिला रहे हो?

नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है. पचास में से पैतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए हैं.

काकुरो पहेली - 4049

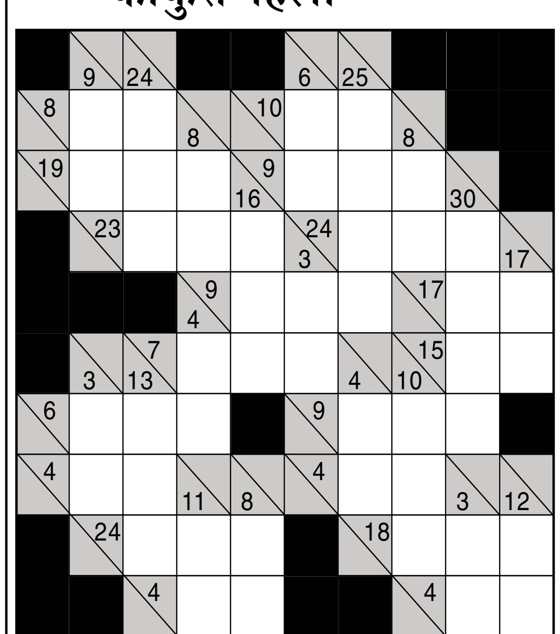

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16 / 23: 1 2 3 4 6 ; 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो -4048 का हल

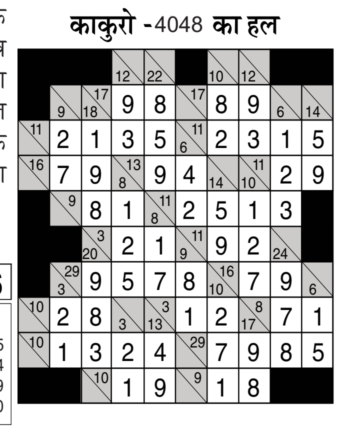

फिल्म वर्ग पहेली - 4049

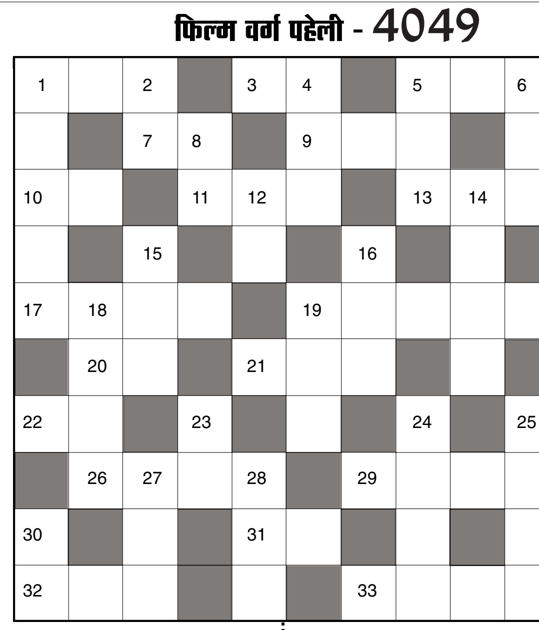

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली -4048

4049

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

4048

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 4049

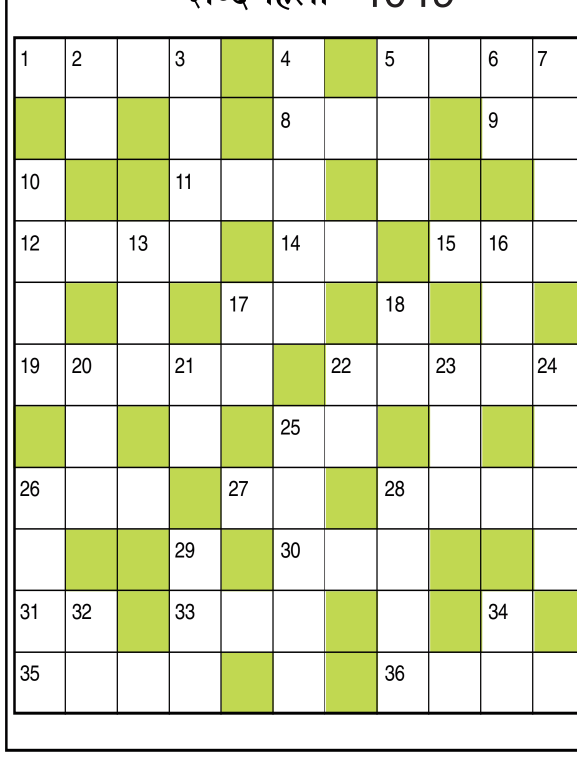

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी संकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -4048 का हल

मनोहर लाल खट्टर ने आईआईटी रुड़की में रेगुलेटरी सेंटर का किया उद्घाटन

एजेंसी

हरिद्वार। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने आईआईटी रुड़की में 'सेंटर फॉर रेगुलेटरी अफेयर्स' का उद्घाटन किया। यह केंद्र फोरम ऑफ रेगुलेटर्स और आईआईटी रुड़की की संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य देश के विद्युत क्षेत्र की नियामकीय व्यवस्था को और अधिक मजबूत, पारदर्शी एवं भविष्य के अनुरूप बनाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बढ़ती बिजली मांग, नवीकरणीय ऊर्जा के तेजी से विस्तार, डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग और ऊर्जा बाजारों में हो रहे बदलावों को देखते हुए मजबूत नियामकीय ढांचे की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह केंद्र रेगुलेटरी सैंडबॉक्सिंग और डिमांड फ्लेक्सिबिलिटी जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण शोध और नीति निर्माण में सहयोग करेगा। उन्होंने बताया कि यह देश में इस प्रकार का दूसरा केंद्र है। इससे पहले आईआईटी दिल्ली में भी केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग और ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया लिमिटेड के सहयोग से एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जा चुका है। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग एवं फोरम ऑफ रेगुलेटर्स के अध्यक्ष जिष्णु बरुआ ने कहा कि यह केंद्र देश में नियामकीय क्षमता निर्माण का प्रमुख संस्थान बनेगा और उच्च गुणवत्ता वाले शोध एवं ज्ञान संसाधनों के माध्यम से भारत की ऊर्जा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व क्षमता को मजबूत करेगा।

ग्रेटर बेंगलुरु प्राधिकरण चुनाव की तैयारियां शुरू, आयोग ने 14 से 24 जून के बीच तारीखों की घोषणा का दिया निर्देश

बेंगलुरु। लंबे समय से प्रतीक्षित ग्रेटर बेंगलुरु प्राधिकरण (जीबीए) क्षेत्र की नगर निगम चुनाव प्रक्रिया को आखिरकार गति मिल गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिया है कि नगर निगम चुनाव की तारीखों की घोषणा 14 जून से 24 जून के बीच की जाए। दरअसल, जीबीए क्षेत्र की पांच नगर निगमों के चुनाव की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। हालांकि बैठक में जीबीए के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री सहित उपमुख्यमंत्री मौजूद नहीं रहे। इसके बाद बैठक राज्य निर्वाचन आयुक्त जी. ए. संग्रेशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जीबीए के मुख्य आयुक्त महेश्वर राव सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्य निर्वाचन आयुक्त जी. ए. संग्रेशी ने कहा कि 14 जून से 24 जून के बीच चुनाव कार्यक्रम घोषित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कानून के अनुसार राज्य निर्वाचन आयोग को जीबीए के साथ परामर्श कर चुनाव की तारीख तय करनी होती है और इसी उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गई थी। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि चुनाव कराने के लिए आवश्यक अधिकांश तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और अब केवल चुनाव तिथियों को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

बिहार में लीची की फसल को खतरा, कृषि मंत्रालय ने किया टास्क फोर्स का गठन

नई दिल्ली। बिहार में लीची की फसल पर मंडरा रहे 'लीची स्टिंग बग' के खतरे को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। फसल को हो रहे भारी नुकसान का मामला अब केंद्र सरकार तक पहुंच गया है। इसको लेकर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने टास्क फोर्स का गठन किया है जो लीची स्टिंग बग के प्रकोप का आकलन करेगी।मुजफ्फरपुर के राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के निदेशक को कार्यबल का अध्यक्ष बनाया गया है। इस कार्यबल में नौ सदस्य बनाए गए हैं जिसमें बिहार सरकार के उद्यान-सह-बिहार राज्य बागवानी मिशन के निदेशक, बिहार सरकार द्वारा नामित उनके प्रतिनिधि, कृषि विभाग के निदेशक , बिहार सरकार द्वारा नामित उनके प्रतिनिधि, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कीट वैज्ञानिक, समस्तिपुर द्वारा नामित उनके प्रतिनिधि, प्रधान वैज्ञानिक (कीट विज्ञान), बिहार कृषि विश्वविद्यालय भागलपुर द्वारा नामित उनके प्रतिनिधि सदस्य, एकीकृत बागवानी विकास मिशन द्वारा नामित उनके प्रतिनिधि सदस्य, डॉ. जयपाल सिंह चौधरी (वैज्ञानिक) एवं अन्य नाम शामिल हैं।दरअसल, सात मई को शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में आईसीएआर - सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर सबट्रॉपिकल हॉर्टिकल्चर लखनऊ में आयोजित कृषक संवाद कार्यक्रम के दौरान बिहार के लीची उत्पादक जिलों से आए किसानों ने इस समस्या को प्रमुखता से उठाया।

डीआरडीओ और वायु सेना ने किया पहली स्वदेशी ग्लाइड हथियार प्रणाली का परीक्षण

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायु सेना ने ओडिशा के तट पर सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन (टीएआरए) हथियार का पहला परीक्षण किया, जो पूरी तरह सफल रहा। टीएआरए एक मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट है, जो भारत की पहली स्वदेशी ग्लाइड हथियार प्रणाली है। टीएआरए अनिर्देशित वारहेड को सटीक निर्देशित हथियारों में बदल देती है। डीआरडीओ के मुताबिक टीएआरए को हैदराबाद के रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) और डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं ने डिजाइन और विकसित किया है। जमीन पर मौजूद लक्ष्य को बेअसर करने के लिए हथियार की मारक क्षमता और सटीकता को बढ़ाने के लिए यह पहला ग्लाइड हथियार है, जिसमें कम लागत वाले सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है। इस किट को कई भारतीय उद्योगों के साथ मिलकर बनाया गया है, जिन्होंने पहले ही प्रोडक्शन शुरू कर दिया है।

राजस्थान एटीएस की बड़ी कार्रवाईः प्रो-खालिस्तान और प्रो-पाकिस्तान कंटेंट फैलाने वाला संदिग्ध युवक चिन्हित

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान एटीएस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर देशविरोधी और अलगाववादी सामग्री प्रसारित करने वालों के खिलाफ विशेष कार्रवाई करते हुए पंजाब के एक संदिग्ध युवक की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। प्रारंभिक जांच में आरोपित के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रो-खालिस्तान और प्रो-पाकिस्तान समर्थक पोस्ट, वीडियो और कमेंट मिला है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एटीएस, एजीटीएफ एवं एएनटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस राजेश सिंह के सुपरविजन में एटीएस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग शाखा ने यह कार्रवाई की। सोशल मीडिया शाखा प्रभारी पुलिस निरीक्षक निशा चॉवरिया के नेतृत्व में संदिग्ध

गतिविधियों की निगरानी के दौरान यह मामला सामने आया। जांच के बाद एटीएस ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम को पंजाब भेजा। वहां पूछताछ और डिजिटल विश्लेषण में सामने आयाकि संदिग्ध गुरुविन्दर सिंह के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रो-खालिस्तान एवं प्रो-पाकिस्तान के समर्थन में ऑडियो, वीडियो, पोस्ट, चैट और कमेंट पाए गए हैं।

आरोपित के फेसबुक मैसेंजर पर संदिग्ध लोगों एवं प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीआरएफ के सदस्यों से बातचीत करना एवं उन लोगों से एके-47 एवं ग्रनेड मंगवाकर बम ब्लास्ट करने की चैटिंग और वॉइस नोट पाए गए हैं। उक्त संदिग्ध द्वारा अपने मोबाइल से प्रतिबंधित क्षेत्र बीएसएफ की चौकी का वीडियो बनाकर पाकिस्तानी में बैठे अपने आकाओं को शेयर करना भी पाया गया। उक्त संदिग्ध द्वारा ही आतंकवादी संगठन एसएफजे प्रमुख गुरूपतवंत सिंह पन्नू के खालिस्तान के समर्थन वाले वीडियो भी लगातार शेयर किये जा रहे थे। इसका अलगाववादी लोगों एवं संगठनों से सम्पर्क तथा देश में आतंकवादी घटना कारित किये जाने संबधित सामग्री होना पाया गया है। राजस्थान एटीएस की सूचना पर पंजाब के तरनतारण जिले के थाना सदर पटटी में पंजाब निवासी संदिग्ध गुरुविन्दर सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है और एजेंसियां उसके नेटवर्क तथा संभावित संपर्कों की गहन पड़ताल कर रही हैं।

संघ में महिलाओं को मिलता है पूरा सम्मान और सहभागिता : डॉ. शोभा विजेन्द्र

एजेंसी

मुंबई। प्रख्यात लेखिका और समाज सेविका डॉ.शोभा विजेन्द्र का कहना है कि संघ की विचारधारा से उपजे विचार और कार्य पूर्णरूप से महिला केन्द्रित हैं। महिला के योगदान के बिना परिवार, समाज और राष्ट्र का निर्माण संभव ही नहीं है। इसी को ध्यान में रखकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और राष्ट्र सेविका समिति व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का कार्य कर रहे हैं। संघ के कार्यकर्ता भारत के चरमोत्कर्ष का स्वप्न देखते हुए राष्ट्र कार्य में निरंतर लीन हैं।महाराष्ट्र के मुंबई के वर्ली में नेहरू सेंटर के हॉल ऑफ हार्मनी में आयोजित 'संघ शतायु और महिला सहभागिता' पर आधारित चर्चा में पुस्तक की लेखिका शोभा विजेन्द्र ने अपने निजी अनुभव साझा करते हुए कहा कि संघ परिवार में पले-बढ़े होने के कारण ही उनके भीतर 'मैं नहीं, तू' और राष्ट्र सेवा का भाव विकसित हुआ। उन्होंने कहा कि उनकी पुस्तक प्रमाणित दस्तावेजों के माध्यम से यह सिद्ध करती है कि संघ में महिलाओं की भूमिका केवल सहभागिता तक सीमित नहीं बल्कि संघ के भीतर स्त्री की महिमा माँ, मातृभूमि और जगन्माता के स्वरूप में है। समारोह में सुविख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और विचारिका सुश्री गीता ताई गुंडे का भावपूर्ण अभिनन्दन भी किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महिलाएँ आज कई बड़े पदों तक पहुँच रही हैं, लेकिन राजनीति और नीति निर्माण में उनकी संख्या अभी भी बहुत कम है। केवल पद मिलने से पर्याप्त नहीं है बल्कि महिलाओं को अपने विचार और योगदान भी मजबूत तरीके से रखने चाहिए। समाज का महिलाओं पर निर्णय लेने के लिए विश्वास बढ़ना अत्यंत आवश्यक है।

आईजीएनसीए में 15वें दिल्ली अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का भव्य समापन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय 15वें दिल्ली अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (डीआईएफएफ 2026) का भव्य समापन हुआ। आईजीएनसीए के अनुसार समापन के अवसर पर प्रतियोगिता खंड में चयनित उत्कृष्ट फिल्मों को पुरस्कार प्रदान किए गए। उन्हें अभिनेत्री ऋतुपर्णा सेनगुप्ता ने पुरस्कार प्रदान किए। भारत विभाजन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित और द्वारा निर्देशित फिल्म 'ए न्यू पोस्टबॉक्स : टेल्स फ्रॉम पार्टीशन' को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। फिल्म ने विभाजन की मानवीय त्रासदी और स्मृतियों को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत कर दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान आकर्षित किया। इस वर्ष आयोजित फिल्म महोत्सव में विश्व सिनेमा की व्यापक भागीदारी देखने को मिली। महोत्सव के दौरान दुनिया के 51 देशों तथा भारत के 21 राज्यों की करीब 178 फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। विविध भाषाओं, संस्कृतियों और सामाजिक सरोकारों को अभिव्यक्त करती इन फिल्मों ने दर्शकों को वैश्विक

सिनेमा की समृद्ध परंपरा से परिचित कराया। महोत्सव में रूस, चीन और अफ्रीकी देशों को 'फोकस कंट्री' के रूप में विशेष स्थान दिया गया। इन देशों की फिल्मों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सिनेमाई विमर्शों ने अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संवाद को नई दिशा प्रदान की। फिल्म महोत्सव के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण परिचर्चाएं, संवाद सत्र और विशेष पैनल चर्चाएँ भी आयोजित की गईं। इसी क्रम में आईजीएनसीए द्वारा आयोजित विशेष पैनल चर्चा मेकिंग फिल्म्स इज ईजी, सेलिंग देएम इज वॉर ने फिल्मकारों, शोधकर्ताओं और सिनेमा से जुड़े विद्यार्थियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। फिल्मों के निर्माण से लेकर वितरण और दर्शकों तक पहुंचाने की चुनौतियों पर केंद्रित इस चर्चा में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) नई दिल्ली के निदेशक चितरंजन त्रिपाठी, आईआईसीएस, नई दिल्ली के डीन अकादमिक सलीम आरिफ़, प्रसिद्ध रंगकर्मी तथा अस्मिता थिएटर ग्रुप के अरविंद गौर तथा मोशन पिक्चर्स एसोसिएशन के महासचिव जोगिंदर महाजन ने अपने विचार साझा किए।

60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं 45 वर्ष के बाद ही स्वास्थ्य को देती हैं प्राथमिकताः हैबिल्ड सर्वे

एजेंसी

नई दिल्ली। महिलाएं अक्सर परिवार की देखभाल के चक्कर में अपने स्वास्थ्य को हमेशा पीछे रखती हैं। हालांकि हैबिल्ड के नए सर्वे में एक अहम बदलाव देखने को मिल रहा है। आज 45 साल की महिलाएं अपने स्वास्थ्य को न केवल प्राथमिकता दे रही हैं बल्कि दूसरों को भी प्रेरित कर रही हैं।

यह सर्वे हैबिल्ड द्वारा 5,000 से अधिक प्रतिभागियों पर किया गया, जिनमें अधिकांश महिलाएं थीं। इसमें मातृ स्वास्थ्य और वेलनेस के मामले में उनकी इच्छा और वास्तविक क्रियान्वयन के बीच की बड़ी खाई देखने को मिली। हैबिल्ड सर्वे के मुख्य निष्कर्ष में पाया गया कि 60 प्रतिशत से अधिक प्रतिभागी 45 वर्ष या उससे अधिक आयु की थीं, जिससे पता चलता है कि कई महिलाएं इस उम्र में अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना शुरू करती हैं।

लगभग 59 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि यदि उन्हें संरचित स्वास्थ्य कार्यक्रम मिलें तो वे अपने स्वास्थ्य को गंभीरता से लेंगी।

बड़ी संख्या में महिलाओं ने माना कि उन्हें निरंतरता बनाए रखने के लिए विशेषज्ञ मार्गदर्शन और सामुदायिक सहयोग की आवश्यकता है। ये निष्कर्ष एक महत्वपूर्ण सच्चाई को सामने लाते हैं। सर्वे के निष्कर्षों पर टिप्पणी करते हुए हैबिल्ड के सह-संस्थापक सौरभ बोथरा ने कहा, बहुत लंबे समय तक माताओं को इस तरह ढाला गया कि वे सबकी देखभाल करते हुए अपनी भलाई को पीछे रखें। अब हम एक बड़ा बदलाव देख रहे हैं–महिलाएं अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें सही मार्गदर्शन की ज़रूरत है ताकि यह स्थायी बन सके। जब आप एक मां को खुद का ख्याल रखने के लिए सक्षम बनाते हैं, तो आप पूरे परिवार की नींव को मज़बूत करते हैं।

उन्होंने बताया कि जागरूकता बढ़ रही है, लेकिन माताएं अक्सर वर्षों तक परिवार की ज़िम्मेदारियों में उलझकर अपने स्वास्थ्य को पीछे रखती हैं। जैसे-जैसे प्रिवेंटिव हेल्थकेयर का महत्व बढ़ रहा है, इन निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि मातृ स्वास्थ्य को देखने का दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता है। इसे केवल व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी न मानकर परिवारों, समुदायों और स्वास्थ्य सेवाओं की साझा प्राथमिकता बनाया जाना चाहिए।

पूर्वोत्तर के लिए 'वन साइज फिट्स ऑल' मॉडल कारगर नहीं, राज्य-विशेष समाधान जरूरी : डॉ. भूटानी

एजेंसी

आइजोल। केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के सचिव आशीष कुमार भूटानी ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों की भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां देश के अन्य हिस्सों से अलग हैं, इसलिए सहकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में 'एक जैसा मॉडल' प्रभावी नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के लिए राज्य-विशेष समाधान और लचीले दिशा-निर्देशों की आवश्यकता है। मिजोरम की राजधानी आइजोल में आयोजित क्षेत्रीय सहकारी सुधार सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. भूटानी ने कहा कि यह कार्यशाला पूर्वोत्तर राज्यों की चुनौतियों और जमीनी आवश्यकताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्य भूमि से दूरी, सीमित कनेक्टिविटी और स्थानीय परिस्थितियां सहकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में विशेष दृष्टिकोण की मांग करती हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय पूर्वोत्तर राज्यों के

साथ नियमित वीडियो कॉन्फ्रेंस और समीक्षा बैठकों के माध्यम से लगातार संवाद बनाए हुए है ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सके। डॉ. भूटानी ने कहा कि राज्यों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों और अनुभवों से मंत्रालय को जमीनी स्तर की वास्तविकताओं को समझने में मदद मिली है। सहकारिता सचिव ने क्षमता निर्माण पर जोर देते हुए कहा कि राज्य स्तर पर योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने, अवधारणा विकास और प्रभावी क्रियान्वयन क्षमता को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सहकारिता मंत्रालय पूर्वोत्तर राज्यों को सहकारी बैंकिंग, मानव संसाधन और वित्तीय सहायता सहित हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंकिंग सुधार मंत्रालय की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं और शहरी सहकारी बैंकों के लिए तकनीकी प्लेटफॉर्म का मानकीकरण करने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे लागत कम होगी, दक्षता बढ़ेगी और ग्राहकों को आधुनिक बैंकिंग सेवाएं मिल सकेंगी। डॉ. भूटानी ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना को पूर्वोत्तर राज्यों में मिशन मोड में लागू किया जाएगा। साथ ही सहकारी संस्थाओं के माध्यम से कृषि ऋण पहुंच बढ़ाने और भंडारण अवसंरचना मजबूत करने पर भी विशेष फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में ऑर्गेनिक खेती, बागवानी, मत्स्य पालन, बांस और पारंपरिक उत्पादों के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। राष्ट्रीय सहकारी नेटवर्क के जरिए इन उत्पादों को घरेलू और वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

इंदौर-खंडवा राजमार्ग परियोजना 88 फीसदी पूरी, इस साल शुरू होगा यातायात

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के बन रहे इंदौर- खंडवा राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के तेजाजी नगर-बलवाड़ा खंड पर चार लेन सड़क और तीन सुरंगों का निर्माण 88 प्रतिशत पूरा हो चुका है। सरकार इसे इसी साल यातायात के लिए खोलने की तैयारी में है। इस परियोजना से घाटी क्षेत्रों में यात्रा समय घटकर मात्र एक घंटे रह जाएगा और दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर भेरूघाट (575 मीटर), बैग्राम (480 मीटर) और चोरल घाट (550 मीटर) सुरंगों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इन सुरंगों से घाटी मार्गों के प्रमुख ब्लैक स्पॉट स्थायी रूप से दूर होंगे और यात्रियों को सुरक्षित व सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा। स्थानीय किसानों और चालकों ने कहा कि पहले मंडियों तक माल पहुंचाना जोखिम भरा था और संकरी दो-लेन सड़क पर हर यात्रा तनावपूर्ण होती थी। अब चौड़ी सड़क और सुरंगों से जाम और दुर्घटनाओं की समस्या दूर होगी। मंत्रालय ने बताया कि इस परियोजना पर 924.44 करोड़ रुपये की लागत आ रही है और इसके पूरा होने पर इंदौर से ओंकारेश्वर की

यात्रा समय 2-3 घंटे से घटकर केवल 1 घंटे रह जाएगा। परियोजना में पर्यावरण और सुरक्षा उपायों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। आधुनिक जल निकासी प्रणाली, क्रैश बैरियर, सड़क सुरक्षा संकेतक, वर्षा जल प्रबंधन और हरित पट्टी के लिए वृक्षारोपण जैसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मंत्रालय का कहना है कि यह कॉरिडोर न केवल धार्मिक यात्राओं बल्कि व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति देगा।

गुजरात गिफ्ट सिटी ने देश के फिनटेक हब के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है : भूपेंद्र पटेल

एजेंसी

गांधीनगर। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) ने देश के फिनटेक हब के रूप में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। यह समिट गिफ्ट सिटी के अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण(आईएफएससीए) की एयरक्राफ्ट लीजिंग एंड फाइनेंसिंग सेक्टर की भूमिका को और व्यापक बनाएगा। मुख्यमंत्री पटेल गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय, आईएफएससीए और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इंडिया एयरक्राफ्ट लीजिंग एंड फाइनेंसिंग समिट 2.0 का उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू की विशेष उपस्थिति में आयोजित इस समिट में देश-विदेश के एविएशन इंडस्ट्रीज के लीडर, नीति निर्माता और हितधारक सहभागी हुए।समिट की शुरुआत में एयर इंडिया, इंडिगो, स्टार एयर, बैंक ऑफ इंडिया, आईएफएससीए तथा अकासा की ओर से नागरिक उड्डयन क्षेत्र में नई साझेदारियों और निवेशों के लिए विभिन्न समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही, फिक्की की नॉलेज रिपोर्ट का अनावरण भी किया गया। मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में बनी गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) ने देश के फिनटेक हब के रूप में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। यह समिट गिफ्ट सिटी के अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) की एयरक्राफ्ट लीजिंग एंड फाइनेंसिंग सेक्टर की भूमिका को और व्यापक बनाकर श्रेष्ठ वैश्विक प्रथाओं को स्थानीय स्तर पर लागू करके एविएशन फाइनेंसिंग इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने का उद्देश्य पूरा करेगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर यह भी बताया कि एयरक्राफ्ट लीजिंग इंडस्ट्रीज के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के लिए आईएफएससीए के माध्यम से यूनीफाइड रेगुलेटर की व्यवस्था की गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पेश किए गए इस वर्ष के आम बजट में गिफ्ट सिटी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के उद्देश्य से दिए गए टैक्स हॉलिडे और अन्य प्रोत्साहनों पर भी रोशनी डाली। उन्होंने यह संकल्प व्यक्त करते हुए कि गुजरात एविएशन इंडस्ट्रीज और एयरक्राफ्ट लीजिंग एंड फाइनेंसिंग सेक्टर में भी नेतृत्व करेगा, कहा कि गिफ्ट सिटी में संचालित आईएफएससीए ने अब तक 370 से अधिक एसेट्स लीज पर दिए हैं। उन्होंने इस समिट में सहभागी हुए इंडस्ट्री लीडर्स से कहा कि गिफ्ट सिटी आईएफएससीए के साथ उनका सहयोग प्रधानमंत्री मोदी के 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को तेजी से साकार करने में सहायक होगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने गिफ्ट सिटी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'ब्रेन चाइल्ड' और भारत के लिए वैश्विक वित्तीय बाजारों का प्रवेशद्वार बताते हुए कहा कि गुजरात सरकार के सहयोग से गिफ्ट सिटी आज एशिया का सबसे गतिशील वित्तीय केंद्र और वैश्विक वित्तीय बाजारों के लिए भारत का प्रवेशद्वार बन गया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू ने गिफ्ट सिटी की तुलना डबलिन (आयरलैंड), सिंगापुर और दुबई जैसे अंतरराष्ट्रीय केंद्रों के साथ की और कहा कि गिफ्ट सिटी में एयरक्राफ्ट लीजिंग और फाइनेंसिंग के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार हुआ है, जो एविएशन सेक्टर में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

पीएम सेतु योजना के तहत केंद्र ने एनएसटीआई कानपुर में एयरोनॉटिक्स उत्कृष्टता केंद्र पर की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एयरोनॉटिक्स और संबद्ध क्षेत्रों के लिए प्रस्तावित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) की स्थापना पर के लिए उद्योग परामर्श बैठक में एयरोनॉटिक्स और संबद्ध क्षेत्रों के लिए प्रस्तावित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) की स्थापना पर विचार-विमर्श किया।

केंद्रीय बैठक कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने बताया कि यहां राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) में हुई बैठक में उद्योग जगत और बहुपक्षीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने पाठ्यक्रम निर्माण, प्रशिक्षण व्यवस्था, अधोसंरचना विकास और अप्रेंटिसशिप लिंक को मजबूत करने पर चर्चा की, ताकि एयरोस्पेस और संबद्ध क्षेत्रों में उभरती कौशल आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जा सके। बैठक मंत्रालय के अधीन महानिदेशालय प्रशिक्षण (डीजीटी) द्वारा राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई), कानपुर में आयोजित की । इसकी अध्यक्षता मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने

की, जबकि डीजीटी के महानिदेशक दिलीप कुमार, उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के निदेशक और विभिन्न उद्योगों के वरिष्ठ प्रतिनिधि इसमें शामिल हुए। बैठक में रक्षा एयरोस्पेस, सिविल एविएशन, प्रिसिजन इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षेत्र की 25 से अधिक संस्थाओं ने भाग लिया। इनमें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), डसॉल्ट एविएशन इंडिया, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, एलएंडटी प्रिसिजन इंजीनियरिंग, अदाणी स्किल डेवलपमेंट सेंटर, होंडा मोटर्स, एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड, जेके सीमेंट, एशियन डेवलपमेंट बैंक और विश्व बैंक जैसी संस्थाएं शामिल थीं।

बैठक में पीएम सेतु योजना के तहत अपनाए गए हब-एंड-स्पोक मॉडल पर भी चर्चा हुई। इस मॉडल के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के विभिन्न आईटीआई क्लस्टर जैसे अलीगंज, साकेत, पांडु नगर कानपुर, मुजफ्फरनगर, आगरा, नैनी प्रयागराज, वाराणसी और चारगांव गोरखपुर को जोड़ा गया है। बैठक में तय किया गया कि हब आईटीआई अपने नेटवर्क की स्पोक आईटीआई को मार्गदर्शन देकर क्षेत्रीय कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेंगे, प्रशिक्षण गुणवत्ता सुधारेंगे और उद्योग से जुड़ाव बढ़ाएंगे। मंत्रालय ने बताया कि एनएसटीआई कानपुर में प्रस्तावित एनसीओई उद्योग सहयोग से विकसित होगा और उच्च स्तरीय विनिर्माण व एयरोनॉटिक्स ट्रेड्स में प्रशिक्षण क्षमता को बढ़ाएगा। यह केंद्र उद्योग के सह-निवेश, भारत-फ्रांस द्विपक्षीय सहयोग और पीएम-सेतु ढांचे के तहत एक मॉडल संस्थान के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां हर वर्ष हजारों प्रशिक्षुओं को एयरोनॉटिक्स और संबद्ध क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे भारत की आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

मप्र की स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि, एनीमिया मुक्त भारत स्कोरकार्ड 2025-26 में देश में प्रथम

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) स्कोरकार्ड 2025-26 में 92.1 एएमबी इंडेक्स के साथ देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह उपलब्धि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार और एनीमिया नियंत्रण की दिशा में प्रदेश सरकार की सतत प्रतिबद्धता और प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम सहयोगी विभागों और मैदानी स्वास्थ्य अमले को बधाई दी है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार, पोषण सुदृढ़ीकरण तथा एनीमिया उन्मूलन के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित मध्यप्रदेश की आधारशिला हैं। प्रदेश सरकार

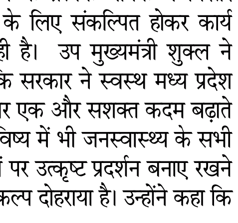

स्वास्थ्य के प्रत्येक मानक में निरंतर सुधार के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सरकार ने स्वस्थ मध्य प्रदेश की ओर एक और सशक्त कदम बढ़ाते हुए भविष्य में भी जनस्वास्थ्य के सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाए रखने का संकल्प दोहराया है। उन्होंने कहा कि एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रदेश में व्यापक जनजागरूकता, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, आयरन-फोलिक एसिड वितरण तथा पोषण संबंधी गतिविधियों को मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश ने बच्चों, किशोरों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं में आयरन-फॉलिक एसिड (आईएफए) अनुपूरण कवरेज में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्रदेश ने 6 से 59 माह के बच्चों में 80.4, 5 से 9 वर्ष के बच्चों में 95, किशोर वर्ग में 95, गर्भवती महिलाओं में 95 तथा धात्री माताओं में 95 प्रतिशत कवरेज प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च स्थान अर्जित किया। राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश के बाद आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना संयुक्त रूप से 90.6 एएमबी इंडेक्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि तमिलनाडु 89.9 इंडेक्स के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

आरसीबी और मुंबई के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला, जीत की राह तलाशेगी बेंगलुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच बेहद अहम मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मैच प्लेऑफ की रेस के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जहां अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगी, वहीं मुंबई इंडियंस जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। सीजन की शुरुआत में लगातार चार मुकाबले जीतकर शानदार प्रदर्शन करने वाली बेंगलुरु की टीम अब पिछले पांच मैचों में तीन हार झेल चुकी है, जिससे टीम की लय प्रभावित हुई है। ऐसे में अब टीम पर दबाव बढ़ गया है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फिलहाल 10 मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद है, लेकिन लगातार हार ने टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही थी और केवल 155 रन बना सकी। वहीं लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ आखिरी ओवर में 19 रन की जरूरत होने के बावजूद टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई और उसे करीबी हार का सामना करना पड़ा। इन नतीजों ने साफ कर दिया है कि टीम की बल्लेबाजी इस समय सबसे बड़ी कमजोरी बन चुकी है।

एक बार फिर विराट कोहली पर टीम की बल्लेबाजी का पूरा दारोमदार रहेगा। अनुभवी बल्लेबाज विराट लगातार रन बना रहे हैं, लेकिन दूसरे बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे पा रहे हैं। सलामी बल्लेबाज जैकब बेथेल अब तक उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं और लगातार छोटी पारियां खेलकर आउट हुए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा का बल्ला भी इस सीजन शांत रहा है। ऐसे में मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदारी उठानी होगी।

दूसरी तरफ मुंबई इंडियंस की टीम शानदार लय में नजर आ रही है। पिछले मुकाबले में मुंबई ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 228 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर अपने इरादे साफ कर दिए थे। रोहित शर्मा ने चोट से वापसी करते हुए 44 गेंदों में 84 रन की तूफानी पारी खेली थी। अब एक बार फिर रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन की सलामी जोड़ी टीम को मजबूत शुरुआत देने की कोशिश करेगी। वहीं जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, कॉर्बिन बॉश और एएम गजनफर जैसे गेंदबाज बेंगलुरु के बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या की फिटनेस भी चर्चा का विषय बनी हुई है। पीठ दर्द के कारण वह पिछले मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। हालांकि अब वह टीम के साथ जुड़ चुके हैं,

लेकिन अंतिम एकादश में उनकी वापसी फिटनेस रिपोर्ट पर निर्भर करेगी। ऐसे में यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए दबाव और रोमांच से भरपूर रहने वाला है।

टीवी पर डेब्यू करेंगे रोहित शर्मा, टीजर रिलीज होते ही फैंस में बढ़ी उत्सुकता

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रह चुके स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा अब टेलीविजन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। शुक्रवार को उनके टीवी डेब्यू का एक शानदार टीजर जारी किया गया, जिसमें 'हिटमैन' नए अंदाज में नजर आए। हालांकि शो का नाम और बाकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। बताया गया है कि इससे जुड़ी पूरी घोषणा जल्द ही सोनी ग्रुप कारपोरेशन के प्लेटफॉर्म पर की जाएगी।

इस समय रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2026 में खेल रहे हैं और शानदार फॉर्म में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने अब तक पांच मैचों में 55.25 की औसत और 174 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 221 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से दो अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 84 रन रहा है। साल 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले रोहित शर्मा आज भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े सितारों में गिने जाते हैं। उन्होंने अब तक 508 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42.33 की औसत से 20,109 रन बनाए हैं। उनके नाम 50 शतक और 111 अर्धशतक दर्ज हैं। रोहित ने भारत को दो आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और दो टी20 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई है। इनमें से एक-एक खिताब उन्होंने कप्तान के रूप में दिलाया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रोहित शर्मा भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 159 मैचों में 4,231 रन बनाए, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। 2024 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद उन्होंने इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। रोहित का टेस्ट और वनडे रिकॉर्ड भी बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक शामिल हैं। वहीं वनडे क्रिकेट में उनके नाम 282 मैचों में 11,577 रन दर्ज हैं। रोहित वनडे इतिहास के इकलौते बल्लेबाज हैं, जिन्होंने तीन दोहरे शतक लगाए हैं। उनका 264 रन का व्यक्तिगत स्कोर आज भी वनडे क्रिकेट का सर्वोच्च स्कोर है।

आईपीएल में भी रोहित शर्मा का रिकॉर्ड शानदार रहा है। वह लीग इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। उन्होंने 277 मैचों में 7,267 रन बनाए हैं। कप्तान के तौर पर उन्होंने मुंबई इंडियंस को पांच बार आईपीएल चैंपियन बनाया है। मैदान पर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के अलावा रोहित शर्मा अपने मजाकिया अंदाज और बेबाक टिप्पणियों के लिए भी काफी लोकप्रिय हैं। स्टंप माइक में रिकॉर्ड हुई उनकी कई बातें सोशल मीडिया पर वायरल होती रही हैं, जिसके चलते वह क्रिकेट के साथ-साथ 'मीम मटीरियल' के रूप में भी फैंस के बीच बेहद चर्चित रहते हैं।

टीम इंडिया को मिलेगा नया स्पिन गुरु, सैराज बहुतुले जल्द संभाल सकते हैं बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की कोचिंग व्यवस्था में जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मुंबई के पूर्व लेग स्पिनर सैराज बहुतुले जल्द ही भारतीय टीम के साथ स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में जुड़ सकते हैं। फिलहाल वह आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के स्पिन बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन माना जा रहा है कि मौजूदा सीजन खत्म होने के बाद वह फ्रेंचाइजी से अलग हो जाएंगे। बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक, बहुतुले ने अपने कोचिंग कौशल से भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को काफी प्रभावित किया है। दोनों के बीच इस भूमिका को लेकर सकारात्मक बातचीत हो चुकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि उनका कार्यकाल जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज से शुरू हो सकता है।

53 वर्षीय सैराज बहुतुले ने 2001 से 2003 के बीच भारत के लिए दो टेस्ट और आठ वनडे मुकाबले खेले थे। हालांकि अंतरराष्ट्रीय करियर लंबा नहीं रहा, लेकिन घरेलू क्रिकेट और कोचिंग में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। खासतौर पर स्पिन गेंदबाजों के साथ उनके काम को काफी सराहा जाता है। यही वजह है कि गौतम गंभीर ने उन्हें टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ में शामिल करने की सिफारिश की है। वर्तमान में भारतीय टीम की कोचिंग यूनिट में बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, तेज गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, फील्डिंग कोच टी. दिलीप और सहायक कोच रयान टेन डेशकाटे शामिल हैं। अब तक टीम में कोई विशेषज्ञ स्पिन बॉलिंग कोच नहीं था, जिसे देखते हुए यह नियुक्ति अहम मानी जा रही है।

बहुतुले इससे पहले भी भारतीय टीम के साथ काम कर चुके हैं। वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से जुड़े रहे हैं, जहां वीवीएस लक्ष्मण के नेतृत्व में उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों के साथ काम किया। पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने भी 2023 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उन्हें भारतीय टीम से जोड़ने की विशेष सिफारिश की थी। श्रीलंका दौरे पर भी वह सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा रह चुके हैं। आईपीएल 2026 से पहले सैराज बहुतुले पंजाब किंग्स से जुड़े थे, जहां वह मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले वह राजस्थान रॉयल्स में राहुल द्रविड़ के साथ भी कोचिंग भूमिका निभा चुके हैं। माना जा रहा है कि भारतीय टीम के साथ जुड़ने के लिए उन्हें पंजाब किंग्स का कार्यकाल समय से पहले छोड़ना पड़ सकता है। हालांकि, भारतीय टीम में योगदान देने के अवसर को देखते हुए फ्रेंचाइजी उनके रास्ते में रुकावट नहीं डालेगी। फिलहाल बहुतुले ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

चेन्नई और लखनऊ के बीच करो या मरो की जंग

- प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी सीएसके

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 अब अपने बेहद रोमांचक और निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। ऐसे में हर मुकाबला टीमों के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। रविवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि टीम को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अंक तालिका में फिलहाल छठे स्थान पर मौजूद चेन्नई की टीम अब कोई गलती करने के मूड में नहीं है। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति और भी खराब है। टीम अंक तालिका में सबसे नीचे चल रही है और उसकी प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म होने की कगार पर पहुंच चुकी हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन इस सीजन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टीम घरेलू और विदेशी दोनों मैदानों पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में सफल नहीं हो सकी। हालांकि चेपॉक में वापसी के बाद टीम को फिर से लय हासिल करने की उम्मीद है। बल्लेबाजी विभाग में काफी हद तक संजू सैमसन ने जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने कई मुकाबलों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने 52 गेंदों में 87 रन की शानदार पारी खेली थी। वहीं कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी फॉर्म हासिल करने की कोशिश में जुटे हैं। मई की शुरुआत में उन्होंने लगातार दो अर्धशतक लगाकर वापसी के संकेत दिए थे। अब टीम को उनसे एक बड़ी कप्तानी पारी की उम्मीद रहेगी।

मध्यक्रम में डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, कार्तिक शर्मा और जेमी ओवरटन की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण रहने वाली है। वहीं महेंद्र सिंह धोनी की फिटनेस अब भी चर्चा का विषय बनी हुई है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले लगी पिंडली की चोट के कारण वह अब तक एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए हैं। हालांकि उन्होंने नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया है, लेकिन अंतिम एकादश में उनकी वापसी को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। धोनी की गैरमौजूदगी ने टीम के अनुभव और फिनिशिंग क्षमता को प्रभावित किया है।

दूसरी तरफ लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए यह सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने 10 मुकाबलों में सिर्फ तीन जीत दर्ज की है। कप्तान ऋषभ पंत का बल्ला भी इस सीजन खामोश रहा है। हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उन्होंने तूफानी पारी खेली थी, लेकिन निरंतरता की कमी साफ नजर आई। पिछले मुकाबले में मिचेल मार्श ने 56 गेंदों में 111 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई थी। अब लखनऊ की टीम उसी आत्मविश्वास के साथ चेन्नई को चुनौती देने उतरेगी। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद और दिग्वेश राठी पर टीम की बड़ी जिम्मेदारी रहने वाली है।

प्रिंस यादव की रफ्तार ने जीता दिल, अंबाती रायुडू बोले- जल्द टीम इंडिया में मिलेगा मौका

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव अपनी धारदार गेंदबाजी से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने जिस तरह से मैच का रुख पलटा, उसने क्रिकेट विशेषज्ञों को भी प्रभावित कर दिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने तो यहां तक कह दिया कि प्रिंस यादव जल्द ही भारतीय टीम के लिए खेलते नजर आ सकते हैं। रायुडू ने उनके प्रदर्शन को बेहद खास बताते हुए कहा कि इस युवा गेंदबाज में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने की पूरी क्षमता दिखाई देती है। अंबाती रायुडू ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रिंस यादव का आत्मविश्वास और गेंदबाजी का तरीका उन्हें बाकी युवा गेंदबाजों से अलग बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रिंस का रन-अप देखकर ही समझ आता है कि वह बल्लेबाज पर दबाव बनाने के इरादे से गेंदबाजी करते हैं। उनकी सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह लगातार स्टंप लाइन पर गेंद डालते हैं और बल्लेबाजों को गलती करने के लिए मजबूर कर देते हैं। रायुडू ने खास तौर पर विराट कोहली को आउट करने वाली गेंद की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह गेंद टूर्नामेंट की सबसे शानदार गेंदों में से एक थी। गेंद आखिरी समय में जिस तरह अंदर की ओर स्विंग हुई और सीधे स्टंप्स से टकराई, उसे खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए मुश्किल था। रायुडू ने कहा कि दुनिया का कोई भी बल्लेबाज उस गेंद पर संघर्ष करता। उन्होंने यह भी कहा कि विराट कोहली जैसे बड़े बल्लेबाज को क्लीन बोल्ड करना किसी युवा गेंदबाज के लिए बेहद खास उपलब्धि होती है। मुकाबले में प्रिंस यादव ने चार ओवर में 33 रन देकर तीन अहम विकेट अपने नाम किए। उन्होंने विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जितेश शर्मा को भी पवेलियन भेजा। उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने मुकाबला 9 रन से जीत लिया।

इटेलियन ओपन में बड़ा उलटफेर, युवा प्रिज़्मिक ने नोवाक जोकोविच को बाहर किया

रोम (एजेंसी)। इटेलियन ओपन 2026 में टेनिस जगत को बड़ा झटका लगा जब छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच दूसरे दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए। क्रोएशिया के युवा खिलाड़ी डिनो प्रिज़्मिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनुभवी सर्बियाई स्टार को तीन सेटों तक चले मुकाबले में 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर सनसनी फैला दी। इस जीत के साथ प्रिज़्मिक ने टूर्नामेंट के अंतिम-32 में जगह बना ली और अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। मुकाबले की शुरुआत में ऐसा लग रहा था कि नोवाक जोकोविच आसानी से मैच पर कब्जा जमा लेंगे। पहले सेट में उन्होंने अपने अनुभव और क्लास का शानदार प्रदर्शन किया। बेहतरीन ड्रॉप शॉट, तेज फोरहैंड विनर्स और सटीक सर्विस की बदौलत जोकोविच ने शुरुआती सेट 6-2 से अपने नाम किया। उस समय प्रिज़्मिक दबाव में नजर आ रहे थे और जोकोविच पूरी तरह मैच पर नियंत्रण बनाए हुए थे। लेकिन दूसरे सेट

से मुकाबले की तस्वीर पूरी तरह बदल गई।

दूसरे सेट में डिनो प्रिज़्मिक ने आक्रामक टेनिस खेलना शुरू किया। उन्होंने शुरुआत से ही जोकोविच पर दबाव बनाया और लगातार शानदार रिटर्न के दम पर तेजी से 4-0 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरी ओर जोकोविच की पहली सर्विस कमजोर पड़ने लगी, जिसका पूरा फायदा युवा क्रोएशियाई खिलाड़ी ने उठाया। प्रिज़्मिक ने दूसरे सेट को 6-2 से जीतकर मुकाबले में जोरदार वापसी की और जोकोविच को बैकफुट पर धकेल दिया।

तीसरे और निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। हर अंक के लिए लंबी रैलियां चलीं और मुकाबला रोमांचक होता गया। हालांकि पांचवें गेम में प्रिज़्मिक ने महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल कर लिया, जो अंत में निर्णायक साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने संयम बनाए रखा और 6-4 से सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। युवा खिलाड़ी की इस जीत ने पूरे टेनिस जगत को चौंका दिया।

हार के बाद नोवाक जोकोविच ने स्वीकार किया कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर नहीं खेल सके। उन्होंने कहा कि उनका खेल बेहद खराब नहीं था, लेकिन वह कई मौकों पर आधा कदम पीछे रह गए। साथ ही उन्होंने डिनो प्रिज़्मिक की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि युवा खिलाड़ी ने बेहद उच्च स्तर का टेनिस खेला और खासकर उसके फोरहैंड में काफी सुधार देखने को मिला। अब टूर्नामेंट में सबकी निगाहें दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी यानिक सिनर पर होंगी, जो शनिवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। वहीं महिला वर्ग में चीन की झेंग किनवेन का मुकाबला पूर्व फ्रेंच ओपन चैंपियन जेलेना ओस्टापेंको से होगा।

नेमार अब भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल : लियोनेल मेसी

ब्यूनस आयर्स (ईएमएस)। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि वह आज भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। मेसी ने उम्मीद जताई कि नेमार अगले महीने होने वाले फीफा वर्ल्ड कप में खेलते नजर आएंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेसी ने 'लो डेल पोलो शो' में बातचीत के दौरान कहा कि हर कोई चाहता है कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हिस्सा लें और नेमार हमेशा उन खिलाड़ियों में शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि ब्राजील और फुटबॉल जगत के लिए नेमार का महत्व बहुत बड़ा है, इसलिए उन्हें विश्व कप में देखना शानदार होगा। मेसी ने स्वीकार किया कि नेमार के साथ उनकी गहरी दोस्ती के कारण वह इस मामले में पूरी तरह निष्पक्ष नहीं रह सकते। उन्होंने कहा कि नेमार उनके करीबी दोस्त हैं और वह चाहते हैं कि उनके साथ अच्छी चीजें हों, क्योंकि वह एक बेहतरीन इंसान हैं और इसके हकदार भी हैं। मेसी ने उम्मीद जताई कि नेमार पूरी तरह फिट होकर विश्व कप में वापसी करेंगे। अर्जेंटीना के कप्तान ने नेमार के व्यक्तित्व की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नेमार में एक अलग तरह का करिश्मा है और वह दिखावा नहीं करते। मेसी के अनुसार नेमार अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीते हैं और इस बात की ज्यादा चिंता नहीं करते कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। यही बात उन्हें बेहद स्वाभाविक और खास बनाती है। आठ बार बैलन डीओर जीत चुके मेसी ने यह भी माना कि अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप खिताब का बचाव करना आसान नहीं होगा। उन्होंने स्पेन, फ्रांस और ब्राजील को टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में गिना। मेसी ने कहा कि विश्व कप हमेशा कठिन प्रतियोगिता होती है क्योंकि इसमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेती हैं। उन्होंने माना कि अर्जेंटीना को उम्मीद जरूर रखनी चाहिए, लेकिन यह भी स्वीकार करना होगा कि कई टीमें बेहद मजबूत स्थिति में हैं। नेमार और मेसी ने लंबे समय तक क्लब फुटबॉल में साथ खेला है। दोनों 2013 से 2017 तक एफसी बार्सिलोना के लिए खेले, जबकि 2021 से 2023 तक दोनों पेरिस सेंट-जर्मेन फुटबॉल क्लब में भी टीम साथी रहे। फिलहाल नेमार चोटों से जूझ रहे हैं। अपने बचपन के क्लब सांतोस फुटबॉल क्लब में वापसी के बाद से वह लगातार फिटनेस समस्याओं से परेशान रहे हैं। अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के दौरान उनके एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट में चोट लगी थी, जिसके बाद से वह ब्राजील की राष्ट्रीय टीम से बाहर चल रहे हैं।

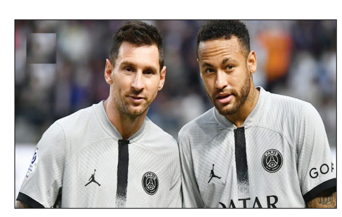

ब्रूनो फर्नांडिस और खादिजा शॉ बने इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर, प्रतिष्ठित सम्मान पर जमाया कब्जा

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड में खेल रहे फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए दिए जाने वाले प्रतिष्ठित फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन पुरस्कार में इस बार मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस और मैनचेस्टर सिटी विमेंस की स्टार स्ट्राइकर खादिजा शॉ ने बाजी मारी है। पुरुष वर्ग में ब्रूनो फर्नांडिस को साल का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना गया, जबकि महिला वर्ग में 'बनी' शॉ के नाम से मशहूर खादिजा शॉ ने लगातार दूसरी बार यह सम्मान हासिल कर इतिहास रच दिया। फुटबॉल जगत में इन दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि को बेहद खास माना जा रहा है।

पुर्तगाल के स्टार मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडिस ने इस सीजन मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए शानदार प्रदर्शन किया। पूरे सीजन में उन्होंने गोल करने के साथ-साथ गोल बनवाने में भी अहम भूमिका निभाई और कुल 19 गोल योगदान के जरिए टीम को कई मुश्किल मुकाबलों में जीत दिलाई। क्लब के लिए यह सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन ब्रूनो लगातार टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी साबित हुए। उनकी कप्तानी और शानदार नेतृत्व क्षमता ने मैनचेस्टर यूनाइटेड की यूरोपीय प्रतियोगिताओं में जगह बनाने की उम्मीदों को भी जिंदा रखा। यही वजह रही कि फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन के 900 से ज्यादा सदस्यों में से 45 प्रतिशत वोट ब्रूनो फर्नांडिस के पक्ष में पड़े।

ब्रूनो ने इस पुरस्कार की दौड़ में इंग्लैंड के डेक्लान राइस और नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। वह 2010 में वेन रूनी के बाद यह सम्मान जीतने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह पुरस्कार वर्ष 1947 से दिया जा रहा है और इसे दुनिया के सबसे पुराने व्यक्तिगत फुटबॉल सम्मानों में गिना जाता है।

महिला वर्ग में खादिजा शॉ ने एक बार फिर अपनी जबरदस्त गोल स्कोरिंग क्षमता से सभी को प्रभावित किया। मैनचेस्टर सिटी विमेंस की इस स्टार स्ट्राइकर ने 21 मुकाबलों में 19 गोल दागकर टीम को 10 साल बाद महिला सुपर लीग का खिताब दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। उनकी शानदार फॉर्म पूरे सीजन चर्चा में रही। शॉ ने इस रेस में एलेसिया रूसो और लॉरेन जेम्स जैसी स्टार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। लगातार दूसरे साल यह पुरस्कार जीतकर उन्होंने महिला फुटबॉल में अपनी मजबूत पहचान और भी पुख्ता कर ली है।

फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि ब्रूनो फर्नांडिस और खादिजा शॉ ने पूरे सीजन जिस निरंतरता और दबाव में प्रदर्शन किया, उसने उन्हें इस सम्मान का सबसे बड़ा दावेदार बना दिया। दोनों खिलाड़ियों ने साबित किया कि टीम के लिए लगातार योगदान और निर्णायक मौकों पर प्रदर्शन ही किसी खिलाड़ी को महान बनाता है।

आईपीएल के बीच अर्शदीप सिंह की व्लॉगिंग पर बीसीसीआई की रोक,ई-सिगरेट विवाद के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह एक नए विवाद में घिर गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन्हें सोशल मीडिया के लिए व्लॉगिंग बंद करने का निर्देश दिया है। यह कदम उनके टीम साथी युजवेंद्र चहलद्य से जुड़े कथित ई-सिगरेट विवाद के बाद उठाया गया है। दरअसल, अर्शदीप सिंह के हालिया व्लॉग के एक हिस्से को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा शुरू हो गई थी। यूजर्स ने दावा किया कि पंजाब किंग्स की टीम जब अहमदाबाद से हैदराबाद जा रही थी, तब फ्लाइट के अंदर युजवेंद्र चहल ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते दिखाई दिए। हालांकि इस मामले में अब तक न तो खिलाड़ियों की ओर से और न ही फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई ने अर्शदीप सिंह को टूर्नामेंट के बाकी बचे मुकाबलों के दौरान किसी भी तरह के व्लॉग या बिहाइंड-द-सीन वीडियो पोस्ट करने से बचने को कहा है। बोर्ड नहीं चाहता कि ड्रेसिंग रूम या टीम के निजी माहौल से जुड़ी कोई ऐसी चीज सार्वजनिक हो, जिससे विवाद पैदा हो या लीग की छवि प्रभावित हो। आईपीएल 2026 में ई-सिगरेट से जुड़ा यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले रेयान पराग भी विवादों में आ चुके हैं।

क्या शादी कर रही हैं हुमा कुरैशी?

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी और रचित सिंह की शादी की चर्चा काफी समय से हो रही है। ताजा जानकारी के अनुसार सगाई के बाद अब दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। दोनों के बीच रिश्ते की अफवाहें काफी समय से चल रही थीं। वे कई बार सार्वजनिक जगहों पर साथ दिख चुके हैं।

कब करेंगे हुमा और रचित शादी?

एक खबर के अनुसार, हुमा और रचित दोनों ने सितंबर 2025 में अमेरिका में निजी समारोह में सगाई कर ली थी। ताजा जानकारी के अनुसार, वे इसी साल अक्तूबर के आखिर या फिर नवंबर में शादी कर सकते हैं। शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, हालांकि, दोनों की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कौन होगा शादी में शामिल?

हुमा और रचित की शादी निजी तरीके से होगी, जिसमें सिर्फ परिवार के अलावा करीबी सदस्य और दोस्त ही शामिल होंगे। इसके बाद मुंबई में फिल्म जगत के लोगों के लिए एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा।

रचित सिंह ने हाल ही में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'थामा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। हुमा ने इंस्टाग्राम पर रचित की तारीफ करते हुए लिखा था कि वह बनारस से मुंबई खाली हाथ आए थे। उन्होंने एक्टिंग कोच बनकर बहुत मेहनत की और आज उनकी मेहनत रंग ला रही है। हुमा ने कहा कि 'थामा' रचित की लगन और मेहनत का प्रमाण है और आगे उनके लिए और भी बड़ी फिल्में आने वाली हैं।

'टॉक्सिक' में नजर आएंगी हुमा कुरैशी

हुमा को आखिरी बार फिल्म 'सिंगल सलमा' में देखा गया था। हुमा की अगली फिल्म 'टॉक्सिक' है। 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतु मोहनदास ने किया है। 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। हुमा के अलावा 'टॉक्सिक' में नयनतारा और कियारा आडवाणी भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म 'टॉक्सिक' इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तब्बू ने दी फिल्म 'किंग 100' पर बड़ी जानकारी

अभिनेत्री तब्बू जल्द नई फिल्म 'किंग 100' मे नजर आएंगी। हाल ही में अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्म के पहले शेड्यूल के खत्म होने की बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। जिसमें एक्ट्रेस अपने क्रू मेंबर्स के साथ मस्ती करती दिख रही हैं।

क्रू मेंबर्स के साथ खिंचवाई सेल्फी

तब्बू इन दिनों आगामी फिल्म 'किंग 100' को लेकर व्यस्त हैं। इंस्टाग्राम पर उन्होंने कुछ फोटोज शेयर किए हैं जिनमें वह अपनी फिल्म के क्रू के साथ दिखाई दे रही हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म की शूटिंग की जानकारी भी दी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'शेड्यूल 1 का अंत'। यह इस बात का संकेत है कि फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है।

तब्बू और नागार्जुन फिर आएंगे साथ

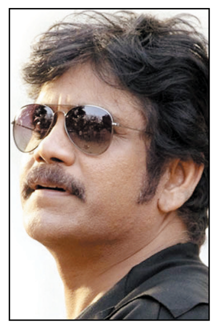

आगामी फिल्म 'किंग 100'से तब्बू साउथ अभिनेता नागार्जुन के साथ लगभग 30 साल बाद नजर आएंगी। आखिरी बार एक्ट्रेस नागार्जुन के साथ साल 1996 में आई रोमांटिक फिल्म 'निन्ने पेल्लादाता' में काम किया था। बीते दिनों तब्बू ने सोशल मीडिया पर अपनी फिल्म की जानकारी दी थी। हालांकि फिल्म की कहानी और बाकी कास्ट से जुड़ी कोई जानकारी अभी तक साझा नहीं की गई।

तब्बू और नागार्जुन का वर्कफ्रंट

तब्बू ने हाल ही में रिलीज हुई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' में अभिनय किया। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार परेश रावल, राजपाल यादव और वामिका गब्बी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। 'भूत बंगला' को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

वहीं साउथ सुपरस्टार नागार्जुन को आखिरी बार रजनीकांत की तमिल एक्शन फिल्म 'कुली' में देखा गया था। फिल्म 2025 में रिलीज हुई थी। जबकि नागार्जुन की आखिरी हिंदी फिल्म निर्देशक अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन - शिवा' है, जो 2022 में रिलीज हुई थी।

आठ घंटे शिफ्ट की बहस के बीच दीपिका ने लंबे समय तक काम करने को सही ठहराया

इंडस्ट्री में बीते कुछ समय से आठ घंटे शिफ्ट का मुद्दा गरमाया हुआ है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब दीपिका पादुकोण ने फिल्म 'स्पिरिट' के मेकर्स के सामने कथित तौर पर आठ घंटे की वर्किंग शिफ्ट की शर्त रखी। सहमति नहीं बनने पर दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। तब से तमाम हीरो-हीरोइन इस विषय पर बात कर चुके हैं और अपने-अपने मत दे चुके हैं। आठ घंटे की शिफ्ट की बहस के बीच हाल ही में चर्चित टीवी एक्ट्रेस दीपिका सिंह लंबे काम के घंटों को सही ठहराती दिखीं।

अभिनेत्री दीपिका सिंह हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने पैपराजी से बात करते हुए लंबे घंटों तक काम करने की अपनी आदत पर बात की। दीपिका ने कहा, 'मैंने जब इंडस्ट्री जॉइन की तब मैं 24 साल की थी। अब मैं जितना काम करूं, उतना कम लगता है'। उन्होंने आगे कहा, 'मैं 12 घंटे काम करती हूं। अगर मुझे लगता है कि सीन बचे हैं तो 13 से 14 घंटे भी काम करती हूं'।

यह क्रिएटिव फील्ड है यहां टाइम लगता है

दीपिका सिंह ने बताया, 'मुझे काम का इतना जुनून है कि मुझे उसमें टाइम की चीजें नजर नहीं आतीं। मुझे लगता है कि कम घंटे देंगे तो क्वालिटी कम हो जाएगी। डायरेक्टर को टाइम नहीं मिलेगा, सीन को उस तरह शूट करने के लिए'। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि लोगों की शिकायत होती है कि 12-12 घंटे काम होता है, इस पर क्या कहेंगी? तब दीपिका ने कहा, 'जब फैमिली को टाइम देना होता है, तो परेशानी होती है। लेकिन, यह समझना होगा कि यह क्रिएटिव फील्ड है, इसमें टाइम लगता ही है। हमारे साथ क्या है कि जब काम होता है तो बहुत होता है। नहीं होता तो बिल्कुल नहीं होता'।

दीपिका ने बताया, 'जब कभी मुझे लगता है कि काम ज्यादा हो रहा है तो मैं अपना पहला दिन याद करती हूं कि मैं ट्रेन से आई थी और अब फ्लाइट से जाती हूं। यही सोच लेती हूं कि अभी तो बहुत कुछ पाना है। अभी से हार जाऊंगी तो आगे क्या करूंगी'।

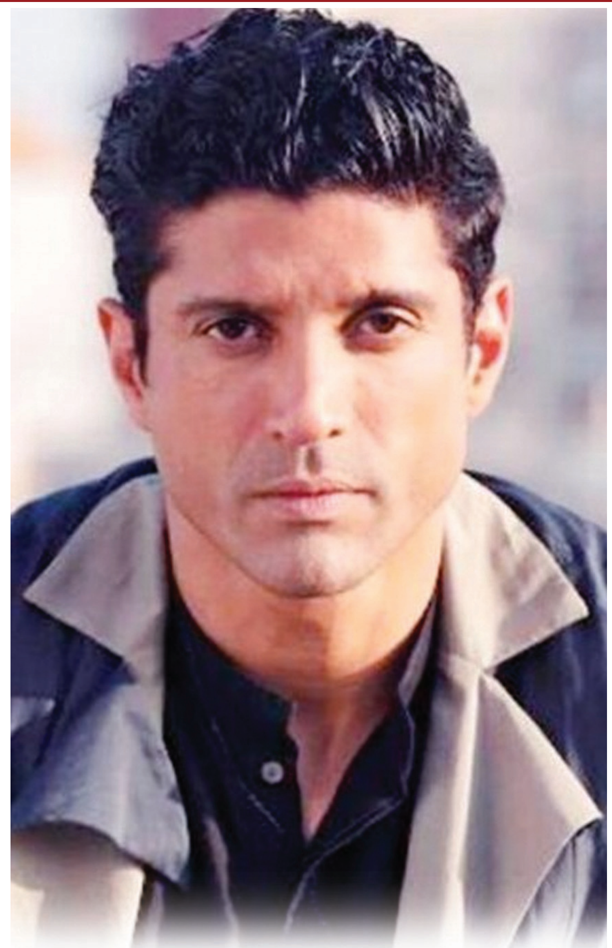

मेरे लिए महत्वपूर्ण फिल्म है 'डॉन 3'

निर्माता-निर्देशक व अभिनेता फरहान अख्तर की 'डॉन 3' पिछले काफी वक्त से लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली 'डॉन 3' अपनी कास्टिंग को लेकर विवाद में फंस गई है। फिल्म में पहले रणवीर सिंह के लिए जाने और बाद में उनके फिल्म से बाहर होने के चलते, अब फरहान के प्रोडक्शन हाउस ने रणवीर पर हर्जाना देने का दावा किया है। मामला प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया तक भी पहुंच चुका है। हालांकि, इस सबके बावजूद फरहान अख्तर का कहना है कि फिल्म बंद नहीं हुई है और ये ऐसी कहानी है, जिसे वो जरूर बनाना चाहते हैं। फरहान इस पूरे विवाद के दौरान सीख मिलने की भी बात कही। बातचीत में फरहान अख्तर ने स्वीकार किया कि पिछले कुछ साल खासतौर पर चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब उन्होंने अप्रत्याशित की उम्मीद करना सीख लिया है। जब तक फिल्म बन न जाए, तब तक किसी भी बात को निश्चित नहीं माना जा सकता। 'डॉन 3' को एक महत्वपूर्ण फिल्म बताते हुए फरहान ने कहा कि फिल्म को बंद नहीं किया जाएगा। यह उन शानदार कहानियों में से एक है, जिसे मैं अब पर्दे पर उतारना चाहता हूं। यह मेरे लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है।

ऋतिक को फिल्म में लेना चाहते थे मेकर्स

खबरों के अनुसार, रणवीर सिंह ने दावा किया कि उन्होंने स्क्रिप्ट से संतुष्ट न होने के कारण प्रोजेक्ट छोड़ा। उनकी ओर से बाद में ये भी आरोप लगाया गया कि फरहान अख्तर ऋतिक रोशन को फिल्म में लेना चाहते थे, लेकिन धुरंधर की सफलता ने उनका इरादा बदल दिया।

हालांकि, ऋतिक रोशन इन दावों को खारिज कर चुके हैं। उनका कहना है कि उन्हें कभी भी 'डॉन 3' के लिए संपर्क ही नहीं किया गया।

रणवीर के अचानक फिल्म छोड़ने पर हुआ विवाद

साल 2023 में फरहान अख्तर ने 'डॉन 3' की घोषणा की थी। जिसमें इस बार शाहरुख खान की जगह रणवीर सिंह लीड एक्टर के तौर पर शामिल हुए थे। रणवीर को फिल्म में लेने पर फरहान ने इसे एक नए युग की शुरुआत बताया था। लेकिन फिल्म को लेकर विवाद तब शुरू हुआ, जब रणवीर सिंह ने फिल्म छोड़ दी। फरहान अख्तर के प्रोडक्शन बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट ने कथित तौर पर प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया से संपर्क किया है और दावा किया कि रणवीर के अंतिम समय में फिल्म छोड़ने से लगभग 40 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मेकर्स ने रणवीर से हर्जाने की मांग भी की है।

इन अपकमिंग फिल्मों में कलाकार निभाएंगे डबल रोल

भारतीय सिनेमा में डबल रोल खूब पसंद किया जाने वाला फॉर्मूला है। 'जुड़वा' (1997) में सलमान खान के डबल रोल को खूब पसंद किया गया। 'जवान' (2023) में भी शाहरुख खान के डबल रोल को काफी सराहना मिली। हाल ही में अक्षय कुमार और वामिका गब्बी ने फिल्म 'भूत बंगला' में डबल रोल किया है जिसे दर्शक पसंद कर रहे हैं। इस खबर में हम आपको बताने वाले हैं कि वह कौन सी अपकमिंग फिल्में हैं, जिनमें कलाकार डबल रोल करने वाले हैं।

टॉक्सिक

4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' का टीजर रिलीज हो गया है। इसमें एक्टर दो अलग-अलग लुक्स में नजर आए हैं। वह एक पिता और उसके हमशक्ल बेटे का डबल रोल निभा रहे हैं। 'राया' नाम का एक किरदार ज्यादा उम्रदराज लगता है। जबकि दूसरे, कम उम्र वाले किरदार को 'टिकट' कहा गया है। इसमें कियारा आडवाणी, नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी भी नजर आएंगी।

शक्ति शालिनी

मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' से स्टार बनने वाली एक्ट्रेस अनीत पड्डा अब 'शक्ति शालिनी' में मुख्य भूमिका निभाएंगी। चर्चा है कि यह फिल्म अच्छाई और बुराई के बीच की लड़ाई पर आधारित होगी। इसमें अनीत दो किरदार निभा रही हैं, एक शक्तिशाली रक्षक 'शक्ति' और दूसरी बदला लेने वाली आत्मा 'शालिनी'। इसमें एक्टर विशाल जेठवा भी नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल दिसंबर में रिलीज हो सकती है।

रामायण और रामायण 2

हाल ही में रणबीर कपूर ने बताया कि वह 'रामायण' में डबल रोल निभाते नजर आएंगे। वह भगवान राम और भगवान परशुराम, दोनों का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म में साई पल्लवी सीता के किरदार में और यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। 'रामायण' पार्ट 1 दिवाली 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। वहीं 'रामायण' पार्ट 2 अगले साल दिवाली 2027 को रिलीज होगी।

एनिमल पार्क

फिल्म 'एनिमल' (2023) में रणबीर कपूर ने रणविजय का किरदार निभाया था। फिल्म के आखिर में, अजीज हक नाम का एक और किरदार नजर आया था। इसने रणविजय जैसा दिखने के लिए प्लास्टिक सर्जरी करवाई थी। फिल्म के सीक्वल 'एनिमल पार्क' में रणबीर, रणविजय और अजीज, दोनों का डबल रोल निभाएंगे। रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी भी इस फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग 2027 में शुरू होने वाली है।

कल्कि 2898 AD पार्ट 2

'कल्कि 2898 AD (2024) के क्लाइमेक्स में खुलासा हुआ था कि प्रभास का किरदार भैरव, महाभारत के कर्ण का पुनर्जन्म है। फिल्म के सीक्वल 'कल्कि 2898 AD: पार्ट 2' में, प्रभास कर्ण और भैरव, दोनों किरदारों में नजर आएंगे। इसमें दीपिका पादुकोण की जगह साई पल्लवी को लिया गया है। 'कल्कि 2898 AD: पार्ट 2' के 2026 के आखिर या 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है।

उड़ान आपकी है

संतोष-भरा जीवन जीने के लिए अपने व्यक्तित्व की डोर थामना बिल्कुल वैसे ही ज़रूरी है.. जैसे खुश होने के लिए खुद मुस्कुराना..

बालिका को जीवन के प्रथम चरण से ही हर बात के लिए रोका टोका जाता रहा है। ऐसे उठो बैठो, अकेले बाहर मत जाओ, यह न करो.. कहीं न कहीं ये बातें महिलाओं के मन में कमजोर होने का भाव जगाती हैं। और अरमानों का वह आज़ाद परिंदा, क़ैद में रहकर, हौसला खोकर उड़ान भरना भूल जाता है। नतीजतन, स्त्री धीरे धीरे हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर होने लगती है। आत्मविश्वास की कमी के कारण भी हर कार्य करने से पहले उसे सहमति की आवश्यकता होती है। फिर धीरे धीरे वह दूसरों के निर्णय को ही अपना निर्णय बना लेती है। गुजरते समय के साथ आत्मसम्मान में कमी आ जाती है और मन में अनजाना-सा दुख पनपने लगता है।

हम सब आईने की तरह होते हैं। जैसे खुद को देखेंगे, स्वयं के बारे में जैसा सोचेंगे, वही हमारे कार्यो में दिखेगा, फिर वैसा ही लोग हमारे बारे में सोचेंगे। इसलिए आज से ही अपनी नींव मजबूत करना शुरू करें। खुद को जानें, खुद पर यक़ीन करें और फिर मजबूती से क़दम बढ़ाएं।

सामान्य भूलें जो हमें जीवन की कमान समंभालने से रोकती हैं –

–खुद से, खुद की मर्ज़ी से अनजान।

–राय और मश्विरे लिए बिना कुछ भी न कर पाना।

–छोटी-से छोटी भूल के लिए कई दिनों तक शर्मिंदा महसूस करना।

–ज़िंदगी तो दूर, दिन तक की योजना न बना पाना।

–शब्दों का बेजा प्रयोग करना।

क्या आप भी अक्सर ऐसा कहती या सोचती हैं –

–डिग्री सही सब्जेक्ट में ली होती, तो आज नौकरी ढूंढना आसान होता।

–जब इतना पैसा होगा, ज़िंदगी में मज़ा तो तब आएगा।

–अगर स्कूटी की जगह कार होती, तो काम बढ़ाया भी जा सकता था।

इसे आप कुछ इस तरह भी कह सकती हैं –

–मैंने जीवन में कुछ करने के दूसरे विकल्पों के बारे में नहीं सोचा।

–पैसों का प्रबंधन कभी ठीक से नहीं हुआ मुझसे।

–मुझे सुविधाएं ज़रा ज्यादा चाहिए।

अब अगर यह तय करना है कि ज़िंदगी की कमान संभालनी है, तो सबसे पहली बात, शिक़ायतें करना छोड़ दें। आपकी ज़िंदगी की कमियों या समस्याओं के लिए अगर खुद उपाय नहीं किया, तो किसी पर दोष मढ़ने का हक़ नहीं।

हर दिन, हर परिस्थिति में ये चार मंत्र हमेशा याद रखिए –

1-चाहे हालात कैसे भी हों, किसी के सिर दोष मढ़ने के बजाय केवल निदान पर ध्यान दूंगी।

2-मेरी अपनी कोई भी दिक्क़त हो, पहले उसका हल खुद ही ढूंढूंगी।

3-अपने बारे में ईमानदार रहना होगा, चाहे कितनी भी बड़ी समस्या में फंस जाऊं।

4. अपने सपनों, अपनी इच्छाओं की अनदेखी नहीं करूंगी। न ही कभी यह सोचूंगी कि मैं फलां कार्य के लिए योग्य नहीं हूं।

पता करें कि आपके लिए क्या महत्वपूर्ण है–

–एक काग़ज पर कार्यो की प्राथमिकता अनुसार सूची बनाएं।

–पता करें कि कौन-सी बाधाएं आपको अंदर से परेशान कर रही हैं?

स्वयं पर विश्वास करें

–विश्वास करें कि आप अपने लक्ष्य को वास्तविक बनाने में सक्षम हैं। यदि आप अपनी शक्ति व क्षमताओं पर विश्वास करेंगी, तभी लोग व घटनाएं भी आपका समर्थन करेंगी।

–आपके विचार ही अनुभव बनाते हैं, इसलिए भय या संदेह को खुद पर हावी न होने दें।

–मुस्कुराती रहें और स्वयं से ह्श्यार करें।

कार्यान्वित करें– योजना बनाएं कि आप स्वयं को किस रूप में देखना चाहती हैं। उसी तस्वीर की प्रतिकृति मन में बना लें।

स्वयं के फ़ैसले लें– आपके लिए जो कार्य वाक़ई आवश्यक है, उसकी तरफ़ ठोस क़दम बढ़ाएं। दूसरों के विचारों को अहमियत देना जरूरी है, पर अंतिम फ़ैसला स्वविवेक व अपनी आवश्यकता के आधार पर करें।

आत्मनिर्भर बनें– हर विषय में जानकारी लें। गैजेट्स, शहर के रास्ते आदि के बारे में जानें, ताकि समय आने पर आपको किसी पर निर्भर न रहना पड़े। स्वयं के कार्य करने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। फिर कोई भी कार्य करने से पहले आप राय नहीं लेंगी, बल्कि दूसरों को परामर्श देने में भी सक्षम होंगी।

स्वयं के लिए समय निकालें– जो कुछ करना आपको अच्छा लगता है, उस कार्य को करने में कुछ समय व्यतीत करें। आध्यात्मिक उन्नति करें।

एक मिनट कीजिए सोलह श्रृंगार!

अगर आपको ऐसा जादुई आईना मिल जाए, जिसमें आप एक मिनट में दर्जनों बार श्रृंगार कर सकें और एक बटन दबाते ही सभी रूप ओझल हो जाएं तो कैसा रहे? चौंकिए नहीं। यूरोप के ब्यूटी काउंटरों पर एक ऐसे आईने की नुमाइश की जा रही है, जिसमें महिलाएं विभिन्न रूपों को आजमा कर सबसे अच्छे रूप का चयन कर रही हैं। जापानी ब्यूटी ब्रांड शिसीडो द्वारा तैयार किया गया यह आईना उपयोगकर्ता को आंखों, होठों और गालों का वास्तविक मेक-अप करने का भी विकल्प उपलब्ध कराता है। कंपनी के यूरोपीय स्टोर्स में यह आईना महिलाओं के बीच लोकप्रिय हो रहा है। आईने में एक कैमरा लगा है, जो महिला के रूप को अपनी मैमोरी में कैद कर लेता है। इसके बाद आईने के संवेदनशील टच स्क्रीन को छूकर 50 से अधिक आंखों और होठों के रंगों का चयन किया जा सकता हैं। 12 प्रकार के लालिमा से युक्त गालों के रंग का भी चुनाव इस आईने को देख कर किया जा सकता है। इस आईने में दिखाई देने वाला रूप ठीक उसी प्रकार का होता है, जो वास्तविक आईने में दिखता है। यदि मेकअप करने के चलते आंखों का रंग साफ नहीं दिखाई देता है, तो उसे स्क्रीन पर देखा जा सकता है। महिला अपने पसंदीदा रूप का चयन करने के बाद अपना फोटो भी ले सकती हैं। आईने में लगी मशीन उनके विभिन्न रूपों में से कुछ का संचय कर लेती है, जो बाद में पसंदीदा रूप के चयन में सहायता करती है।

उपनाम दर्शाए परिवार प्रेम

अगर बात विवाह जैसे पवित्र बंधन की हो तो हमारे देश में इसे बखूबी निभाया जाता है। शादी के बाद पत्नी की पहचान पति से ही होती है। खासकर उसके नाम और उपनाम से। मगर अमेरिका में तो लोग अपनी पत्नी का उपनाम तक लगाने लगे हैं। हालांकि विकसित देशों में भी पत्नी का उपनाम लेने पर पहले कोर्ट में अर्जी देनी पड़ती है और फिर पैसे भी भरने पड़ते हैं। ऐसा नहीं है कि वहां इसका विरोध नहीं किया जाता, लेकिन फिर भी 350 डॉलर देकर वहां पत्नी का उपनाम इस्तेमाल किया जा सकता है।

पति काटे कोर्ट के चक्कर: आजकल कई पति शादी के बाद अपनी पत्नी का सरनेम रखना पसंद कर रहे हैं। लेकिन उन्हें कुछ कानूनी दांवपेंच से गुजरना पड़ता है। जबकि औरतों के साथ यह बात लागू नहीं होती। उन्हें आसानी से अपने पति का सरनेम मिल जाता है। भारत में पति को पत्नी से ऊपर का दर्जा मिलता है, इसीलिए जब लड़की शादी कर अपने घर जाती है तो वह अपने पति के सरनेम से जानी जाती है। हमारे देश में कम लेकिन बाहर के देशों में कई लोग ऐसे हैं, जो पत्नी का सरनेम खुशी से अपने नाम के साथ जोड़ना चाहते हैं।

महिलाएं भी दाखिल करती हैं अर्जी: कई देश ऐसे हैं जहां पति का सरनेम रखने के लिए भी कोर्ट की इजाजत लेनी पड़ती है। इराक, यमन, जार्डन, सीरिया में तो औरतें अपने पिता का उपनाम रखती हैं। शादी के बाद भी उनका नाम पिता के उपनाम के साथ ही जाना जाता है। अगर कोई महिला अपने पति का सरनेम रखने की इच्छा जताती है तो उसे कोर्ट में अर्जी दाखिल करनी होती है और बिना अदालती आदेश के वह अपने पति का सरनेम नहीं रख सकती।

पति के साथ खुद का सरनेम: भारत परम्पराओं का देश है। यहां परम्पराएं निभाई जाती हैं। शादी के बाद एक लड़की को अपने पति का नाम मिलता है। महिलाएं भी यहां पति का सरनेम रखना पसंद करती हैं। प्रियंका गांधी शादी के बाद अपने आप को प्रियंका वडेरा कहलाना अधिक पसंद करती हैं। कई मामले में महिलाएं पति के सरनेम के साथ-साथ अपना सरनेम भी रखती हैं। ऐश्वर्या राय ने शादी के बाद अपने पति का सरनेम लगाया और ऐश्वर्या राय बच्चन हो गईं। अभिनेत्री मानसी जोशी ने रोहित राय से शादी करने के बाद अपना नाम मानसी जोशी राय रखा है। लोग उन्हें इस नाम से जानते हैं, इसलिए शायद उन्होंने ऐसा किया।

शिखर की चाह

कामकाजी इंसान की ख्वाहिश लीडरशिप के शिखर पर पहुंचने की होती है। महिलाओं को यह राह निष्कंटक नहीं लगती। लेकिन इस राह को आसान वे खुद ही बना सकती हैं...

यह आपका कार्यक्षेत्र है। यहां आपका काम आपको पहचान और समान दिलाता है। आपको आत्मनिर्भर बनाता है। बेशक, यहां कई चुनौतियां हैं, पर यह न भूलें कि यहां अवसर भी हैं। आगे बढ़ने और लीडर बनने के अवसर। सो, पहले समझें कि लीडरशिप के लिए किन गुणों की दरकार होती है–

जिम्मेदारी– लीडर अधिकार से पहले जवाबदेही लेते हैं, क्योंकि जवाबदेही के साथ अधिकार तो मिल ही जाते हैं। वे लक्ष्य तय करते हैं। लीडर अतिरिक्त जिम्मेदारियों को कभी 'न' नहीं कहते।

संवाद– औरों को अपनी राय रखने और फीडबैक देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हर तरह के फीडबैक का सम्मान करते हैं। दुराव छिपाव नहीं रखते।

आत्म अवलोकन– लीडर अपनी ग़लतियां मानते हैं और उन्हें दूसरों पर नहीं थोपते। न ही वे बहाने बनाते।

प्रोत्साहन– सहकर्मियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं। मदद और मार्गदर्शन के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। औरों की तरक्क़ी में सहायक बनते हैं।

आइडिया– लीडर नए आइडिया और ह्श्वलान देते हैं, जिन पर उनके साथ अनुयायी चलते हैं।

तैयारी– अपनी योग्यताएं बढ़ाते रहते हैं। लीड करने के लिए तैयार रहते हैं। चाहे चुनौती कुछ भी हो, स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। दतर में कई चुनौतियां महिलाओं के सामने खड़ी होती हैं, जिनमें एक जो सबसे महत्वपूर्ण है, उसका ताल्लुक़ केवल और केवल छवि से है।

इस बारे में हिलैरी क्लिंटन के एक प्रेस सहयोगी के कथन से जाना जा सकता है– 'महिला लीडर क्या कह रही है या वो क्या कहेगी, से कहीं ज्यादा लोग इस बारे में बात करते हैं कि वो कहते वक़्त कैसी दिख रही थी।' आप कैसी दिखती हैं, दफ़्तर में कैसे रहती हैं से लेकर किससे, क्या बात करती हैं, ये सब माइक्रोस्कोप के नीचे रखकर देखा जाता है।

इसलिए, ध्यान रखें

–सबसे पहला प्रयास तो उन लोगों से जो केवल रूप या ड्रेस की बातें करते हैं, ध्यान हटाकर काम पर लगाना है। कुछ दिनों बाद ये लोग भी आपके फोकस के क़ायल हो जाएंगे।

–योग्यता में लगातार सुधार व निखार लाती रहें।

–फ़ैसले लेने के मामले में कमज़ोर साबित हुईं, तो दफ़्तर में सहायक भूमिकाओं तक सीमित रह जाएंगी।

–बहुत सारे लोग मदद के लिए तैयार होंगे और चाहेंगे कि बदले में आप उनका एहसान मानें। अपनी समस्याओं से जहां तक संभव हो, खुद निपटें।

–दफ़्तर में निजी बातें करना या अनावश्यक घरेलू बातें करना दूसरों को ग़लत अर्थ लगाकर, आपका ध्यान भटकाने का मौक़ा दे सकता है।

ये भी आजमाएं– नवीनतम गैजेट्स रखें। ये बताते हैं कि आप जमाने के साथ चलने वाली हैं। इनसे यह भी संदेश मिलता है कि सूचनाओं और संदेशों का आदान-प्रदान आपके लिए जरूरी है, यानी आपकी पोजीशन और काम महत्वपूर्ण हैं।

हमेशा याद रखें– स्त्री होने के कारण अतिरिक्त सुविधाओं और छूट की उम्मीद न रखें। ये मिल तो जाएंगी, पर आपको सिर्फ़ कमजोर महिला समझकर ख़ारिज कर दिए जाने का ख़तरा भी रहेगा, जो आपकी लीडरशिप की राह में सबसे बड़ी बाधा है। लोगों से सहयोग तो लें, लेकिन उन पर आश्रित न हो जाएं।

आलोचकों से न उलझें– आलोचकों पर अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें। मशहूर अमेरिकी गायिका बियोंसे नोल्स कहती हैं, 'मैं यह उम्मीद नहीं कर सकती कि मैं जो भी करूं, वह हर किसी को पसंद आए ही।'

गृहक्षेत्र में सद्भाव– अमेरिकी शेयर मार्केट में बड़ी कमाई करने वाली सेली क्रॉचेक की सलाह है– स्त्री सुनिश्चित करे कि पति उसके काम व जिम्मेदारियों को समझ रहा है।

तैयारी करें जहां– पहुंचना चाहती हैं, उसके लिए आवश्यक तैयारी करें। यह हर सफल महिला का मंत्र है। बिना तैयारी के अवसर भी बेकार चले जाते हैं।